@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

मंगलवार, 17 दिसंबर 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 37 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

प्रधानमंत्री मोदी, गृहमंत्री शाह और भाजपा ने 1971 के विजय दिवस पर रणबांकुरों को दी श्रद्धांजलि

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह एवं सहकारितामंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने विजय दिवस पर 1971 की ऐतिहासिक जीत में अपना सर्वोच्च बलिदान करने वाले सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री मोदी, गृहमंत्री शाह और भाजपा ने एक्स हैंडल पर मां भारती के सपूतों को कोटि-कोटि नमन किया।

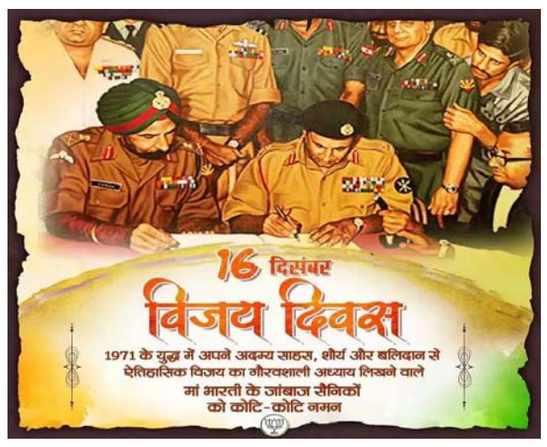

प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा, 'विजय दिवस पर हम उन बहादुर सैनिकों के साहस और बलिदान का सम्मान करते हैं जिन्होंने 1971 में भारत की ऐतिहासिक जीत में योगदान दिया। उनके निस्वार्थ समर्पण और अटूट संकल्प ने हमारे राष्ट्र की रक्षा की और हमें गौरव दिलाया। यह दिन उनकी असाधारण वीरता और उनकी अटल भावना को श्रद्धांजलि है। उनका बलिदान पीढ़ियों को हमेशा प्रेरित करेगा और हमारे देश के इतिहास में गहराई से अंकित रहेगा। केंद्रीय गृह एवं सहकारितामंत्री अमित शाह ने लिखा, 'सभी को विजय दिवस की शुभकामनाएं। विजय दिवस सेना के वीर जवानों के साहस, अटूट समर्पण और पराक्रम की पराकाष्ठा का प्रतीक है। 1971 में आज ही के दिन सेना के वीर जवानों ने न केवल दुश्मनों के हौसले पस्त कर तिरंगे को शान से लहराया, बल्कि मानवीय मूल्यों की रक्षा करते हुए विश्व मानचित्र पर एक ऐतिहासिक बदलाव किया। देश अनंत काल तक अपने रणबांकुरों के शौर्य पर गर्व करता रहेगा।' वहीं, भाजपा ने लिखा, '1971 के युद्ध में अपने अदम्य साहस, शौर्य और बलिदान से ऐतिहासिक विजय का गौरवशाली अध्याय लिखने वाले मां भारती के वीर सैनिकों को कोटि-कोटि नमन।'

कश्मीर घाटी में न्यूनतम तापमान हिमांक बिंदु से नीचे

नरेश मल्होत्रा

श्रीनगर। कश्मीर घाटी में न्यूनतम तापमान लगातार हिमांक बिंदु से नीचे बना हुआ है जबकि जम्मू में बादलों की पतली धुंध के बीच से सर्दियों का कमज़ोर सूरज निकल आया है। घाटी में शीत लहर की स्थिति बनी हुई है क्योंकि मौसम विभाग ने 21 दिसंबर तक मौसम के ठंडा और शुष्क रहने तथा 21 दिसंबर की शाम से 22 दिसंबर की सुबह के बीच ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की बर्फबारी की संभावना जताई है। इसी बीच श्रीनगर में न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे 3.4, गुलमर्ग में शून्य से नीचे 4 और पहलगाम में शून्य से नीचे 5 दर्ज किया गया। जम्मू शहर में न्यूनतम तापमान 5, कटरा में 6.9, बटोत में 4.5, बनिहाल में 1 और भद्रवाह में 3.9 दर्ज किया गया। कश्मीर घाटी में सुबह की अत्यधिक ठंड के कारण लोग सुबह घरों के अंदर ही रहना पसंद करते हैं और बर्फीली हवा के कारण शाम को जल्दी घर जाने की कोशिश करते हैं। कड़ाके की ठंड की 40 दिन की अवधि जिसे स्थानीय रूप से चिल्लई कलां कहा जाता है 21 दिसंबर से शुरू होकर 30 जनवरी को समाप्त होगी। इस अवधि के दौरान अधिकतम और न्यूनतम तापमान के बीच का अंतर कम हो जाता है जिससे ठंड का असर और बढ़ जाता है। कश्मीरी लोग शरद ऋतु के दौरान बैंगन, टमाटर और कद्दू जैसी सूखी सब्जियाँ जमा करके रखते हैं ताकि उन्हें सर्दी के महीनों में इस्तेमाल किया जा सके। कश्मीर घाटी के स्थानीय लोगों द्वारा फेरन नामक एक ढीला ओवरगारमेंट पहना जाता है जिसके नीचे वे कांगड़ी नामक विलो विकर टोकरी में बुनी हुई।

उत्कर्ष कोचिंग क्लासेस को निगम ने किया सील, एफएसएल टीम ने लिए पानी के सैंपल

जयपुर। जयपुर के महेश नगर स्थित उत्कर्ष कोचिंग सेंटर में हुए हादसे ने न केवल शिक्षा संस्थानों की व्यवस्थाओं पर सवाल खड़ा किया है, बल्कि प्रशासन की उदासीनता भी उजागर कर दी है। रविवार शाम हुई इस घटना के दौरान सीवरेज गैस के रिसाव से कई छात्र-छात्राओं की तबीयत बिगड़ गई, जिसके चलते कुछ बेहोश हो गए और अस्पताल ले जाना पड़ा। इसके बाद निगम ने कोचिंग सेंटर को सील कर दिया।

हादसे के बाद कोचिंग सेंटर को बंद किए जाने से छात्रों का गुस्सा फूट पड़ा। वे धरने पर बैठ गए और इस कार्रवाई को ÷असामयिक÷ बताते हुए विरोध दर्ज कराया। छात्रों का कहना है कि कोचिंग बंद होने से उनकी तैयारी बुरी तरह प्रभावित होगी। आगामी प्रतियोगी परीक्षाओं को लेकर चिंतित छात्रों का भविष्य एक

बार फिर लापरवाही की भेंट चढ़ता नजर आ रहा है।धौलपुर से आए छात्र रामगोपाल की बात चिंताजनक है :रीट की तैयारी के लिए मैं यहां आया था। अगर कोचिंग पांच दिन भी बंद रहती है तो हमारा करियर दांव पर लग जाएगा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे के समय अफरा-तफरी मच गई थी। सवाल यह उठता है कि सीवरेज सिस्टम जैसे बुनियादी ढांचे की नियमित जांच क्यों नहीं होती इतनी भीड़भाड़ के बीच सुरक्षा मानकों का पालन क्यों नहीं किया जाता नगर निगम की टीम के अनुसार, सीवर की गंध हादसे की मुख्य वजह हो सकती है। लेकिन यह प्रश्न अनुत्तरित है कि आखिर ऐसी स्थिति तक प्रबंधन और प्रशासन को जागरूक क्यों नहीं किया गया? घटना के बाद छात्र संघ नेता निर्मल चौधरी के नेतृत्व में छात्रों ने विरोध प्रदर्शन किया। चौधरी ने आरोप लगाया कि प्रशासन और पुलिस कोचिंग माफिया की ढाल बने हुए हैं।

राहुल गांधी ने विदेश मंत्री को लिखा पत्र, श्रीलंका की जेलों में बंद भारतीय मछुआरों की रिहाई का उठाया मुद्दा

नई दिल्ली । लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पत्र लिख कर श्रीलंका के जेल में बंद भारतीय मछुआरों की रिहाई का मुद्दा उठाया है।कांग्रेस सांसद ने अपने पत्र में लिखा, हम श्रीलंकाई राष्ट्रपति की भारत की पहली आधिकारिक यात्रा की मेजबानी करने की तैयारी कर रहे हैं, मैं भारत सरकार से अनुरोध करता हूं कि वह गलती से अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा (आईएमबीएल) पार करने वाले भारतीय मछुआरों के मुद्दे को उठाएं और उनकी जल्द रिहाई सुनिश्चित करें।

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ने तबला वादक उस्ताद जाकिर हुसैन के निधन पर शोक व्यक्त किया

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को विश्व विख्यात तबला वादक उस्ताद जाकिर हुसैन के निधन पर शोक व्यक्त किया और तबले को वैश्विक मंच पर ले जाने में जाकिर हुसैन के योगदान को याद करते हुए उन्हें सांस्कृतिक एकता का प्रतीक बताया। राष्ट्रपति ने एक्स पर पोस्ट में लिखा, तबला के जादूगर उस्ताद जाकिर हुसैन का निधन संगीत जगत के लिए बहुत बड़ी क्षति है। वे अपनी असाधारण रचनात्मकता और आविष्कारशीलता के लिए जाने जाते थे। उन्होंने दुनिया भर के संगीत प्रेमियों की कई पीढ़ियों को मंत्रमुग्ध किया। वे भारत और पश्चिम की

संगीत परंपराओं के बीच एक सेतु थे। मुझे उन्हें पद्म विभूषण से सम्मानित करने का सौभाग्य मिला। मैं उनके परिवार के सदस्यों और उनके अनगिनत प्रशंसकों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं। उपराष्ट्रपति ने एक्स पर लिखा, दिग्गज तबला वादक पद्म विभूषण उस्ताद जाकिर हुसैन जी के निधन की खबर सुनकर बहुत दुख हुआ। भारतीय शास्त्रीय संगीत को वैश्विक मंच पर ले जाने वाले प्रसिद्ध तबला वादक जाकिर हुसैन जी अपने पीछे एक समृद्ध विरासत और भारत के सांस्कृतिक परिदृश्य पर एक अमिट छाप छोड़ गए हैं। उनकी अद्वितीय कला हमेशा हमारे दिलों में गूंजती रहेगी। प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा, महान तबला वादक उस्ताद जाकिर हुसैन के निधन से बहुत दुखी हूं। उन्हें एक सच्चे प्रतिभाशाली व्यक्ति के रूप में याद किया जाएगा जिन्होंने भारतीय शास्त्रीय संगीत की दुनिया में क्रांति ला दी। वह तबले को वैश्विक मंच पर भी ले गये और अपनी अद्वितीय लय से लाखों लोगों को मंत्रमुग्ध किया। इसके माध्यम से, उन्होंने भारतीय शास्त्रीय परंपराओं को वैश्विक संगीत के साथ सहजता से मिश्रित किया, इस प्रकार वे सांस्कृतिक एकता के प्रतीक बन गए। उनके प्रतिष्ठित प्रदर्शन और भावपूर्ण रचनाएं संगीतकारों और संगीत प्रेमियों की पीढ़ियों को प्रेरित करने में योगदान देंगी। उनके परिवार, दोस्तों और वैश्विक संगीत समुदाय के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं हैं।

विधानसभा लोकतंत्र का पवित्र मंदिर, दर्शक दीर्घा इसका फर्स्ट इंप्रेशनः सीएम योगी

सौरभ शर्मा

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश विधान सभा की नवीनीकृत दर्शक दीर्घा का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने इसे समस्त विधानसभा सदस्यों और प्रदेश की 25 करोड़ जनता को समर्पित करते हुए कहा कि विधानसभा प्रदेश के समस्त नागरिकों के लिए लोकतंत्र का आधार है। यह लोकतंत्र का पवित्र मंदिर है। इस पवित्र मंदिर में जब कोई आए तो उसका फर्स्ट इंप्रेशन यहां की दर्शक दीर्घा के माध्यम से ही पड़े। यह सिर्फ सत्ता पक्ष ही नहीं, बल्कि विपक्ष के लिए भी प्रसन्नता का क्षण होना चाहिए, क्योंकि आप सभी की संस्तुति पर ही दर्शक दीर्घा के सुंदरीकरण का यह कार्यक्रम संपन्न हुआ है। दर्शक दीर्घा के

उद्घाटन के अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने मुख्यमंत्री समेत मंच पर उपस्थित सभी मंत्रियों एवं नेता विपक्ष को मूल संविधान की एक-एक प्रति भेंट की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने विधानसभा द्वारा प्रकाशित दो पुस्तकों का भी विमोचन किया। इन पुस्तकों में देश की आजादी से लेकर अब तक मुख्यमंत्री और नेता विपक्ष की संपूर्ण जानकारी दी गई है। सीएम योगी ने कहा कि लोकतंत्र के एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में विधायिका का महत्वपूर्ण स्थान है। विधायिका एक प्रकार से मार्गदर्शिका है। सभी माननीय सदस्य न केवल विधायिका से जुड़ते हैं, बल्कि यह उन्हें विकास की, जनहित से जुड़े मुद्दों को उठाने का भी एक प्लेटफार्म उपलब्ध कराता है। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष जा का भी अभिनंदन करूंगा, जिन्होंने पौने तीन वर्ष के इस कार्यकाल में उत्तर प्रदेश की विधानसभा को न केवल लोकतंत्र के सशक्त स्तंभ के रूप में, बल्कि आधुनिकता के साथ जोड़ने का भी काम किया है। ये गौरव, देश की सबसे बड़ी विधानसभा को जाता है जिसने ई विधान लागू किया है। आज आप देख सकते हैं कि आपके सामने ई विधान किस रूप से सफलतापूर्वक लागू हो सकता है।

संभल के खग्गू सराय में 46 साल बाद खुले मंदिर के कुएं में निकलीं देव मूर्तिया

संभल। उत्तर प्रदेश के संभल जिले में 46 साल से बंद पड़े 400 साल पुराने कार्तिक शंकर मंदिर को प्रशासन ने खुलवाया। इस ऐतिहासिक मंदिर में प्राचीन शिवलिंग के साथ हनुमान जी की मूर्ति और एक कुआं भी मिला है। हाल ही में इस कुएं की खुदाई के दौरान मां पार्वती, गणेश और कार्तिकेय की तीन मूर्तियां बरामद की गईं।

15 दिसंबर को पुनः शुरू हुई पूजा-अर्चना

मंदिर को 1978 में हुए सांप्रदायिक दंगों के बाद बंद कर दिया गया था। 46 साल बाद प्रशासन ने मंदिर की साफ-सफाई करवाई और 15 दिसंबर को विधि-विधान और मंत्रोच्चारण के साथ यहां पूजा-अर्चना की गई।

मूर्ति और खुदाई पर प्रशासन का बयान

डिप्टी एसपी अनुज चौधरी ने बताया कि मंदिर के कुएं की खुदाई के दौरान तीन मूर्तियां मिली हैं, जिनमें मां पार्वती, गणेश जी और कार्तिकेय जी की प्रतिमाएं शामिल हैं। इनमें से एक मूर्ति संगमरमर की है, जो कार्तिकेय जी की प्रतीत होती है। हालांकि, अन्य दो मूर्तियां खंडित अवस्था में मिलीं। प्रशासन ने कुएं की खुदाई का काम फिलहाल बंद कर दिया है और उसे ढक दिया गया है। मूर्तियों की प्रामाणिकता और उम्र का निर्धारण करने के लिए कार्बन डेटिंग की जाएगी।यह प्राचीन मंदिर लगभग 400 साल पुराना है और स्थानीय लोगों में इसे ÷कार्तिक शंकर मंदिर÷ के नाम से जाना जाता है। 82 वर्षीय विष्णु शरण रस्तोगी ने बताया कि उनके परिवार के करीब 40 से 42 घर इस इलाके में खग्गू सराय में स्थित थे।

कोचिंग संस्थान में हुई दुर्घटना चिंताजनक-गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने कल रात जयपुर में एक कोचिंग संस्थान में हुई दुर्घटना को चिंताजनक बताते हुए कहा है कि राज्य सरकार को कोचिंग संस्थानों के उचित प्रबंधन के लिए बनाई गाइडलाइंस पालन कराया जाना चाहिए। श्री गहलोत ने सोमवार को सोशल मीडिया पर कहा कि यह वर्तमान राज्य सरकार की जिम्मेदारी है कि कोचिंग संस्थानों के उचित प्रबंधन के लिए बनाई गाइडलाइंस को लागू करें एवं अविलंब सुनिश्चित करे कि सारे कोचिंग संस्थान पिछली सरकार द्वारा बनाए गए कोचिंग हब में शिफ्ट किए जाएं।

बांग्लादेश जेल में बंद सन्यासी चिन्मय कृष्ण दास के वकील रवींद्र इलाज के लिए कोलकाता पहुंचे

कोलकाता। बांग्लादेश के इस्कॉन सन्यासी चिन्मय कृष्ण दास के लिए पैरवी करने वाले प्रमुख अधिवक्ता रवींद्र घोष इलाज के लिए कोलकाता के निकट बैरकपुर पहुंचे हैं। उनके पुत्र राहुल घोष ने सोमवार को इसकी पुष्टि की। अधिवक्ता रवींद्र घोष अपनी पत्नी के साथ रविवार शाम भारत पहुंचे और उत्तर 24 परगना जिले के बैरकपुर में रह रहे अपने पुत्र के घर पर ठहरे हुए हैं। राहुल घोष ने बताया, मेरे पिता तीन साल पहले एक दुर्घटना का शिकार हुए थे और इलाज के लिए वे अक्सर भारत आते रहते हैं।राहुल ने अपने पिता की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई और उनसे कुछ समय तक भारत में ही रहने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा, मैंने उनसे निवेदन किया है कि वे फिलहाल बांग्लादेश न लौटें और हमारे साथ यहां रहें। लेकिन वे दृढ़ हैं और चिन्मय दास प्रभु के केस की लड़ाई जारी रखने के लिए वापस जाना चाहते हैं। हमें उनकी सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता है। राहुल, जो भारत में ही पले-बढ़े हैं, बैरकपुर में अपनी पत्नी और बच्चों के साथ रहते हैं। बांग्लादेश के सम्मिलित सनातनी जागरण जोट के प्रवक्ता चिन्मय कृष्ण दास को इस महीने की शुरुआत में ढाका के हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया गया था। वे चटगांव में एक रैली में शामिल होने जा रहे थे। अदालत ने उन्हें जमानत देने से इनकार करते हुए दो जनवरी तक जेल भेज दिया। रवींद्र घोष, जो चिन्मय दास प्रभु के लिए पैरवी कर रहे हैं, उन्होंने पहले ही स्वीकार किया था कि इस मामले में उनका जीवन खतरे में है। उन्होंने कहा था, चिन्मय दास प्रभु की पैरवी करने के कारण मुझ पर झूठे केस दर्ज किए जा सकते हैं और मेरे जीवन को खतरा है।

श्रीलंका के राष्ट्रपति दिसानायके को दिया गया गार्ड ऑफ ऑनर

नई दिल्ली। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके अपने भारत दौरे के दूसरे दिन आज सुबह राष्ट्रपति भवन पहुंचे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उनकी अगवानी की। उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इससे पहले राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण किया। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के आधिकारिक एक्स अकाउंट पर इससे संबंधित वीडियो साझा किया गया है। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके की सितंबर में शीर्ष पद संभालने के बाद उनकी पहली विदेश यात्रा है। वह तीन दिवसीय दौरे पर कल भारत पहुंचे। उन्होंने विदेशमंत्री एस जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ चर्चा की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ आज उनकी व्यापक वार्ता होनी है। श्रीलंका के राष्ट्रपति का दिल्ली में एक व्यावसायिक आयोजन में हिस्सा लेने और बोधगया जाने का कार्यक्रम है।

जब संविधान लागू हुआ तब आरएसएस ने किया था विरोध, ऐसे लोग आज हमें पाठ पढ़ा रहे हैं : मल्लिकार्जुन खड़गे

नई दिल्ली । भारतीय संविधान को अपनाने की 75वीं वर्षगांठ पर राज्यसभा में बोलते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि जो लोग राष्ट्रीय ध्वज और संविधान का अपमान करते हैं, वो हमें संविधान का पाठ पढ़ा रहे हैं।

राज्यसभा नेता प्रतिपक्ष खड़गे ने अपने संबोधन में कहा, 1949 में आरएसएस नेताओं ने भारत के संविधान का विरोध किया क्योंकि यह मनुस्मृति पर आधारित नहीं था। न तो उन्होंने संविधान को स्वीकार किया और न ही तिरंगे को स्वीकार किया। 26 जनवरी 2002 को पहली बार मजबूरी में आरएसएस मुख्यालय पर तिरंगा फहराया गया था क्योंकि अदालत का आदेश था। उन्होंने कहा कि जो लोग राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करते हैं, संविधान का अपमान करते हैं, जिस दिन संविधान लागू हुआ उस दिन इन्होंने महात्मा गांधी और भीमराव अंबेडकर का पुतला जलाया, अब वो लोग हमें संविधान का पाठ पढ़ा रहे हैं। जो देश के लिए लड़े नहीं, वो आजादी और संविधान का

महत्व क्या समझेंगे। संविधान सभा की बहसों से यह स्पष्ट है कि आरएसएस के तत्कालीन नेता संविधान के खिलाफ थे। जो लोग झंडे, अशोक चक्र और संविधान से नफरत करते थे, वे आज हमें संविधान का पाठ पढ़ा रहे हैं। ऐसे लोग अब देश के लिए जान देने वालों के खिलाफ बोलते हैं। मल्लिकार्जुन खड़गे ने बांग्लादेश की आजादी का जिक्र करते हुए इंदिरा गांधी को याद किया। उन्होंने कहा कि आज 16 दिसंबर है, जो बांग्लादेश का लिबरेशन डे है। हमारी बहादुर नेता इंदिरा गांधी ने पाकिस्तान के दो टुकड़े करके बांग्लादेश बनाया था और देश की शान पूरी दुनिया में बढ़ाई थी। आयरन लेडी रही इंदिरा गांधी ने ऐसा करके दिखा दिया था कि हमारे देश के नजदीक जो भी आएगा, उसकी खैर नहीं। लेकिन आज बांग्लादेश के जैसे हालात हैं, सरकार के लोग उसे आंख खोल कर देखें और वहां के अल्पसंख्यकों को बचाने का प्रयास करें। संविधान पर बहस के दौरान राज्यसभा में बोलते हुए खड़गे ने जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी का नाम लेकर निर्मला सीतारमण और भाजपा नेताओं पर तंज कसा। उन्होंने कहा, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण काफी पढ़ी हैं, अर्थशास्त्र की अच्छी जानकार हैं क्योंकि वह जेएनयू से पढ़ी हैं।

छत्तीसगढ़ के बालोद में सड़क हादसा, छह लोगों की मौत, सात की हालत गंभीर

रायपुर/बालोद। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में आधीरात बड़ा सड़क हादसा हुआ है। एक तेज रफ्तार ट्रक और कार की टक्कर में छह लोगों की मौत हो गई।

इनमें एक एक बच्चा, चार महिलाएं और एक पुरुष शामिल है। सात लोग घायल हुए हैं। उनकी हालत गंभीर है। यह हादसा डौंडीथाना क्षेत्र के ग्राम चोरहापड़ाव के पास हुआ।इस संबंध में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अशोक जोशी ने बताया कि कार सवार लोग नामकरण संस्कार (छठी) कार्यक्रम में शामिल होने के बाद रविवार देररात डौंडी से गुरेदा लौट रहे थे। इसी दौरान डौंडी थाना क्षेत्र के ग्राम चोरहापड़ाव के पास कार (सीजी04एलडी8049) को दल्लीराजहरा से भानुप्रतापपुर की तरफ जा रहे तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। मृतकों की पहचान दुर्पत प्रजापति (30) पिता पूना राम (30) ग्राम गुरेदा (गुंडरदेही), सुमित्रा बाई कुम्भकार (50) पति स्वर्गीय कार्तिक राम निवासी घोराड़ी महासमुंद, मनीषा कुम्भकार (35) पति विश्वनाथ ग्राम घोराड़ी महासमुंद, सगुन बाई कुंभकार (50) ग्राम कुम्हारपारा कवर्धा, ईमला बाई पति (55) रेवा राम सिन्हा ग्राम गुरेदा (गुंडरदेही) एवं जिग्नेश कुम्भकार (7) पिता प्रीतम कुम्भकार निवासी ग्राम गुरेदा (गुंडरदेही) के रूप में हुई है। पुलिस फरार ट्रक चालक की तलाश कर रही है।

योगी सरकार के दिव्य, भव्य, स्वच्छ और नव्य कुम्भ के मुरीद हुए विदेश से आए संत

तेजिन्दर कौर बब्बर

प्रयागराज। प्रयागराज महाकुम्भ के आयोजन के पहले महाकुम्भ नगर में देश के कोने कोने से आए साधुओं के अलावा विदेश से भी साधु संतों के आने का सिलसिला तेज होता जा रहा है। अखाड़ों की धर्म ध्वजा, नगर प्रवेश और कुम्भ छावनी प्रवेश यात्रा की परंपरा में महाकुंभ पहुंचे इन विदेशी साधु संतों को भी महाकुम्भ की नव्य व्यवस्था रास आ रही है। प्रयागराज महाकुम्भ के आयोजन की तिथि जैसे

जैसे निकट आ रही है महाकुंभ क्षेत्र के अखाड़ा सेक्टर में साधु संतों की मौजूदगी बढ़ती जा रही है। देश विदेश से साधु संतो की आवक होने लगी है। श्री पंच दशनाम जूना अखाड़े की छावनी प्रवेश यात्रा में शामिल होने आए विदेशी संतों को महाकुम्भ रास आ रहा है। जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर सोम गिरी उर्फ पायलट बाबा की जापानी शिष्या योग माता एवं महामंडलेश्वर केको कई जापानी साध्वी के साथ छावनी प्रवेश में शामिल हुईं। उनका कहना है कि जूना अखाड़े की छावनी प्रवेश यात्रा से आगामी महाकुंभ के आयोजन का अंदाजा लगने लगा है। एयर कनेक्टिविटी से लेकर ट्रांसपोर्टेशन की व्यवस्था अच्छी है। नेपाल से आई महिला संत और जूना अखाड़े की महामंडलेश्वर हेमा नन्द गिरी का कहना है कि संतों का सौभाग्य है कि जिस प्रदेश में महाकुम्भ का आयोजन हो रहा है, वहां के मुख्यमंत्री भी एक संत हैं। योगी जी की तरफ से जिस तरह भव्य और दिव्य महाकुम्भ के आयोजन का संकल्प लेकर आयोजना की तैयारियां चल रही हैं उससे सनातन धर्म का प्रचार प्रसार नेपाल सहित दुनिया के विभिन्न देशों में अब तेजी से हो रहा है।

ढाका में राष्ट्रीय शहीद स्मारक पहुंचे अवामी लीग के सात नेता हिरासत में

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश में विजय दिवस पर राष्ट्रीय शहीद स्मारक से अवामी लीग के सात नेताओं और कार्यकर्ताओं को दोपहर करीब 12:30 बजे शहीद बेदी के पास हिरासत में ले लिया गया। यह राष्ट्रीय स्मारक राजधानी ढाका से लगभग 35 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम के सावर में स्थित है। यह लोग पुष्पांजलि अर्पित करने गए थे। ढाका ट्रिब्यून समाचार पत्र के अनुसार आशुलिया पुलिस स्टेशन के प्रभारी अबू बक्कर सिद्दीकी ने कहा कि हिरासत में लिए गए लोगों में ढाका जिला अवामी लीग के पूर्व महासचिव और ढाका जिला परिषद के अध्यक्ष और ढाका-19 निर्वाचन क्षेत्र के पूर्व सांसद मिल्टन महबुबुर रहमान शामिल हैं। अवामी लीग के नेताओं और कार्यकर्ताओं के अनुसार ढाका-19 निर्वाचन क्षेत्र से जुड़े कार्यकर्ताओं का एक समूह महबुबुर रहमान के नेतृत्व में वहां गया था। वहां मौजूद ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस की जासूसी शाखा और अशुलिया पुलिस के अधिकारियों ने सात लोगों को हिरासत में ले लिया। हालांकि, अंतरिम सरकार ने अभी तक इस बारे में आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।

अब इस्लामिक स्टेट सीरिया में जड़े जमाने की कोशिश में, हमला कर 88 लोगों की जान ली

दमिश्क। सीरिया में राष्ट्रपति बशर अल-असद शासन के पतन के बाद आतंकवादी समूह इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस) जड़े जमाने की कोशिश कर रहा है। इस्लामिक स्टेट ने पूर्वोत्तर सीरिया में गतिविधियां तेज कर दी है। आतंकी समूह के हमले में कम से कम 88 लोग मारे गए हैं। अरबी न्यूज बेवसाइट '+963' के अनुसार, सैन्य सूत्रों ने कहा कि मौजूदा स्थिति का फायदा उठाते हुए आईएसआईएस ने पूर्वोत्तर सीरिया के इलाकों में अपनी गतिविधियां तेज कर दी हैं। आतंकी संगठन ने पिछले दिनों इस क्षेत्र में कई हमले किए। इन हमलों केवल 24 घंटों में 88 लोग मारे गए और अन्य घायल हो गए। बहुत से लोग लापता हैं। साथ ही आतंकवादी समूह इस्लामिक स्टेट अब अपने लड़ाकों को फिर सक्रिय कर रहा है। वह अराजकता और विभिन्न दलों के बीच चल रहे संघर्षों का फायदा उठाने की रणनीति पर काम कर रहा है। आईएसआईएस ने अपने कुछ महत्वपूर्ण सामरिक ठिकानों का पुनर्निर्माण किया है।

नेपाल सरकार ने ईसाई मिशनरी से जुड़े 23 आईएनजीओ के लिए 600 करोड़ रुपये मंजूर किए

काठमांडू। नेपाल सरकार के समाज कल्याण परिषद ने ईसाई धर्म से जुड़े 23 अंतरराष्ट्रीय गैर-सरकारी संगठनों को विभिन्न कार्यक्रम चलाने के लिए 600 करोड़ रुपये से अधिक बजट को मंजूरी दे दी है। नेपाल में सक्रिय अंतरराष्ट्रीय एनजीओ अपने बजट को समाज कल्याण परिषद से अनुमोदित होने के बाद ही खर्च कर सकते हैं। इस समय 135 आईएनजीओ समाज कल्याण परिषद में पंजीकृत है। इनमें से ईसाई मिशनरी से जुड़े 23 आईएनजीओ ने चालू वित्तीय वर्ष में नेपाल में 225 करोड़ रुपये विदेशी दाताओं से बजट भी मंगवा लिया है। समाज कल्याण परिषद के मुताबिक ईसाई आईएनजीओ ने इस साल नेपाल में 603 करोड़ रुपये खर्च करने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों को मंजूरी दी है। ये सारा पैसा नेपाल की बजट व्यवस्था के बाहर से खर्च किया जाएगा। इस विषय पर समाज कल्याण मंत्री नवल किशोर साह ने कहा कि नेपाल के संविधान में किसी भी प्रकार के प्रलोभन में धर्मांतरण कराने को गैर कानूनी घोषित किया गया है, इसलिए धार्मिक आधार पर यह स्वीकृति नहीं दी गई है। उन्होंने कहा कि विभिन्न सामाजिक गतिविधियों और जीवन स्तर को सुधारने के लिए किसी भी आईएनजीओ को विदेश से पैसा लाने की स्वीकृति दी जाती है।समाज कल्याण परिषद के अनुसार इस समय नेपाल में ईसाई मिशनरी से जुड़े आईएनजीओ में एडवेंटिस्ट डेवलपमेंट रिलीफ एजेंसी, वर्ल्ड विजन इंटरनेशनल, स्ट्रोमा फाउंडेशन, किंडरनोथिल्फ़ नेपाल, सीबीएम नेपाल, चाइल्ड फंड, डॉन चर्च एड, फिनिश इवेंजेलिकल लूथरन मिशन, एफआईडीए इंटरनेशनल, फिनिश चर्च एड फाउंडेशन, हैबिटेट फॉर ह्यूमैनिटी इंटरनेशनल संस्थाओं ने विदेश से करोड़ों रुपए का दान स्वीकार किया है।

नेपाल के पूर्व उपप्रधानमंत्री रवि लामिछाने के खिलाफ चार्जशीट दायर करने की तैयारी

काठमांडू। पूर्व उपप्रधानमंत्री रवि लामिछाने के खिलाफ जांच कर रही केन्द्रीय अनुसंधान ब्यूरो (सीआईबी) के द्वारा आरोप पत्र दायर किए जाने की तैयारी की गई है। सहकारी घोटाले में पिछले 57 दिनों से पुलिस हिरासत में रहे पूर्व गृहमंत्री समेत रहे लामिछाने के खिलाफ ठगी, धोखाधड़ी, मनी लॉन्ड्रिंग और संगठित अपराध का आरोप में आरोप पत्र दायर किया जा रहा है। सीआईबी के प्रवक्ता हविन्द्र बोगटी ने बताया कि रवि लामिछाने के खिलाफ पूछताछ और जांच पूरी की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि पांच जिलों में हुए सहकारी घोटाले में रवि लामिछाने से पूछताछ पूरी की जा चुकी है। बोगटी ने बताया कि लामीछाने को अरबों रुपये के सहकारी घोटाला में प्रमुख योजनाकार के रूप में आरोप पत्र में नामजद किया गया है। उन्होंने कहा कि ठगी, जालसाजी, धोखाधड़ी और संगठित अपराध के तहत कानून की धाराएं लगा कर सोमवार को अटॉर्नी जनरल के दफ्तर के जरिए कोर्ट में आरोप पत्र दाखिल किया जाएगा। जिला अदालत पोखरा में आरोप पत्र दायर करने को लेकर आज मध्य रात्रि से ही जिला अदालत के आसपास के क्षेत्र में निषेधाज्ञा जारी कर दिया गया है। पोखरा के एसपी श्याम बाबू ओलिया ने बताया कि रवि लामिछाने के समर्थकों के संभावित विरोध प्रदर्शन के मध्येनजर निषेधाज्ञा जारी किया गया है।

इजरायल का कब्जे वाले गोलान हाइट्स में बस्तियों के विस्तार का ऐलान

एजेंसी

यरूशलम । इजरायल सरकार ने गोलान हाइट्स में बस्तियों के विस्तार की योजना को मंजूरी दे दी है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय की ओर से जारी एक बयान में यह जानकारी दी गई। गोलान हाइट्स सीरिया का एक क्षेत्र है, जिस पर वर्तमान में इजरायल का कब्जा है। सिन्हुआ समाचार मुताबिक जारी बयान में कहा गया कि 10.81 मिलियन डॉलर की योजना को कैबिनेट द्वारा सर्वसम्मति से मंजूरी दी गई। इस योजना को युद्ध और सीरिया के साथ नए मोर्चे के मद्देनजर आगे बढ़ाया जा रहा है।

बयान के अनुसार, इस योजना का लक्ष्य गोलान हाइट्स में इजरायली आबादी को दोगुना करना है। इसमें एक छात्र गांव की स्थापना, नए निवासियों के लिए डेवलपमेंट प्रोग्राम और शिक्षा प्रणाली और नवीकरणीय ऊर्जा बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की पहल शामिल है। नेतन्याहू ने कैबिनेट बैठक की शुरुआत में योजना पर कहा, ÷गोलान को मजबूत

करना इजरायल राज्य को मजबूत करना है और यह इस समय विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। इजरायली पीएम ने कहा, हम इस पर (गोलान हाइट्स पर) कब्जा बनाए रखेंगे, इसे समृद्ध बनाएंगे और इसमें बसेंगे। 1967 के 6 दिवसीय युद्ध के दौरान इजरायल ने गोलान हाइट्स के एक हिस्से पर कब्जा कर लिया और अंतरराष्ट्रीय निंदा के बावजूद इस पर अपना कब्जा न सिर्फ बरकरार रखा । युद्ध के बाद इजरायली लोग इस क्षेत्र में आकर बसने लगे। इजरायल ने 1981 में गोलान हाइट्स पर पूरी तरह से कब्जा कर लिया था, जिसे अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने मान्यता नहीं दी है। 8 दिसंबर को सीरिया के पूर्व राष्ट्रपति बशर अल-असद की सरकार के पतन के बाद, इजरायल ने संयुक्त राष्ट्र की निगरानी वाले बफर जोन पर कब्जा कर लिया, जो 1974 में दोनों देशों के बीच युद्धविराम समझौते के तहत स्थापित एक गैर सैनिक क्षेत्र था।

इजरायली सेना ने एक सीरियाई सेना चौकी पर भी नियंत्रण कर लिया तथा गोलान पर माउंट हरमोन की चोटी पर सेना तैनात कर दी। इस बीच, इजरायल ने पूरे देश में सीरियाई सेना की संपत्तियों पर हवाई हमले शुरू कर दिए हैं। उसका दावा है कि वे हथियारों को आतंकवादी तत्वों के हाथों में पड़ने से रोकने के लिए ऐसा कर रहे हैं। इजराइल की सैन्य कार्रवाइयों की क्षेत्रीय देशों ने निंदा की है।

दक्षिण कोरिया की सत्तारूढ़ पीपुल्स पावर पार्टी के नेता हान ने दिया इस्तीफा

एजेंसी

सोल। दक्षिण कोरिया की सत्तारूढ़ पीपुल्स पावर पार्टी (पीपीपी) के नेता हान डोंग-हून ने सोमवार को पार्टी के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया। योनहाप समाचार एजेंसी ने यह जानकारी दी। इससे पहले, श्री हान ने राष्ट्रपति के महाभियोग के लिए समर्थन व्यक्त किया, हालांकि वह शुरू में इसके खिलाफ थे। उन्होंने राष्ट्रपति के इस्तीफे की वकालत करते हुए अपनी पार्टी के सांसदों से अपनी अंतर्रात्मा की आवाज सुनकर मतदान करने का आह्वान किया। अंत में, पार्टी का आंतरिक निर्णय महाभियोग के खिलाफ मतदान करने के बावजूद 12 पीपीपी सांसदों ने उनके आह्वान का पालन किया और 'इसके पक्ष में' मतदान किया। एजेंसी ने श्री हान के हवाले से कहा, मैं पीपुल्स पावर पार्टी के नेता के रूप में पद छोड़ रहा हूं। पार्टी की सर्वोच्च परिषद के पतन के कारण पार्टी प्रमुख के रूप में अपने कर्तव्यों को पूरा करना असंभव हो गया है।÷ श्री हान ने कहा कि उन्होंने महाभियोग के बजाय देश के लिए बेहतर रास्ता खोजने के सभी प्रयास किये, लेकिन असफल रहे। उन्होंने 23 जुलाई को कांग्रेस पार्टी का अध्यक्ष चुने जाने के 146 दिन बाद इस्तीफा दिया है। संसद द्वारा राष्ट्रपति यूं सुक-योल के महाभियोग को मंजूरी दिए जाने के तुरंत बाद श्री हान ने अध्यक्ष के रूप में सेवा जारी रखने के अपने इरादे की घोषणा की, हालांकि, पार्टी की सर्वोच्च परिषद के निर्वाचित सदस्यों में से पांच ने इस्तीफा दे दिया, जिससे पार्टी नेतृत्व का स्वतः विघटन हो गया। इससे पहले, दक्षिण कोरियाई संसद ने राष्ट्रपति के महाभियोग का समर्थन किया था, जिसमें 204 सांसदों ने राष्ट्रपति को पद से हटाने का समर्थन किया था और 85 ने इसके खिलाफ मतदान किया था।

दो अलग-अलग हमलों में 39 नागरिकों की मौत

एजेंसी

नियामी। नाइजर के पश्चिमी टिल्लाबेरी क्षेत्र में इस सप्ताह दो अलग-अलग हमलों में 39 लोगों की मौत हो गई। नाइजर सशस्त्र बल (एफएएन) ने शनिवार को यह जानकारी दी। समाचार एजेंसी के अनुसार, कोकोरोउ में 18 और लिबिरी में 21 लोगों की मौत हो गई। एफएएन ने शाम के अपने समाचार बुलेटिन में बताया, लिबिरी और कोकोरोउ इलाकों में दो भयानक त्रासदियां हुई- रक्षा और सुरक्षा बलों के लगातार अभियानों से घिरे अपराधियों ने निहत्थे नागरिकों पर कायरतापूर्ण हमला किया। सेना ने कहा, पीड़ितों में कई महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। बयान में आगे कहा गया इन बर्बर कृत्यों के मद्देनजर, अधिकारियों ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी एकजुटता व्यक्त की है। उन्होंने अपराधियों को खोजने और उन्हें निष्प्रभावी करने के लिए सभी जरूरी कदम उठाने की बात कही है। लिबिरी और कोकोरोउ तीन सीमाओं वाले क्षेत्र में स्थित हैं। यह नाइजर का वो इलाका है जो माली और बुर्किना फासो के साथ सीमा साझा करता है। यह क्षेत्र हाल के वर्षों में असुरक्षा का केंद्र बन गया है, जो विभिन्न जिहादी समूहों के हमलों से त्रस्त है। नाइजर में जुंटा सरकार आतंकवादी हमलों पर लगाम लगाने में नाकाम रहने के कारण दबाव में है। संघर्ष निगरानी समूह एसीएलईडी के अनुसार, पिछले वर्ष नाइजर में जिहादी हमलों में कम से कम 1,500 नागरिक और सैनिक मारे गए हैं।

'ट्रंप के साथ महत्वपूर्ण बातचीत'- इजरायली पीएम ने बताया किन मुद्दों पर हुई चर्चा

एजेंसी

तेल अवीव । इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बातचीत की। उन्होंने एक वीडियो बयान में इस बारे में जानकारी दी। नेतन्याहू ने कहा कि यह इजरायल के लिए 'अपनी जीत पूरी करने' के मकसद के बारे में 'दोस्ताना, गर्मजोशी से भरी, बहुत महत्वपूर्ण बातचीत' थी। इजरायली पीएम ने कहा, हम हिजबुल्लाह को फिर से हथियारबंद होने से रोकने के लिए प्रतिबद्ध हैं। नेतन्याहू ने कहा, यह इजरायल के लिए एक जारी रहने वाली परीक्षा है, हमें इसका सामना करना होगा - और हम इसका सामना करेंगे। मैं हिजबुल्लाह और ईरान से स्पष्ट शब्दों में कहता हूं - आप हमें नुकसान न पहुंचाएं इसके लिए हम

हर क्षेत्र में और हर समय, जब भी जरूरी होगा, आपके खिलाफ कार्रवाई जारी रखेंगे। नेतन्याहू ने दोहराया कि सीरियाई सैन्य ठिकानों पर हाल ही में किए गए हवाई हमले यह सुनिश्चित करने के लिए थे कि भविष्य में हथियारों का इस्तेमाल इजरायल के खिलाफ न किया जाए। उन्होंने कहा कि इजरायल ने हिजबुल्लाह को हथियार सप्लाई करने वाले मार्गों को भी निशाना बनाया। नेतन्याहू ने कहा, सीरिया के साथ संघर्ष में हमारी कोई रुचि नहीं है। हम जमीन पर उभरती वास्तविकता के अनुसार सीरिया के प्रति इजरायल की नीति निर्धारित करेंगे। उन्होंने यह तर्क देते हुए कि इजरायल मध्य पूर्व को बदल रहा है कहा कि सीरिया वही सीरिया नहीं रहा, लेबनान वही लेबनान नहीं रहा, गाजा वही गाजा नहीं रहा, और ईरान - वही ईरान नहीं रहा। ट्रंप के साथ बातचीत के दौरान, नेतन्याहू ने मध्य पूर्व में बदलावों की ओर इशारा करते हुए दावा किया कि लेबनान, गाजा, यमन और सीरिया में इजरायली अभियानों ने पिछले एक साल में ईरान के प्रभाव को कम कर दिया है।

एचटीएस लीडर की संयुक्त राष्ट्र के दूत से मुलाकात, देश में राजनीतिक परिवर्तन पर की चर्चा

एजेंसी

दमिश्क । विद्रोही गुट हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) के नेता अहमद अल-शरा ने दमिश्क में सीरिया के लिए संयुक्त राष्ट्र के विशेष दूत गीर पेडरसन के साथ बैठक की। स्थानीय अल-वतन ऑनलाइन समाचार आउटलेट के एक बयान के मुताबिक दोनों के बीच राजनीतिक परिवर्तन पर चर्चा हुई।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, अल-शरा ने कहा कि सीरिया के राजनीतिक परिवर्तन के संबंध में 2015 में अपनाए गए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2254 को अब देश की वर्तमान वास्तविकताओं के मुताबिक अपडेट करने की जरुरत है। उन्होंने सीरिया के नए नेतृत्व और उभरती परिस्थितियों के साथ तालमेल बैठाते हुए एक नया नजरिया अपनाने की अपील की। अल-शरा को अबू मोहम्मद अल-जुलानी के नाम से भी जाना जाता है। बैठक के दौरान, अल-शरा ने सीरियाई नागरिकों की जरूरतों को पूरा करने, देश की क्षेत्रीय एकता को बहाल करने, पुनर्निर्माण और आर्थिक विकास का रास्ता बनाने क लिए तेज और

प्रभावी सहयोग के महत्व पर प्रकाश डाला। एचटीएस नेता ने शरणार्थियों की वापसी के लिए सुरक्षित माहौल बनाने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि इसके लिए बड़ी सावधानी के साथ काम किया जा रहा है और विशेष टीमों इसकी निगरानी कर रही हैं। वहीं, पेडरसन ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र देश में तेजी से विकसित हो रहे हालात पर करीबी नजर रख रहा है और पूर्व सीरियाई राष्ट्रपति बशर अल-असद को हटाए जाने के बाद राजनीतिक परिवर्तन की दिशा में अगले कदम की प्रतीक्षा कर रहा है।इससे पहले पहले दमिश्क में पत्रकारों से बात करते हुए, पेडरसन ने इस बात पर जोर दिया की सीरियाई राज्य संस्थाओं को सुरक्षित माहौल में अपना कामकाज फिर से शुरू करना चाहिए। यूएन दूत ने कहा, हम सीरियाई लोगों के सभी वर्गों के साथ काम कर रहे हैं...और हम बदले की कार्रवाई नहीं देखना चाहते।

इजरायली हवाई हमलों में कम से कम 25 फिलिस्तीनियों की मौत

एजेंसी

गाजा । गाजा पट्टी में विस्थापित लोगों को आश्रय देने वाले एक स्कूल और एक नागरिक सुरक्षा केंद्र को निशाना बनाकर किए गए दो इजरायली हवाई हमलों में कम से कम 25 फिलिस्तीनियों की मौत हो गई। गाजा स्थित स्वास्थ्य प्राधिकरण के एक अधिकारी मारवान अल-हम्स ने बताया कि खान यूनिस में विस्थापित लोगों के एक स्कूल पर इजरायली एयर स्ट्राइक में लगभग 21 फिलिस्तीनियों की मौत हो गई। दर्जनों अन्य घायल हो गए, जिनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे थे। यह स्कूल नियर ईस्ट में फिलिस्तीन शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र रिलीफ एंड वर्क एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) से जुड़ा है। समाचार एजेंसी के अनुसार, इस हमले पर इजरायली सेना की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की गई। सूत्रों ने बताया कि मध्य गाजा में नुसेरात शरणार्थी शिविर के मध्य में एक आपातकालीन चौकी को निशाना बनाकर एक एयर स्ट्राइक की गई। इसमें एक पत्रकार सहित नागरिक सुरक्षा के चार सदस्यों की मौत हो

गई। गाजा में नागरिक सुरक्षा के प्रवक्ता महमूद बसल ने इजरायल पर नागरिक सुरक्षा दलों पर जघन्य अपराध करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, पीड़ित अपने मानवीय और राष्ट्रीय कर्तव्यों का पालन कर रहे थे। फिलिस्तीनी पत्रकार सिंडिकेट ने एक बयान में कहा कि मृतकों में अहमद अल-लौह नाम का एक पत्रकार भी शामिल है, जो कतर के अल जजीरा टीवी के लिए फोटोग्राफर के तौर पर काम करता था। हालांकि, इजरायली सेना ने उस पर गाजा में इस्लामिक जिहाद आंदोलन का एक सैन्य संचालक होने का आरोप लगाया। इज़रायली सेना ने एक बयान में कहा कि उसकी एयर फोर्स ने नुसेरात शिविर में एक साइट को निशाना बनाया, जिसका इस्तेमाल आतंकवादियों द्वारा आईडीएफ के खिलाफ हमलों की योजना बनाने और उन्हें अंजाम देने के लिए किया जाता था। 7 अक्टूबर 2023 इजरायल में हमास के बड़े हमले के जवाब में यहूदी राष्ट्र ने फिलिस्तीनी ग्रुप के कब्जे वाली गाजा पट्टी में सैन्य अभियान शुरू किया था। हमास के हमले में करीब 1200 लोग मारे गए थे जबकि 250 से अधिक लोगों को बंधक बनाया गया था।

रूस ने सीरिया से अपने कुछ राजनयिकों को निकाला

एजेंसी

मास्को । रूस के विदेश मंत्रालय ने बताया कि रूस ने सीरिया की राजधानी दमिश्क से अपने कुछ राजनयिकों को निकाल लिया है, जबकि उसका दूतावास अभी भी काम कर रहा है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि राजनयिकों को सीरिया के खमीमिम एयरबेस से रूसी एयरोस्पेस फोर्सेज की उड़ान से मॉस्को ले जाया गया। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, उड़ान में बेलारूस और उत्तर कोरिया के राजनयिक भी सवार थे। मंत्रालय के संकट स्थिति विभाग ने टेलीग्राम पर कहा कि 15 दिसंबर को दमिश्क में रूसी (राजनयिक) प्रतिनिधित्व के कुछ कर्मियों की वापसी सीरिया में हमीमिम एयरबेस से रूसी वायु सेना की एक विशेष उड़ान द्वारा की गई। मंत्रालय ने अनुसार विमान मॉस्को के निकट हवाई अड्डे पर पहुंचा, लेकिन उसमें कितने लोग सवार थे, यह नहीं बताया। टेलीग्राम पर प्रकाशित प्रेस वक्तव्य में कहा गया है कि दमिश्क

में रूसी दूतावास अभी भी काम कर रहा है। 11 दिनों की आक्रामकता के बाद, इस्लामिक समूह हयात तहरीर अल-शाम एचटीएस) द्वारा नेतृत्व किए गए एक विद्रोही गठबंधन ने असद को सत्ता से हटा दिया, जो अपने परिवार के साथ रूस भाग गए। असद का सत्ता से पतन मॉस्को के लिए एक बड़ा झटका था, क्योंकि रूस और ईरान पूर्व सीरियाई राष्ट्रपति के मुख्य सहयोगी थे और 2015 से सीरिया में सैन्य हस्तक्षेप कर रहे थे। सीरिया में रूस के दो सैन्य ठिकानों - तर्तूस नौसैनिक अड्डा और हमीमिम सैन्य हवाई क्षेत्र - का भविष्य अब अनिश्चित है। ये स्थल रूस के लिए मध्य पूर्व, भूमध्य सागर क्षेत्र और अफ्रीका तक अपने प्रभाव को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण हैं एक क्रेमलिन प्रवक्ता ने कहा कि मॉस्को सीरिया में नए अधिकारियों के संपर्क में है और ठिकानों के भविष्य को लेकर चर्चा कर रहा है। ब्रिटिश सरकार ने सीरियाई विद्रोही समूह हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) के साथ राजनयिक संपर्क स्थापित किया है, जो अब अपदस्थ राष्ट्रपति बशर अल-असद से सत्ता छीनकर देश पर नियंत्रण कर चुके हैं। ब्रिटेन के विदेश सचिव डेविड लैम्मी ने इस विकास की पुष्टि करते हुए कहा कि एचटीएस अभी भी एक प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन है, लेकिन ब्रिटेन राजनयिक संपर्क बना सकता है और हम ऐसा करते हैं जैसा कि आप उम्मीद करेंगे। इससे पहले, शनिवार को अमेरिका ने भी यह पुष्टि की कि उसने एचटीएस विद्रोही समूह के साथ प्रत्यक्ष संपर्क किया है, जो विद्रोहियों के उभार का नेतृत्व कर रहा है।

कोयला खदान में बड़ा हादसा, 35 खनिक मलबे में फंसे

एजेंसी

आयबक। अफगानिस्तान के समांगन प्रांत में एक कोयला खदान के मलबे में कई खनिक फंस गए हैं। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। समाचार एजेंसी के अनुसार, प्रांतीय स्वास्थ्य निदेशक सईद उस्मान हामिदी ने मलबे के नीचे 35 खनिकों के फंसे होने की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि बचाव दल और स्वास्थ्य कर्मियों को क्षेत्र में भेज दिया गया है। प्रांतीय पुलिस कार्यालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया, शुरूआती रिपोर्टों से पता चलता है कि समांगन प्रांत के दारा-ए-सूफी पायिन जिले में कल मजदूर कोयला खदान में काम कर रहे थे, लेकिन खदान का एक हिस्सा ढह गया, जिसके परिणामस्वरूप कई खनिक मलबे में फंस गए। बयान में आगे कहा गया कि पुलिसकर्मी, स्थानीय अधिकारी और ग्रामीण मलबे में फंसे खनिकों को बचाने के लिए घटनास्थल पर पहुंच गए हैं।स्थानीय तालिबान अधिकारियों के

अनुसार, मलबे में फंसे श्रमिकों को बचाने के लिए बचाव अभियान जारी है, लेकिन अभी तक किसी को भी मुक्त नहीं कराया जा सका है। बख्तर न्यूज एजेंसी के अनुसार, यह घटना शनिवार शाम 6 बजे के आसपास हुई।इस सप्ताह की शुरुआत में बामियान प्रांत के ख्वाजा गंज गांव में एक कोयला खदान में गैस के संपर्क में आने से दो मजदूरों की मौत हो गई थी। फरवरी 2002 में, अफगानिस्तान में एक कोयला खदान के ढहने से कम से कम 10 खनिकों की जान चली गई थी। 2019 में अफ़गानिस्तान में एक सोने की खदान के ढहने से कम से कम 30 लोगों की मौत हो गई थी। यह धमाका बदख्शां प्रांत के कोहिस्तान जिले में हुआ था।

अफगानिस्तान में खनिजों के विशाल संसाधन हैं, लेकिन कई खदानें पुरानी हैं और उनका रखरखाव ठीक से नहीं किया जाता है। अफगानिस्तान के खनन क्षेत्र में घातक दुर्घटनाएं अक्सर होती हैं। इन घटनाओं के कारण अक्सर अपर्याप्त सुरक्षा उपाय और उचित उपकरणों की कमी होती है।

नेपाल-भारत के बीच वाणिज्य सचिव स्तरीय वार्ता 9-10 जनवरी को काठमांडू में

काठमांडू। नेपाल और भारत के बीच वाणिज्य सचिव स्तर की वार्षिक बैठक काठमांडू में होने जा रही है। नेपाल-भारत व्यापार और परिवहन अंतर-सरकारी समिति (आईजीसी) के नाम से होने वाली यह वार्षिक बैठक 9 और 10 जनवरी को होना तय हुआ है। नेपाल के वाणिज्य मंत्रालय के प्रवक्ता बाबूराम अधिकारी ने बताया कि दोनों देशों के बीच वाणिज्य सचिव स्तर की आईजीसी बैठक पिछली बार दिल्ली में होने के कारण इस बार काठमांडू में होना तय हुआ है। इस समय वाणिज्य मंत्रालय भारत के साथ वार्ता के लिए एजेंडा का मसौदा तैयार कर रहा है।

फ्रांसीसी क्षेत्र मायोट में तूफान का कहर, 14 लोगों की मौत

एजेंसी

पेरिस। फ्रांस के हिंद महासागरीय क्षेत्र मायोट में आए चिडो तूफान से 14 लोगों की मौत हो गई। 220 किलोमीटर प्रति घंटे से ज्यादा की रफ्तार से चलने वाली हवाओं के कारण पेटीट-टेरे द्वीप पर सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। अधिकारियों ने द्वीप पर रेड अलर्ट जारी किया। फ्रांस ने राहत एवं बचाव कार्यों में मदद के लिए 140 नागरिक सुरक्षा सैनिकों और अग्निशमन कर्मियों सहित अतिरिक्त बल भेजा है। इनके मायोट पहुंचने की उम्मीद है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि फ्रांस मायोट के लोगों के लिए वहां मौजूद रहेगा। फ्रांसीसी अधिकारियों ने कहा कि 250 अग्निशमन कर्मी और सुरक्षाकर्मी द्वीपों पर भेजे जाएंगे, जिनमें से कुछ पहले ही पहुंच चुके हैं।समाचार एजेंसी ने फ्रांसीसी मीडिया बीएफएम टीडब्ल्यू के

हवाले से बताया कि अंतर-मंत्रालयी संकट बैठक के बाद, फ्रांस के आंतरिक मंत्री ब्रूनो रिटेलेउ ने मीडिया को बताया कि ÷स्थिति खतरनाक और असाधारण है। हालांकि, उन्होंने फिलहाल किसी निश्चित मानवीय क्षति का खुलासा नहीं किया। उनके कार्यालय ने फ्रांसीसी मीडिया को बताया कि सोमवार को उनका मायोत का दौरा करने का कार्यक्रम है। बता दें कि उष्णकटिबंधीय तूफान चिडो एक छोटा लेकिन शक्तिशाली तूफान है जो वर्तमान में मोजाम्बिक के लिए भी खतरा है। यह तूफान पश्चिम की ओर बढ़ता जा रहा है।

तेज गति से बढ़ने के बाद, चिडो ने 11 दिसंबर को मॉरीशस के अगालेगा में लैंडफॉल बनाया। अगले दिन इसकी तीव्रता चरम पर थी। उत्तरी मेडागास्कर से गुजरने के बाद, चिडो कुछ समय के लिए कमजोर हुआ, लेकिन जल्दी ही अपनी तीव्रता वापस पा ली। तूफान ने 14 दिसंबर को बांद्राबौआ, मायोटे के पास दूसरी बार लैंडफॉल बनाया। उस दिन बाद में फिर से थोड़ा कमजोर हो गया।मायोट को शुरू में बैंगनी अलर्ट (उच्चतम स्तर) के तहत रखा गया था और आपातकालीन सेवाओं सहित पूरी आबादी के लिए सख्त लॉकडाउन लगा दिया गया था। बाद में बैंगनी को लाल अलर्ट में बदल दिया गया।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

श्रीलंकाई राष्ट्रपति दिसानायके ने विदेश मंत्री, एनएसए, वित्त मंत्री से मुलाकात की

एजेंसी

नई दिल्ली। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने की दिशा में विदेश मंत्री एस जयशंकर, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ सार्थक बातचीत की। सितंबर में श्रीलंका के राष्ट्रपति पद की शपथ ग्रहण करने के बाद अपनी पहली विदेश यात्रा के दौरान, तीन दिवसीय राजकीय यात्रा पर आज शाम नयी दिल्ली पहुंचे श्रीलंकाई राष्ट्रपति ने एक्स न्यूज को पोस्ट में कहा कि ये कार्यक्रम दोनों देशों के बीच साझेदारी को गहरा करने की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। श्रीलंकाई राष्ट्रपति ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि भारत की मेरी आधिकारिक यात्रा के दौरान, मुझे वित्त सीतारमण, विदेश मंत्री एस

जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार श्री अजीत डोभाल के साथ सार्थक चर्चा में शामिल होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि हमारी बातचीत भारत-श्रीलंका आर्थिक सहयोग को मजबूत करने, निवेश के अवसरों को बढ़ावा देने, क्षेत्रीय सुरक्षा बढ़ाने और पर्यटन एवं ऊर्जा जैसे प्रमुख क्षेत्रों को आगे बढ़ाने पर केंद्रित थी। ये अनुबंध हमारे दोनों देशों के बीच साझेदारी को गहरा करने की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं।

आज रात विदेश मंत्री जयशंकर और एनएसए श्री अजीत डोभाल के साथ आपसी हित के मामलों पर सार्थक चर्चा हुई। विदेश मंत्री जयशंकर ने एक्स पर पोस्ट किया कि भारत की अपनी पहली राजकीय यात्रा की शुरुआत में राष्ट्रपति दिसानायके से मुलाकात करते हुए प्रसन्नता महसूस हो रही है। श्रीलंका भारत की पड़ोसी प्रथम नीति और सागर आउटलुक दोनों के लिए महत्वपूर्ण है। आशा है कि कल प्रधानमंत्री मोदी के साथ बातचीत से ज्यादा विश्वास और गहरा सहयोग प्राप्त होगा। इससे पहले आज शाम को श्रीलंका के राष्ट्रपति दिसानायके भारत की तीन दिवसीय राजकीय यात्रा पर पहुंचे।

रमेश पहलवान और उनकी पत्नी ने थामा आआपा का दामन

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी तेजी से चल रही है। इसके साथ ही राजनीतिक दलों के बीच नेताओं का आना-जाना भी तेज हो गया है। दिल्ली के कस्तूरबा नगर विधानसभा क्षेत्र के वार्ड नंबर 147 की निगम पार्षद कुसुम लता ने अपने पति रमेश पहलवान के साथ आआपा में औपचारिक रूप से शामिल होकर भाजपा से अपना नाता तोड़ा।

कुसुम लता और रमेश पहलवान का आआपा में लौटना एक महत्वपूर्ण राजनीतिक घटना है। कुसुम लता, जो कुछ समय पहले भाजपा से चुनाव लड़ी थीं, ने आआपा में शामिल होने के बाद इस बात को स्पष्ट किया कि वह अरविंद केजरीवाल की विचारधारा से काफी प्रभावित हैं। उन्होंने कहा, सचमुच आआपा सभी के हित के बारे में सोचती है। मैं आज अपने आपको बहुत सौभाग्यशाली समझती हूं कि मैं केजरीवाल जी के साथ जुड़ रही हूं। इस कार्यक्रम दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने अरविंद केजरीवाल ने रमेश और कुसुम लता का स्वागत किया और उनकी वापसी को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि पहले ये हमारे कार्यकर्ता थे, किन्हीं कारणों से 7 साल पहले इन्हें आम आदमी पार्टी छोड़नी पड़ी थी, लेकिन आज इनकी घर वापसी से हमें खुशी दी है। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता दुर्गेश पाठक भी मौजूद रहे। वहीं, रमेश पहलवान, जो पहले आआपा के नेता रहे थे और कुछ समय के लिए भाजपा में भी रहे, ने कहा, मैं कस्तूरबा नगर विधानसभा का निवासी हूं और दिल्ली के दिल की धड़कन केजरीवाल जी के साथ खड़ा हूं।

गांजा की तस्करी में महिला समेत दो गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के मध्य जिले की स्पेशल स्टाफ पुलिस ने एक अभियान चलाकर महिला समेत दो लोगों को गांजा की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया है। इनके पास से पुलिस को 28 किलोग्राम गांजा, दो मोबाइल फोन, 56 हजार से ज्यादा की नकदी और दो ट्रॉली बैग बरामद किए हैं। जानकारी के मुताबिक एक सूचना पर पुलिस ने रात करीब 12 बजे नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के नजदीक कुतुब रोड स्थित डेयू पिकेट के पास एक व्यक्ति को दबोच लिया। इस आरोपित की पहचान गौरव सोनकर के रूप में हुई है। पुलिस ने उसकी तलाशी के दौरान एक ट्रॉली बैग व अन्य थैलों में रखा 24.85 किलोग्राम गांजा बरामद कर किया गया। एक अन्य घटना में दिल्ली पुलिस ने गली संख्या 10, तालीवालान बस्ती, आनंद पर्वत इलाके की एक महिला गंगा देवी को भी तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया है।

जुआ खेलने के आरोप 18 गिरफ्तार, 12 लाख से अधिक की नकदी बरामद

नई दिल्ली। मध्य जिले की स्पेशल स्टाफ ने दो स्थानों से जुआ खेलने के आरोप में 18 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से 12.2 लाख रुपये नकद, 19 मोबाइल फोन, आठ गड्डी ताश के पत्ते व सट्टा पर्ची आदि बरामद किया है। मध्य जिले के डीसीपी एम हर्षवर्धन ने बताया कि वेस्ट पटेल नगर व गली हनुमान मंदिर, नबी करीम में गैंबलिंग रैकेट चलने की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर पुलिस की अलग-अलग टीमों ने दोनों स्थानों पर छापेमारी की और लोगों को जुआ खेलते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। छापेमारी के दौरान वेस्ट पटेल नगर से 13 को लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें संगठित रूप से रैकेट चलाने वाले सरगना रोहित महाजन व यशपाल उर्फ सोनू के अलावा संपत्ति मालिक पंकज भी शामिल हैं। उन्होंने बताया एक अन्य मामले में पुलिस ने गली हनुमान मंदिर, नबी करीम में छापा मार पांच लोगों को जुआ खेलने के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने मुठभेड़ के बाद बदमाश को दबोचा

नई दिल्ली। रोहिणी जिले के अमन विहार थाना पुलिस ने शनिवार को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार बदमाश की पहचान राजकुमार उर्फ राज के रूप में हुई है। मुठभेड़ में आरोपित के दाहिने पैर में गोली लगी है। पुलिस ने आरोपित के कब्जे से एक पिस्टल, दो कारतूस व चोरी की एक बाइक बरामद की है। पुलिस ने मौके से कारतूस के चार खोखे बरामद भी किए हैं। रोहिणी जिला पुलिस उपायुक्त अमित गोयल के मुताबिक, गत दिनों 20 मिनट के अंदर झपटामारी की दो वारदातों की जांच में पुलिस ने सुल्तानपुरी निवासी एक बदमाश रोहित उर्फ डाटला को गिरफ्तार किया था। इससे पूछताछ में पुलिस को पता चला कि उसका एक साथी राजकुमार उर्फ राज भी उक्त वारदातों में शामिल था। आरोपित से पूछताछ के दौरान पुलिस ने राजकुमार के बारे में जानकारी जुटानी शुरू की तो शनिवार को पुलिस को राजकुमार के सेंट्रल पार्क, अमन विहार में आने की सूचना मिली। पुलिस ने तत्काल मौके पर जाल बिछाया और थोड़ी ही देर बाद बाइक से आरोपित मौके पर आया। पुलिस ने उसे पकड़ने की कोशिश की तो राजकुमार ने पुलिस पर गोली चला दी और भागने की कोशिश करने लगा। आत्मरक्षा में पुलिस की फायरिंग में आरोपित के दाहिने पैर में गोली लगी। इसके बाद घायल राजकुमार को गिरफ्तार कर पुलिस ने अस्पताल पहुंचाया। इसके बाद मौके पर क्राइम व एफएसएल की टीमों को भी मौके पर जांच के लिए बुलाया गया। टीमों ने सभी जरूरी सुराग जुटा लिए हैं।

दिल्ली में आठ दिवसीय 'वामा कला प्रदर्शनी' का उद्घाटन

एजेंसी

नई दिल्लीदिल्ली पर्यटन विभाग के विशेष सचिव मोहम्मद अहसन आबिद ने यहां आठ दिवसीय 'वामा कला प्रदर्शनी' का उद्घाटन किया।सांस्कृतिक शाखा साहित्य की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार,दिल्ली सरकार की सांस्कृतिक इकाई दिल्ली साहित्य कला परिषद की ओर से दिल्ली त्रिवेणी कला संगम की श्रीधरनी गैलरी में 14-21 दिसंबर तक यह प्रदर्शनी आयोजित की जा रही है। इसमें दिल्ली की 20 प्रतिष्ठित महिला कलाकारों की उत्कृष्ट कलाकृतियां शामिल हैं। इसका उद्देश्य, समावेशिता और रचनात्मक अभिव्यक्ति को बढ़ावा देते हुए कला जगत में महिलाओं के योगदान का जश्न मनाना एवं उन्हें सशक्त करना है। दिल्ली के कला, संस्कृति मंत्री सौरभ भारद्वाज ने महिला कलाकारों की सराहना करते हुए कहा, दिल्ली हमेशा से कला-अभिव्यक्ति का केंद्र रही है और यह प्रदर्शनी महिला

कलाकारों की अपार प्रतिभा को बढ़ावा देने और उसका जश्न मनाने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। वामा सिर्फ एक प्रदर्शनी नहीं, बल्कि उन महिलाओं को पहचानने और सशक्त बनाने का एक मंच है जो अपनी रचनात्मकता के माध्यम से हमारी सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध करती हैं।

पद्मश्री से सम्मानित मप्र की जोधइया बाई बैगा का 86 साल की उम्र में निधन

एजेंसी

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के उमरिया जिले को दुनिया भर में अपनी चित्रकारी से पहचान दिलाने वाली प्रसिद्ध बैगा आदिवासी चित्रकार और पद्मश्री से सम्मानित जोधइया बाई बैगा का निधन हो गया है। वे बीते कुछ महीनों से बीमार थीं और उम्र अधिक होने और न्यूरो से संबंधित जटिलताओं के कारण उनके स्वास्थ्य में लगातार गिरावट आ रही थी, जिसके चलते उनकी हालत गंभीर हुई थी। उन्होंने आज 86 साल की उम्र में अंतिम सांस ली। उमरिया के जनसम्पर्क कार्यालय ने सोशल मीडिया के माध्यम से इसकी पुष्टि की है। जनसम्पर्क कार्यालय द्वारा ट्वीट के माध्यम से बताया गया है कि उमरिया जिले की शान आदिवासी चित्रकार जोधइया बाई का 86 वर्ष की आयु में लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया है। बैगा चित्रकला को देश विदेश तक

पहुंचाने में उनका बड़ा योगदान था। वर्ष 2023 में राष्ट्रपति ने उन्हें चित्रकला में विशेष योगदान के लिए पद्म श्री पुरस्कार दिया था। बीते महीने जोधइया बाई को न्यूरोलॉजिस्ट, नेफ्रोलॉजिस्ट और कार्डियोलॉजिस्ट की जरूरत थी, जो उमरिया जिला अस्पताल में उपलब्ध नहीं थे। उन्हें एंबुलेंस से जबलपुर मेडिकल कॉलेज भेजा गया था, लेकिन उनकी हालत में सुधार नहीं हो पाया। भोजन नहीं कर पाने के कारण उनका शरीर और अधिक दुर्बल हो गया था। अपने पैतृक ग्राम लोढ़ा स्थित निज निवास पर उनका निधन हो गया। गौरतलब है कि उमरिया जिले के छोटे से गांव लोढ़ा में रहने वाली जोधइया बाई जंगल से खाद, जलाऊ लकड़ी और मेवे बेचकर अपने परिवार का गुजर-बसर करती थीं।

जब वह चालीस वर्ष की थीं, तब उनके पति की मृत्यु हो गई। इसके बाद उन्होंने पेंटिंग का काम शुरू किया। उनकी कलात्मक शैली की तुलना जंगढ़ सिंह श्याम से की जाती थी, जो गोंड थे। कैनवास और कागज पर पेंटिंग करने के बाद, वह अब मिट्टी, धातु और लकड़ी जैसे अन्य मीडिया का भी उपयोग करती थीं।

अरविन्द केजरीवाल छात्रों की सुरक्षा और स्कूलों की व्यवस्था दुरस्त करें: देवेन्द्र यादव

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविन्द केजरीवाल का राजधानी की बिगड़ चुकी कानून व्यवस्था के संदर्भ में भाजपा की केन्द्र सरकार के गृहमंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर समय मांगना पूरी तरह राजनीतिक ड्रामा है।देवेन्द्र यादव ने एक बयान में अरविन्द केजरीवाल से पूछा कि क्या हर गतिविधि और घटनाओं का राजनीतिकरण करना सही है? जब दिल्ली में सरकार आपकी, स्कूल आपके, संस्थान आपके, मेट्रो आपकी, बसें आपकी हैं, फिर इनमें बम होने की घटना के लिए कुछ जिम्मेदारी तो दिल्ली सरकार की भी है। जहां सुरक्षा गार्ड और व्यवस्था दिल्ली के अधीन है। उन्होंने कहा कि दिल्ली कांग्रेस मांग करती है कि दिल्ली के बिगड़ते हालात की जिम्मेदारी लेते हुए अरविन्द केजरीवाल तुरंत प्रभाव से मुख्यमंत्री आतिशी का इस्तीफा लें। क्योंकि सरकार आतिशी नहीं, अरविन्द केजरीवाल द्वारा चला रहे हैं। देवेन्द्र यादव ने कहा कि रिजर्व बैंक को बम से उड़ाने की धमकी, देश की गरिमा और सुरक्षा व्यवस्था पर प्रश्न चिह्न लगाती है। क्या साइबर क्राइम इस कदर हावी है कि हमारी पुलिस और खुफिया एजेंसियां ऐसे असामाजिक तत्वों पर नियंत्रण करने के लिए असहाय और असफल दिखाई पड़ती हैं। उन्होंने कहा कि केजरीवाल की नाक के नीचे पिछले एक सप्ताह में 9, 13 और 14 दिसम्बर को 30-40 स्कूलों में बम होने की खबर और स्कूलों को उड़ाने की धमकी, देश भर में 170 विमानों में बम की धमकी पूरी तरह से दिल्ली सरकार और केन्द्रीय सरकार के गृह मंत्रालय के अंतर्गत दिल्ली पुलिस की नाकामी है।

श्रीलंका के राष्ट्रपति तीन दिवसीय राजकीय यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचे

नई दिल्ली। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके तीन दिवसीय भारत यात्रा पर आज नई दिल्ली पहुंचे। केंद्रीय मंत्री एल. मुरुगन ने उनका स्वागत किया। श्रीलंका का राष्ट्रपति निर्वाचित होने के बाद यह उनकी पहली अन्तरराष्ट्रीय यात्रा है। उनके आगमन की जानकारी देते हुए विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि उनकी यात्रा से दोनों देशों के नागरिक केंद्रित साझेदारी और सशक्त होगी। दिसानायके 15 से 17 दिसंबर तक तीन दिवसीय राजकीय यात्रा पर भारत आये हैं। अपनी यात्रा के दौरान दिसानायके भारतीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात करेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और आपसी हित के मुद्दों पर चर्चा करेंगे। उनका बौद्ध गया जाने का भी कार्यक्रम है।

NAME CHANGE
It is for general information that I MOHD RAFIQ S/O MOHD ISRAIL R/O House No.- 11A, Gali No-8, Block-G, Sangam Vihar Pushpa Bhawan, SO South Delhi, Delhi-110062, declare that name of mine and minor son have been wrongly written as RAFIQU and ALE RAHIS in my minor son namely MOHD RAHIS aged 13 year in his school record. The actual name of mine and my minor son are MOHD RAFIQ and MOHD RAHIS respectively which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE
Notice to public at large that my client Smt. Kaushal Sharma W/o Lt. Sh. Dinesh Sharma R/o A-61, Ashok Vihar, Phase-2, Gurugram. Haryana have severed their relations and debarred their son Yashu Sharma from all their movable/immovable property/ies. His brother Mr. Saurabh Sharma has also no relations with Mr. Yashu Sharma. If anybody deals with him which is at his/her/their own risk & responsibility.
ARUN RANA ADVOCATE
530B. Dwarka Courts, Delhi

सार्वजनिक सूचना
मेरे मुवक्किला श्रीमती रेनू सिंघल पत्नी बलवीर सिंह सिंघल, निवासी–म. नं. 503/1, नियर दूर्गा विहार, देवली विलेज, नई दिल्ली–110062 ने अपने पुत्र गौरव सिंघल और पूत्रवधू मीनाक्षी सिंघल को उनके दुराचरण दुर्व्यवहार को देखते हुए उनको अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल करके उनसे अपने सभी पारिवारिक संबंध विच्छेद कर लिये हैं। अगर कोई व्यक्ति इनसे किसी प्रकार का लेन–देन करता है तो वह स्वयं जिम्मेदार होगा। भविष्य में उनकी गतिविधियों के प्रति मेरे मुवक्किला की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।
डॉ. आर. के. बौद्ध अधिवक्ता
CH. NO. 354, LAWYERS BLOCK, SAKET COURTS, NEW DELHI

NAME CHANGE
I, JC-492588X, Rank- SUB, Name-BALBIR SINGH residing at 182 NAGLA MOHAN, PO-PATLAUNI, PS-BALDEO, TEHSIL-MAHAVAN, DIST-MATHURA, UTTAR PRADESH-281301 have changed my mother's name from KAMLESH to KAMLESH CHAUDHARY for all future purposes and in my service records my mother's date of birth wrongly mentioned as 20/07/1982 instead of her correct date of birth as 08/03/1982 vide Affidavit dated 16/12/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Chandan Kumar Choudhary S/o Jai Chandra Choudhary R/o Plot No-6, D-Block, Qutub Vihar, Phase-2, Chhawla, South West Delhi, Delhi-110071, Have Changed My Name To Chandan Choudhary For All Future Purpose

NAME CHANGE
I, Devendra Singh Sachan S/o Virendra Singh Sachan R/o House No-81, DEWS Janta Flat, Block-C, Sector-99, Noida,Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201301, Have Changed My Name To Devendra Singh For All Future Purpose

NAME CHANGE
I, Khushbhadra Singh S/o Rajendra Singh R/o RZD-232/14A, Raj Nagar-2, Palam Colony, South West Delhi, Delhi-110077 Have Changed My Name To Khushbhadra Singh Naruka For All Future Purpose

NAME CHANGE
I, No-14443779Y Rank-HAV Name-MANJEET KUMAR Father of VANSHIKA YADAV R/o WARD-6, HANSAKA (203), REWARI, HARYANA-123401, have changed my minor daughter's name from VANSHIKA YADAV to VANSHIKA for all future purposes vide Affidavit dated 16/12/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, MANJU DEVI Wife of No-14443779Y Rank-HAV Name-MANJEET KUMAR R/o HANSAKA (203), REWARI, MAJRA SHEORAJ, HARYANA-123401, have changed my name from MANJU DEVI to MANJU YADAV for all future purposes vide Affidavit dated 16/12/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, JC-472165H, Rank-SUB Name-DEEPAK SINGH Residing at BHADOURIYA HOUSE, AMLTASH COLONY, PO-GOLA KA MANDIR, P.S+DISTT-GWALIOR, M.P-474005, have changed my mother's name from KOUSHALYA DEVI to KAUSHALYA DEVI BHADORIYA for all future purposes vide Affidavit dated 16/12/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No. 2897725P, Rank-HAV Name-OMVIR SINGH residing at VILL-BISHUNDAS, PO-MURSAN, DISTT-HATHRAS, U.P-204213 have changed my minor daughter's name from BHAVNA SINGH to BHAVANA for all future purposes vide Affidavit dated 16/12/2024 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No. 2897725P, Rank-HAV Name-OMVIR SINGH residing at VILL-BISHUNDAS, PO-MURSAN, DISTT-HATHRAS, U.P-204213 have changed my father's name from SONVIR SINGH to SONVEER for all future purposes vide Affidavit dated 16/12/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, CHANDAKADAM Mother of No 16133862W, Rank-SPR, Name-VIJAY MAHADEV KADAM residing at 395/4/1, NEAR AMBEDKAR CIRCLE, BETAGERI, BELGAUM, KARNATAKA-591233, have changed my name from CHANDAKADAM to CHANDA KADAM for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/01/1983 instead of my correct date of birth as 04/08/1980 vide Affidavit dated 16/12/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Dinesh Kumar S/o Rajender Singh R/o House No-290, Tekhand, Okhla industrial Area Phase -1, South Delhi, Delhi-110020, Have Changed My Name To Dinesh Bishuri For All Future Purpose

NAME CHANGE
I, hitherto known as MUKUNDA MISHRA S/O VIRENDER KUMAR R/O PLOT NO-22 KH NO-22, NAVEEN PLACE, E-BLOCK, NAJAFGARH, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110043 have changed my name and shall hereafter be known as PRASHANT KUMAR.

NAME CHANGE
I, RAJEEV KUMAR KHERA S/O PADAM LAL KHERA R/O H NO-163, GROUND FLOOR, MUKHERJEE NAGAR, DELHI-110009. Have changed my name to RAJIV KHERA for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SUMEDHA SURI W/O TARUN CHADHA R/O H NO-23/4, IIIrd FLOOR, CHADHA BHAWAN, SHAKTI NAGAR, DELHI-110007. Have changed my name to SUMEDHA CHADHA for all future purposes.

NAME CHANGE
I Sunil Gautam S/o Attar Singh R/o R/o A 511, Gokal Puri, Saba Pur, Shahdara North East Delhi, Delhi - 110094 have changed my name to Sunil Kumar for all future purposes.

NAME CHANGE
I, MAHADEV Father No 16133862W, Rank-SPR, Name-VIJAY MAHADEV KADAM residing at 395/4/1, NEAR AMBEDKAR CIRCLE, BETAGERI, BELGAUM, KARNATAKA-591233 have changed my name from MAHADEV to MAHADEV RAMAPPA KADAM for all future purposes vide Affidavit dated 16/12/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NAISY ABARAHAM Wife of No-14647050K, Rank-HAV, Name-AJI KP Presently residing at ATTATHOTTIL-HOUSE, KANNAMANGALAM SOUTH-PO, MAVELIKARA-P.S, ALAPPUZHA-DISTRICT, KERALA-690106 have changed my name from NAISY ABARAHAM to NAISY ABRAHAM for all future purposes vide Affidavit dated 16/12/2024 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE
I Ulfat Khan D/O Aslam Khan R/O House No-66 Musafir Khana Basti Hazrat Nizamuddin New Delhi-110013 Have Changed My Name To Ulfat Fatima Khan Permanently

NAME CHANGE
I, Malika W/o-Narender Singh R/o F-56 And F-57, F-block, jeewan Park,D.k. Mohan Garden,Uttam Nagar, Delhi - 110059 have changed my name from Malika to Monika for all future purposes.

NAME CHANGE
I, PHUL MOHAMMAD KHAN S/o SHAMSE ALAM KHAN R/o PLOT NO-19, SHIV VIHAR, VIKAS ENCLAVE, UTTAM NAGAR, NEW DELHI-110059 declare that name of mine has been wrongly wirtten as PHOOL MOHAD KHAN in my minor daughter SAIMEEN PRAVEEN her school records. The correct name of mine is PHUL MOHAMMAD KHAN which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Sakshi Hingne D/O Rajiv Chaudhary ex wife Aditya Hingne R/O 6130/1 Ground Floor , Sector-D-6, Santushti Appartment , Vasant Kunj PO: Vasant Kunj , Dist: South West Delhi, Delhi-110070, declare that,I got divorced from my husband Sh. Aditya Hingne vide court degree HMA Petition No.849/2024 dated 27/08/2024 further I, have change my name and shall hereafter be know as Sakshi Chaudhary.

NAME CHANGE
I, RITAM W/o SAMARJEET SINGH REHAL, R/o A- 58, Khasra No. 358, Green Valley Society, Atore Raj Nagar Exension, Nagla, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201003 have changed the name of my minor son NIRVAIR SINGH REHAL alias MAYUKH PARWAL, aged 7 years and he shall hereafter be known as NIRVAIR SINGH REHAL.

NAME CHANGE
I, RITAM W/o SAMARJEET SINGH REHAL, R/o A- 58, Khasra No. 358, Green Valley Society, Atore Raj Nagar Exension, Nagla, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201003 have changed the name of my minor son TARAKSH SINGH REHAL alias MALAY MARIT, aged 12 years and he shall hereafter be known as TARAKSH SINGH REHAL.

NAME CHANGE
It is for the general information that I, ALKA W/o VIVEK BHARTI, R/o House No. D-590, 591, Gokal Puri, North East Delhi - 110094, declare that name of mine has been wrongly written as ALKA BHARTI in my minor Daughter DIVYANSHI, aged 12 years in her school records and birth certificate No. MCDOLIR-0112-005299165. The actual name of mine is ALKA, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for the general information that I, ALKA W/o VIVEK BHARTI, R/o House No. D-590, 591, Gokal Puri, North East Delhi - 110094, declare that name of mine has been wrongly written as ALKA BHARTI in my minor son VANSH BHARTI, aged 14 years in his school records and birth certificate No. MCDOLIR-0110-004514265. The actual name of mine is ALKA, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for the general information that I, GANESH KUMAR, W/o JILDARI MAHTO R/o D-413, Indra Kalyan Vihar, Okhla Industrial Area, Phase - I, Okhla Industrial Estate, South Delhi, Delhi - 110020, declare that name of my wife has been wrongly written as NITU DEVI in my minor Son AVINASH KUMAR, aged 17 years in his school records. The actual name of my wife is NEETU DEVI, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I, MOHAMAD HAFIJULLAH S/o MOHAMAD ALIMUDDIN, R/o RZ - 16-H/6, Gali No. 6, Tughlakabad Extension, Kalkaji, South Delhi, Delhi -110019, declare that name of mine and my wife have been wrongly written as MOHD HAFIJULLAH and LADLI PARVEEN in my minor son MOHD HASAN RAZA aged 14 year in his school record. The actual name of mine and my wife are MOHAMAD HAFIJULLAH and LADLI PARWEEN respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, hitherto known as VILENDER SINGH S/o SHYAM NARAYAN SINGH residing at E – 88/239, Lal Bagh, Shri Ram Nagar, Shahdara, East Delhi, Delhi - 110032 have changed my name and shall hereafter be known as BIRENDRA SINGH.

NAME CHANGE
It is for general information that I, RAM KUMAR S/o BHOT KUMAR, R/o WP 259, 3rd Floor, Wazirpur Village, Ashok Vihar, North West Delhi, Delhi-110052 declare that name of my Father has been wrongly written as BAE KUMAR in my PAN Card No. BDAPK6861K. The actual name of my Father is BHOT KUMAR which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Sanjay Kumar S/O: Hari Lal R/O A-168 Mavi Mohalla, Tekhand Okhla Industrial Eastate SO South Delhi 110020,declare that name of mine, my wife and my minor son Divyanshu kumar aged 15 years has been wrongly written as Sanjay,Nisha and Divyanshu in his10th class educational document, The actual name of mine, my wife and my minor son are Sanjay Kumar, Nisha Devi and Divyanshu kumar, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, hitherto known as RAJAMANI DEVI alias RAJMATI DEVI W/O PRATAP SINGH R/O C-35D, NEAR DS SAINIK SCHOOL GALI, SWARN PARK, MUNDKA, WEST DELHI, DELHI-110041, have changed my name and shall hereafter be known as RAJMATI DEVI.

NAME CHANGE
I, SURENDER SINGH S/O MED SINGH R/O HOUSE NO-461, POL NO-10, MALIK PUR VILLAGE, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110073, have changed the name of my minor son RONIT aged 14 years and he shall hereafter be known as RONIT SINGH.

NAME CHANGE
I, AAKRITI is daughter of No. GO-4770K Rank- AE (CIVIL), Name- ASHOK KUMAR R/o HOUSE NUMBER-85A, MOHILE NAGAR, ALLAHPUR, ALLAHABAD, DARAGANJ, UTTAR PRADESH-211006, have changed my name from AAKRITI to AKRITI for all future purposes. Vide Affidavit No-IN-DL03167589950185W dated16.12.2024 before Sub Divisional magistrate Delhi.

NAME CHANGE
I, UTKARSH KUMAR is son of No. GO-4770K Rank- AE (CIVIL), Name-ASHOK KUMAR R/o HOUSE NUMBER-85A, MOHILE NAGAR, ALLAHPUR, ALLAHABAD, DARAGANJ, UTTAR PRADESH-211006, have changed my date of birth from 29/10/1992 to 29/10/1994 for all future purposes. Vide Affidavit No-IN-DL03168302533073W dated16.12.2024 before Sub Divisional magistrate Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Veena Bisht W/O: Yudhvir Singh,R/O A-24, Block-A, Partap Vihar -3, Kirari Suleman Nagar, PO: Sultanpuri C Block, DIST: North West Delhi, Delhi - 110086,declare that name of mine and my minor daughter has been wrongly written as Veena and Vanshika in my minor daughter namely Vanshika Bisht aged 17 years in her 10th class education documents,The actual name of mine and my minor daughter are Veena Bisht and Vanshika Bisht respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I BABITA NAMBERDAR W/O SATENDER KUMAR R/OH.N0-56 AALI VILAGE, SARITA VIHAR DELHI-110076 HAVE CHANGE MY NAME BABITA FOR ALL PURPOSE.

NAME CHANGE
I SATENDRA NAMBERDAR S/O JAGMAL SINGH NAMBERDAR R/OH.N0-56 AALI VILAGE, SARITA VIHAR DELHI-110076 HAVE CHANGE MY NAME SATENDER KUMAR FOR ALL PURPOSE.

NAME CHANGE
I hitherto known as Shanta Indwar alias Chumni Indwar D/O Lohru Indwar W/O Mahendra Ekka, R/O Jhuggi No- N-41-790/2 Ground Floor, Block IB Suraj Park, Badli North West Delhi Delhi-110042,have changed my name and shall hereafter be known as SHANTA INDWAR.

NAME CHANGE
I hitherto known as Ajit Kumar Singh S/O Dina Nath Singh, D-252, MADHU VIHAR, SECTOR-3, DWARKA, South West Delhi, Delhi,- 110078,have changed my name and shall hereafter be known as Raju Singh.

PUBLIC NOTICE
IT is for general information that I, PAWAN S/o NITYA NAND RAI R/o N-28 F-541, Chander Shekhar Azad Colony, Wazirpur Industrial Area, Ashok Vihar, North West Delhi, Delhi- 110052, declare that name of mine, my father and my mother has been wrongly written as PAWAN KM, NITYANAND RAM and ANJANA DEVI in my educational documents. The actual name of mine, my father and my mother are PAWAN, NITYA NAND RAI and BYANJAN DEVI, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Rani D/O Jagdish R/O House NO-4, Bhatte Wala Road, Near Bank Of Maharastra, Baprola PO: Najafgarh, DIST: South West Delhi delhi -110043,declare that name of mine has been wrongly written as Rani Sharma in my M.A Educational degree, The actual name of mine is RANI,which may be amended accordingly.

Date of Birth Correction
I, Lucky Sharma S/o Krishan Kumar Sharma R/o House No. B-110, Vinay Nagar, Amarnagar, Faridabad, Haryana-121003, declare that my Date of Birth has been wrongly mentioned as 01/01/2005 in my CBSE 10th class Marksheet-cum-Certificate, whereas my actual and correct Date of Birth is 08/01/2006 as per my Aadhaar Card No. 9800 0217 6258.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, NARESH KUMAR S/o BABU LAL R/o G-794, Shakur Pur, North West Delhi, Delhi-110034, declare that name of mine and my minor daughter have been wrongly written as NARESH and JANVI MAHAWAR in my minor daughter namely JANVI aged 13 years in her School Record. The actual name of mine and my minor daughter are NARESH KUMAR and JANVI respectively.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I PRIYANSHI CHAUDHARI, W/O RAHUL CHAUDHARY, D/o ANIL CHOUDHARY R/O 98/1, Sonda Road, Near Telephone Exchange, Modinagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201204, declare that the name of mine has been wrongly written as PRIYANSHI in my 10th class marksheet educational Documents. The actual name of mine is PRIYANSHI CHAUDHARI. respectively, which may be amended accordingly.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि सेवा गृह रिन लिमिटेड को उक्त संपत्ति हाउस नंबर बी–22, जिसमें दो मंजिला, 53.33 वर्ग मीटर, कवर एरिया 94.18 वर्ग मीटर, खसरा नंबर 103/1, ग्राम महमसराय उर्फ कोट, परगना लोनी, तहसील और जिला में स्थित है, का वित्तपोषण किया गया था। गाजियाबाद उत्तर प्रदेश। ऋण संख्या APPL00015663 के साथ, अभिरक्षा में (1) मूल विक्रय विलेख संख्या–5024 दिनांक–22/10/1991 श्रीमती हंसा द्वारा श्रीमती किशनवती के पक्ष में निष्पादित (2) मूल विक्रय विलेख संख्या–9887 दिनांक–30/10/2012 श्रीमती किशनवती द्वारा श्री विनोद के पक्ष में निष्पादित (3) मूल विक्रय पत्र संख्या–9155 दिनांक–30/08/2023 श्री विनोद द्वारा श्रीमती ममता के पक्ष में निष्पादित, उप रजिस्ट्रार सदर द्वितीय गाजियाबाद के कार्यालय में बुक संख्या 1, खंड संख्या 20749, पृष्ठ 397–436 क्रमांक 9155 दिनांक 30.08.2023 में विधिवत पंजीकृत। इसे सेवा गृह रिन लिमिटेड के पास ममता शर्मा पत्नी विनोद शर्मा द्वारा जमा किया गया था, दस्तावेज़ गलत थे गृह रिन लिमिटेड के कब्जे से और ऑनलाइन एफआईआर संदर्भ संख्या – एलआर संख्या 2404953/2024, 2404954/2024 और 2404923/2024 सेवा गृह रिन लिमिटेड द्वारा दिनांक 16.12.2024 को पीएस क्राइम ब्रांच दिल्ली में पहले ही दर्ज की जा चुकी है और किसी भी व्यक्ति ने पाया/प्राप्त किया है। ग्रिह रिन को सूचित किए जाने की तुलना में उपर्युक्त संपत्ति दस्तावेज़ लिमिटेड शाखा दिल्ली या हामीदारी अधिवक्ता से संपर्क करे।
[NAVEEN KUMAR VERMA] Advocate
1/566-A, Ground Floor, Sector-1, Vaishali, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201010.
(Contact at 09958871432)

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि हमारी ग्राहक श्री निशांत कुमार और श्रीमती मोनिका लोहिया फ्रीहोल्ड आवासीय प्लॉट नंबर सी–6 के मालिक हैं, जिसका क्षेत्रफल खसरा नंबर 939 मील में से 70 वर्ग गज है, जो ग्राम तिलपता करनवास परगना और तहसील दादरी जिले में साईं एन्क्लेव में स्थित है। गौतमबुद्धनगर उत्तर प्रदेश। सेल डीड दिनांक 14.09.2020 के आधार पर दस्तावेज़ संख्या 12206, खंड संख्या 15391 पृष्ठ संख्या 185–272 एसआर–दादरी के नीचे उल्लिखित दस्तावेजों की श्रृंखला में दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं यानी मूल बिक्री विलेख दिनांक 13.08.2018 को श्री दविंदर कुमार, श्री सुमित द्वारा निष्पादित किया गया कुमार एवं श्री. पवन ने श्रीमती खुस्नादा पत्नी श्री कासिम के पक्ष में दस्तावेज़ संख्या 15985, खंड संख्या 12274 पृष्ठ संख्या 111–140 एसआर–दादरी के रूप में अब हमारे ग्राहक यह घोषणा कर रहे हैं कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, और उसका भी है पीरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड शाखा द्वारा वित्त पोषित सेक्टर –16 नोएडा, यूपी।
यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में अधिकारस्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा
[NAVEEN KUMAR VERMA] Advocate
1/566-A, Ground Floor, Sector-1, Vaishali, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201010.
(Contact at 09958871432)

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि हमारी ग्राहक श्रीमती सिप्रा कुमारी पत्नी श्री शेषनाथ उपाध्याय बिना छत के अधिकार के फ्रीहोल्ड आवासीय निर्मित तीसरी मंजिल की मालिक हैं, संपत्ति का हिस्सा संख्या एल–121 क्षेत्रफल 75 वर्ग गज यानी रकबा संख्या 58 किला संख्या 25 में से 62.70 वर्ग मीटर है। 58/25) एल–ब्लॉक, लक्ष्मी नगर, इलाक़ा की आबादी में ग्राम खुरेजी खास के क्षेत्र में स्थित है शाहदरा, दिल्ली–110092। बिक्री विलेख के आधार पर दिनांक 22.09.2023, दस्तावेज़ संख्या 6993, पुस्तक संख्या 1, खंड संख्या 2946, पृष्ठ संख्या 170–177 पर, 22.09.2023 को एसआर–आठवीं–ए दिल्ली में पंजीकृत। श्रृंखला दस्तावेजों में नीचे उल्लिखित दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं यानी मूल बिक्री विलेख दिनांक 30.05.2012 को श्रीमती दविंदर ढींगरा पत्नी श्री एस बखत सिंह ढींगरा द्वारा मैसर्स राज इंफ्रा प्रमोटर्स प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में इसके निदेशक श्री राजिंदर कुमार जैन के माध्यम से डॉक्टर के रूप में निष्पादित किया गया। संख्या 9207, पुस्तक संख्या 1, खंड संख्या 6348, पृष्ठ संख्या 42–51 पर, 30.05.2012 को पंजीकृत, एस आर– दिल्ली में। अब हमारा ग्राहक घोषणा कर रहा है कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, और वही संपत्ति वर्तमान में एक्सिस फाइनेंस लिमिटेड द्वारा वित्तपोषित है और उसे उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड शाखा नोएडा, यूपी द्वारा पुनर्वित्त किया गया है।
यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में अधिकारस्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 14 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।
[NAVEEN KUMAR VERMA] Advocate
1/566-A, Ground Floor, Sector-1, Vaishali, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201010.
(Contact at 09958871432)

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारा ग्राहक श्रीमती बीना गुप्ता पत्नी श्री अश्वनी कुमार गुप्ता नई दिल्ली के कृष्णा नगर में स्थित खसरा संख्या 484/30/1 में से 108 वर्ग गज की संख्या 20/2 की फ्रीहोल्ड आवासीय निर्मित संपत्ति की मालिक हैं। दिनांक 25.11.1997 को नोटरीकृत एसपीए के साथ पंजीकृत जनरल पावर ऑफ अटॉर्नी के आधार पर। एसआर दिल्ली में दिनांक 25.11.1997 को पुस्तक संख्या – 4, खंड संख्या – 84, पृष्ठ संख्या – 04 से 06 में पंजीकरण संख्या – 5168 के माध्यम से। अब हमारा ग्राहक यह घोषणा कर रहा है कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, और निर्मित तीसरी मंजिल, पीछे की ओर का हिस्सा, बिना छत के अधिकार वाला 54 वर्ग गज का क्षेत्र, श्री राहुल गुप्ता और श्रीमती शिव रात्रि देवी के नाम से बिकने जा रही है। और इसे एसएमएफजी इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड शाखा नोएडा, यूपी द्वारा वित्तपोषित किया गया है। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के अधिकार स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा
[NAVEEN KUMAR VERMA] Advocate
1/566-A, Ground Floor, Sector-1, Vaishali, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201010.
(Contact at 09958871432)

जींद में स्वदेशी मेले का आयोजन

एजेंसी

जींद। स्वदेशी जागरण मंच व स्वाबलंबी भारत अभियान द्वारा स्थानीय गोपाल विद्या मंदिर जींद में प्रांत सम्मेलन व स्वदेशी मेले का आयोजन किया गया। सम्मेलन में मुख्यअतिथि के रूप में डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा, स्वदेशी जागरण मंच एवं स्वावलंबी भारत अभियान के अखिल भारतीय संगठक कश्मीरी लाल व सह संगठक सतीश उपस्थित रहे। इसके अलावा शहर के गणमान्य लोगों, भाजपा नेताओं ने भी मेले में शिरकत की। इस प्रांत सम्मेलन और स्वदेशी मेला आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य युवाओं को स्वरोजगार की ओर ले जाना है। युवा नौकरियों के पीछे न भागें। स्वरोजगार अपना कर नौकरी करने वाला नहीं वल्कि नौकरी देने वाला बने। स्वदेशी मेले में जिला जींद के स्थानीय कुटीर एवं लघु उद्यमियों द्वारा निर्मित उत्पादनों के स्टाल लगाए गए तथा स्कूल कालेजों के छात्रों द्वारा तैयार किए गए उत्पादनों की भी स्टॉल लगेंगी। इस मेले में स्थानीय व दिल्ली से निवेशक भी आए, जिन्होंने मेले में प्रदर्शित स्टालों के व्यापार को बढ़ावा देने के लिए निवेश करने की ऑफर दिया। वहीं इस मेले में स्कूल कॉलेज के छात्र व छात्राओं द्वारा संस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। मेले में गांव की पूरी छवि देखने को मिली। यहां ग्रामीण चौपाल, पनघट, खेती उपकरण, ग्रामीण रसोई आकर्षण का केंद्र रही। वहीं हरियाणावी ड्रेस के साथ लोगों ने सेल्फी ली। मेले में आए लोगों ने स्वदेशी चीजों की खरीददारी भी की और व्यंजन भी चखे।

कैथल में शराब से भरी पिकअप जब्त, 46 पेटी बरामद

कैथल। सीआईए स्टाफ ने चीका से वैध शराब से भरी पिकअप को जब्त किया है। गाड़ी के अंदर से 46 पेटी देसी व अंग्रेजी शराब बरामद की गई है। गाड़ी चालक मौके पर गाड़ी को छोड़कर फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। पुलिस ने गुहला थाने में दो आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। जिनकी पहचान धर्मेंद्र निवासी टटीयाना और महिपाल निवासी भुना के रूप में हुई है। आरोपी धर्मेंद्र काफी समय से चीका के एक ठेके पर नौकरी कर रहा है। जबकि दूसरा आरोपी महिपाल भी शराब के धंधे से जुड़ा हुआ है। सीआईए पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि धर्मेंद्र व महिपाल चीका की तरफ से एक पिकअप में अवैध शराब लेकर जा रहे हैं। जिसके आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए गुहला चीका स्थित एक सरकारी स्कूल के पास गाड़ी को पकड़ लिया। फिलहाल पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है।

नायब सरकार से हर वर्ग खुश : प्रदीप सांगवान

सोनीपत। बरोदाविधान सभा क्षेत्र से भाजपा नेता प्रदीप सांगवान ने कहा कि प्रदेश की नायब सरकार से हर वर्ग खुश है। प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सैनी प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए परियोजनाएं बना रहे हैं। यह बात अपने धन्यवादी दौरों के दौरान गांव जागसी में कही। प्रदीप सांगवान ने इसके बाद गांव बिचपड़ी, अहमदपुर माजरा व महमूदपुर में ग्रामीणों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी के पास कोई भी अपनी समस्या लेकर जाता है,उनकी समस्याओं का सम्बंधित अधिकारियों से तुरन्त समाधान करवाने का काम करते हैं। हर वर्ग के लिए इस सरकार के पास विकासकारी योजनाएं हैं। धन्यवादी दौरे के दौरान उनके साथ डॉ.राज सिंह सांगवान, आजाद जागसी, डॉ.राममेहर राठी, राजेश भावड़, सुरेन्द्र नंबरदार, ओमबीर वत्स, दारा सिंह नैन, जितेन्द्र शर्मा, मनोज शर्मा, रामबीर पूनिया, सुरेन्द्र पूनिया, राजू शर्मा सरपंच, जस्सा सरपंच, रमेश सरपंच, गोविंद सरपंच, छोटू, रीनु मालिक, मंगलीराम, सतपाल मान सरपंच, विक्की सरपंचआदि शामिल रहे।

हरियाणा महिला आयोग की उपाध्यक्ष को भेजा जेल

सोनीपत। हरियाणा महिला आयोग की उपाध्यक्ष सोनिया अग्रवाल और चालक कुलबीर बैनीवाल को सोनीपत में ड्यूटी मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया। सोनिया अग्रवाल को कोर्ट ने जेल भेज दिया, जबकि कुलबीर को एक दिन की रिमांड पर एंटी करप्शन ब्यूरो को सौंपा गया है। इन पर एक लाख रिश्वत का मामला है। सोनिया को सुबह सोनीपत के महिला थाने से विजिलेंस दफ्तर में लाया गया। इस दौरान सोनिया ने कहा कि मुझे फंसाया गया है, जल्द ही मैं इसे साबित करूंगी। इस दौरान उनका चालक एवं पीए कुलबीर भी उनके साथ था। एसीबी ने दोनों को एक लाख रुपए रिश्वत के मामले में गिरफ्तार किया था। इससे पहले सोनिया अग्रवाल के खरखौदा स्थित आवास पर रेड भी की गई थी, हालांकि उनके आवास की तलाशी के दौरान कोई रकम बरामद नहीं हुई है। आरोप है कि सोनिया के पीए कुलबीर ने हिसार में जेबीटी टीचर से एक लाख रुपए लिए थे। शिकायतकर्ता टीचर का कहना है कि रुपए लेने के बाद पीए ने महिला आयोग की उपाध्यक्ष सोनिया अग्रवाल को फोन कर केस सेटल करने को कहा था। सोनियाअग्रवाल को खरखौदा और कुलबीर बैनीवाल को हिसार से पकड़ा गया था। दोनों पर आरोप है कि उन्होंने टीचर और उसकी पुलिसकर्मी पत्नी का विवाद निपटाने के बदले में एक लाख रुपए की रिश्वत लेने का प्लान बनाया था। एसीबी टीम ने कुलबीर से एक लाख रुपए भी बरामद किएहैं। एसीपी जांच में लगी है कि सोनिया अग्रवाल, कुलबीर के जरिए ही केस निपटाने के पैसे लेती थी। कुलबीर दिनभर अपने नियाणा गांव स्थित घर पर ही था।

हरियाणा में तीन नए अपराधिक कानून फरवरी में होंगे लागू

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में अगले साल फरवरी माह में तीन नए अपराधिक कानूनों को लागू कर दिया जाएगा। इसके लिए 28 फरवरी तक का लक्ष्य तय किया गया है। राज्य पुलिस का प्रयास है कि एक मार्च से प्रदेश के सभी थानों में नए कानूनों के तहत कार्य शुरू किया जाए। एक माह के ट्रायल के बाद एक अप्रैल से इसे शत-प्रतिशत लागू कर दिया जाएगा। हरियाणा पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने आलाधिकारियों के साथ नए अपराधिक कानून लागू करने को लेकर मंथन किया। प्रदेश के सभी पुलिस अधीक्षक व अन्य वरिष्ठ अधिकारी वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से इस बैठक में जुड़े। कपूर ने कहा कि गृह मंत्रालय द्वारा नए कानूनों को प्रभावी तरीके से लागू

करने के लिए हरियाणा को एक मॉडल के रूप में विकसित करने का लक्ष्य दिया गया है। उन्होंने अधिकारियों को इसे लागू करने के लिए इस्तेमाल होने वाली ई-साक्ष्य एप व इसके इस्तेमाल करने बारे में विस्तार से बताया गया। उन्होंने कहा कि ई-साक्ष्य एक बहुत अच्छी ऐप है, जिसके माध्यम से नए कानून में निहित प्रावधानों को प्रभावी तरीके से लागू किया जा सकता है। उन्होंने बैठक में केस डायरी माड्यूल तथा चांस रिकवरी व प्लेनड रिकवरी की वीडियोग्राफी आदि के बारे में भी बताया गया। इसके साथ ही उन्होंने प्रशिक्षण के महत्व पर बल दिया। नए कानून से न्याय प्रणाली सुदृढ़ बनेगी और लोगों को त्वरित न्याय मिलेगा। उन्होंने कहा कि तीन नए कानूनों को लागू करने के लिए पुलिस को भविष्य में आवश्यकता अनुसार और अधिक रिसोर्सेस उपलब्ध करवाए जाएंगे। नशामुक्ति अभियान के बारे में उन्होंने कहा कि इसके लिए योजनाबद्ध तरीके से मुहिम चलाने की जरूरत है। डीजीपी ने सभी पुलिस अधीक्षकों को निर्देश दिए कि वह स्वयं नशा तस्करों के खिलाफ कार्रवाई को यकीनी बनाएं। अपने-अपने क्षेत्रों में प्रतिबंधित दवाईयां बेचने वाले फार्मासिस्ट के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करें।

संसद व देश में संविधान की गरिमा का संरक्षण जरूरी: बजरंग इंदल

एजेंसी

हिसार। प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता और पूर्व प्रत्याशी बजरंग इंदल ने कहा है कि देश के सबसे पवित्र दस्तावेज़ भारतीय संविधान और सामाजिक समानता के लिए संघर्षरत डॉ. भीमराव अंबेडकर की विचारधारा पर केंद्र सरकार द्वारा की जा रही बयानबाज़ी एवं कार्रवाहियां अत्यंत चिंताजनक हैं। संसद में हालिया बहस के दौरान संविधान और मनुस्मृति को लेकर सत्ता पक्ष द्वारा किए गए वक्तव्यों ने न केवल विपक्ष की आवाज़ दबाने का प्रयास किया है बल्कि संविधान के मूल आदर्शों पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। बजरंग इंदल ने मोदी सरकार से मांग करते हुए कहा कि केंद्र सरकार इस बात पर स्पष्टीकरण दे कि वो मनुस्मृति से प्रेरित नहीं है तथा संविधान के प्रति पूरी तरह समर्पित है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपनी आवाज़ उठाकर यह स्पष्ट किया है कि संविधान हमारे देश की आत्मा है और किसी भी प्रकार के वैचारिक या संस्थागत हमले को सहन नहीं किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि डॉ. अंबेडकर का भारत एक ऐसा भारत था, जहां हर नागरिक को समान अधिकार और अवसर मिले लेकिन आज की सरकार इन मूलभूत अधिकारों और समानता के आदर्शों को कमजोर करने की कोशिश कर रही है। विपक्ष का यह मानना है कि केंद्र सरकार मनुस्मृति की विचारधारा को बढ़ावा देकर संविधान को दरकिनार करना चाहती है। यह संविधान द्वारा स्थापित समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के सिद्धांतों का सीधा उल्लंघन है।

हरियाणा के युवाओं को कौशल व आत्मनिर्भरता का मंत्र देंगे मनोहर लाल

एजेंसी

चंडीगढ़। युवा शक्ति विकसित भारत का आधार है। इसी आधार को मजबूत करने के लिए केंद्रीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल युवाओं से सीधा संवाद करेंगे। मनोहर लाल न केवल युवाओं स संवाद करेंगे, बल्कि उन्हें कौशल और आत्मनिर्भरता का मंत्र देंगे। रोहतक स्थित महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के टैगोर सभागार में 21 दिसंबर को युवा गौरवशाली समारोह का आयोजन होगा। गौरवशाली समारोह में केंद्रीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल बतौर मुख्यातिथि शिरकत करेंगे। समारोह में मनोहर लाल युवाओं को सफलता, कौशलता, आत्मनिर्भरता और उद्यमियता का मंत्र देंगे। इसके साथ ही संविधान की महत्ता और डॉ. अंबेडकर जी के आदर्शों से युवा जुड़ें, इसको लेकर भी मनोहर लाल सीधा संवाद करेंगे। युवा गौरवशाली समारोह की खास बात यह रहेगा कि प्रदेशभर से युवा जुटेंगे, जिसमें युवा उद्यमी, युवा सरपंच, खिलाड़ी शामिल होंगे। एमडीयू रोहतक में संविधान गौरव उत्सव समिति के तत्वाधान में युवा गौरवशाली समारोह का आयोजन किया जा रहा है।

संविधान गौरव उत्सव समिति का उद्देश्य युवा गौरवशाली समारोह के जरिये युवाओं को संविधान के सम्मान और स्वाभिमान को जीवन में आत्मसात कराना है। युवा गौरवशाली समारोह के संयोजक तथा केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल के मुख्य मीडिया सलाहकार सुदेश कटारिया बताते हैं कि युवा गौरवशाली समारोह को लेकर युवाओं में उत्साह है और मनोहर लाल के प्रति युवाओं में उत्साह है। गौरवशाली समारोह की तैयारियों को लेकर उनका जिलों में जनसंपर्क अभियान जारी है। जनसंपर्क अभियान के दौरान युवाओं को युवा गौरवशाली समारोह का न्यौता दिया जा रहा है, जिसमें पहुंचने के लिए हर युवा उत्साहित है। युवाओं का मानना है कि पूर्व मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल के मिशन मेरिट मॉडल से उनके सपनों को उड़ान मिली है।

देश के मुकुट कश्मीर की शांति के लिए प्रयासरत लोगों को प्रणाम: बंडारू दत्तात्रेय

एजेंसी

गुरुग्राम। सेक्टर-51 स्थित गुरुग्राम विश्वविद्यालय में शनिवार की शाम को कश्मीर पीस लवर्स की ओर से सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। इसमें हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कश्मीर भारत का मुकुट है और शांति का प्रतीक है। आगे भी यह शांति अमन बना रहना चाहिए। इसके लिए प्रयासरत लोगों को मैं प्रणाम करता हूं। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में आकर कश्मीर की एक सुखद तस्वीर सामने दिखाई दे रही है। इस दौरान कश्मीर की शांति के लिए प्रयासरत लोगों को विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया गया। राज्यपाल ने कहा कि इस समारोह में अवार्ड प्राप्त करने वाले ऐसे सभी महानुभावों को मैं विशेषतौर पर बधाई देता हूं जो कश्मीर पीस लवर्स के इस मंच पर सम्मानित हुए हैं। राज्यपाल ने कहा कि इस कार्यक्रम में युवाओं के योगदान व प्रतिभा को देखकर खुशी का अनुभव हो रहा है। अपनी कश्मीर यात्रा का वर्णन करते हुए उन्होंने कहा कि वहां बहुत प्राचीन मंदिर हैं। वहां के लोगों ने ऐसी सांस्कृतिक धरोहरों को सहेज रखा है। यह बहुत हर्ष का विषय है। सीएम हरियाणा के ओएसडी डॉ. राज नेहरू ने कहा कि कश्मीर पीस लवर्स संस्था का उद्देश्य हमारी संस्कृति को प्रस्तुत कर आगे बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि महामहिम के साथ उन्हें कश्मीर यात्रा का मौका मिला। इस दौरान विभिन्न प्राचीन मंदिरों के दर्शन किए। सरकार भी ऐसी सांस्कृतिक विरासत के विकास में सहयोग कर रही है। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने कश्मीर की शांति के लिए काम कर चुके विभिन्न पुरोधाओं को याद किया। ऐसे लोगों की याद में विभिन्न प्रतियोगिताएं कराई गई। सूर्या गंजू ने गिटार वादन किया। कार्यक्रम में गुरुग्राम विवि के प्रो. दिनेश कुमार, बादशाहपुर एसडीएम अंकित चौकसे के अलावा किरण

वातल, अनिल वैष्णवी, कश्मीर पीस लवर्स के ट्रस्टी पंकज धर, अजय पंडिता, डॉ. राजेंद्र जलाली, मिथलेश लाबरू, गुरुग्राम विवि के रजिस्ट्रार राजीव कुमार सिंह व अन्य पदाधिकारियों के अलावा अन्य लोग मौजूद रहे।

वैश्य समाज के युवा युवा कांग्रेस के चुनाव में बढ़-चढ़कर भाग लें: अशोक बुवानीवाला

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा कांग्रेस औद्योगिक सैल के प्रदेश संयोजक तथा अग्रवाल वैश्य समाज के प्रदेश अध्यक्ष अशोक बुवानीवाला ने कांग्रेस से जुड़े वैश्य समाज के युवा नेताओं व कार्यकर्ताओं का आह्वान किया है कि वह युवा कांग्रेस के होने वाले चुनाव में बढ़-चढक़र भाग लें।

अशोक बुवानीवाला ने कहा कि राजनीति में सीढ़ी दर सीढ़ी चढक़र जो सफलता हासिल की जाती है वह स्थाई होती है। आज जो युवा कांग्रेस में पदाधिकारी चुने जाएंगे वहीं युवा नेता भविष्य में कांग्रेस में बड़े पदों पर बैठेंगे। उन्होंने कहा कि वह पिछले करीब 15 सालों से समाज की राजनीति में सक्रिय भागीदारी बढ़ाने की दिशा में काम कर रहे हैं। युवा

कांग्रेस के चुनाव में भी वह समाज के युवा कार्यकर्ताओं को चुनाव लडऩे के लिए प्रेरित करने का काम कर रहे हैं। बुवानीवाला ने कहा कि आज हर व्यक्ति को हर कदम पर राजनीतिक संरक्षण की जरूरत पड़ती है। युवा कांग्रेस चुनाव के पीआरओ अरुण कुमार गर्ग ने बताया कि हरियाणा में युवा कांग्रेस के चुनाव की तैयारी पूरी हो गई है। 20 दिसंबर को चुनाव प्रक्रिया शुरू होगी और 5 जनवरी को यह पूरी कर ली जाएगी। 20 दिसंबर 1989 से लेकर 19 दिसंबर 2006 के बीच पैदा हुए व्यक्ति इस चुनावी एवं सदस्यता अभियान में हिस्सा ले सकेंगे। प्रदेश के सभी जिलों में जोनल निर्वाचन अधिकारी 16 दिसंबर से दौरा करेंगे। सिरसा, फतेहाबाद, हिसार अर्बन, हिसार ग्रामीण कैथल और जींद के लिए नव पर्वत प्रशांत को जोनल निर्वाचन अधिकारी बनाया गया है। इसी प्रकार अंबाला जोन में 10 जिले हैं। यहां शिशिर श्रीवास्तव को जनरल निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया गया है। इस जोन में पंचकूला, अंबाला शहरी और ग्रामीण, यमुनानगर शहरी और ग्रामीण, कुरुक्षेत्र, करनाल शहरी और ग्रामीण तथा पानीपत शहरी और ग्रामीण शामिल हैं। गुरुग्राम में नटवर सिंह को जोनल निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया गया है। इसमें महेंद्रगढ़, रेवाड़ी, गुरुग्राम अर्बन एवं ग्रामीण, पलवल, फरीदाबाद शहरी जिलों के साथ एससी एसटी के लिए आरक्षित नूंह और फरीदाबाद ग्रामीण जिले शामिल हैं।

गुरुघर से बड़ा कोई द्वार नहीं :साध्वी करूणागिरी

एजेंसी

हिसार। धन-धन बाबा जोध सचियार सेवा समिति से जुड़े भ्याणा एवं सेवक परिवारों की ओर से कैंप चौक स्थित फ्लेमिंगो रिसार्ट में आठवें महान संत समागम एवं सत्संग समारोह का आयोजन किया गया। इसमें भव्य दीवान सजाया गया जिसमें हिसार जिले के अलावा प्रदेश भर से आए हजारों श्रद्धालुओं ने गुरुघर में माथा टेका। समिति के प्रधान दयानंद भ्याणा ने बताया कि हांसी के विधायक व डेरा बाबा जोध सचियार सेवा समिति, पानीपत के प्रधान विनोद भ्याणा की देखरेख में हुए समागम में बालयोगिनी महामंडलेश्वर संत शिरोमणि साध्वी करुणागिरी महाराज, हरिद्वार वाले के अलावा भाई अरूण गंगानगर वाले, भाई लवप्रीत सिंह सिरसा वाले, भाई बलवंत राय घई हिसार वाले, भजन गायक डॉ. मोहन तनेजा ने सत्संग व कीर्तन द्वारा संगत को निहाल किया। पंडाल में घंटों तक जो बोले सो निहाल, सासरियाकाल व वाहेगुरु के जयकारे गूंजते रहे। समागम के दौरान अटूट लंगर चलाया गया।

साध्वी करूणागिरी महाराज ने गुरुबाणी की अमृतवर्षा करते हुए बाबा जोध सचियार के जीवन पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि गुरुघर से बड़ा कोई द्वार नहीं है। नेक कर्म करने का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि जिसने श्री गुरु ग्रंथ साहिब को जप लिया उसका बेड़ा पार है। जीवन में गुरु के बिना कुछ नहीं है। इससे पूर्व श्री सुखमणि साहिब का पाठ किया गया।

भाजपा ने हमेशा राष्ट्र की उन्नति, सुरक्षा और समृद्धि को प्राथमिकता दी: कमल यादव

एजेंसी

गुरुग्राम। न्यू पालम विहार गुरुग्राम में नागरिक सेवा समिति द्वारा आयोजित भाजपा सक्रिय सदस्यता एवं कार्यालय शुभारंभ समारोह में भारतीय जनता पार्टी के गुरुग्राम जिला अध्यक्ष कमल यादव व जिला मीडिया सह प्रमुख राकेश राणा ने सदस्यता दिलाई। समारोह में जिला मीडिया प्रमुख पवन यादव, मंडल प्रभारी पी.सी. सैनी, जिला महामंत्री रामबीर भाट्टी, जिला कार्यकारिणी सदस्य मालखान यादव, महिला मोर्चा मंडल महामंत्री काजल रोहिला, कार्यकारिणी सदस्य ममता कूबा तथा न्यू पालम विहार क्षेत्र के मौजिज लोग और सेंकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे। कमल यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने हमेशा राष्ट्र की उन्नति, सुरक्षा और समृद्धि को प्राथमिकता दी है। आज भारतीय जनता पार्टी जन जन के विश्वास का प्रतीक बन चुकी है। जिला मीडिया सह प्रमुख राकेश राणा ने कहा कि पार्टी की कार्यनीति से प्रेरित होकर हमारी एनजीओ साई फाउंडेशन समय समय पर पढ़ाई तथा खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले युवाओं को प्रोत्साहित करती रहती हैं। पिछले स्पताह मंगोलिया में हुई वर्ल्ड कुराश चैंपियनशिप प्रतियोगता में 55 किलो वजन के तृतीय स्थान पर आने वाले बजघेड़ा

के जूडो खिलाड़ी तुषार पुत्र रामसिंह को स्मृति चिह्न व पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया। डूंडाहेड़ा मंडल प्रभारी व जिला सचिव पी.सी. सैनी ने कहा कि भाजपा का सबसे महान पर्व सदस्यता अभियान देश और प्रदेश भर में चलाया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में विकसित राष्ट्र निर्माण को देखते हुए उत्साह से लोग भाजपा में शामिल हो रहे हैं। नागरिक सेवा समिति के संयोजक देशराज चौधरी ने कहा कि भूतपूर्व सैनिको ने पहले बॉर्डर पर तैनात रहकर देश की रक्षा की अब समाज की सेवा में लगे रहते हैं। इनका मनोबल बढ़ाना हमारा कर्तव्य बनता है। नागरिक सेवा समिति ने न्यू पालम विहार क्षेत्र के सिपाही से लेकर कर्नल तक के कई भूतपूर्व सैनिकों का सम्मान किया। नागरिक सेवा समिति का कार्यालय अब से भारतीय जनता पार्टी के कार्यालय रूप में प्रयोग में लाया जाएगा। कमल यादव ने कहा कि न्यू पालम विहार सैनिकों की कॉलोनी है। उनका सौभाग्य है कि इनके सम्मान समारोह में मुझे शामिल होने का अवसर मिला।

विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल ने शहर में निकाली शौर्य यात्रा

एजेंसी

सोनीपत। विश्वहिंदू परिषद व बजरंग दल ने शहर में शौर्य यात्रा निकाल कर हिंदुओं से एकजुट होने का आह्वान किया। 1008 स्वामी दयानंद सरस्वती के नेतृत्व में रेलवे रोड़ पर नई अनाजमंडी में विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल के कार्यकर्ता एकत्रित हुए। गन्नौर बजरंग दल संयोजक धर्मवीर शर्मा, मंत्री सुरेंद्र खुराना व विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारियों ने कार्यकर्ताओं ने कहा कि बाबरी ढांचा विध्वंस के उपलक्ष्य में हर वर्ष शौर्य प्रदर्शन यात्रा निकाली जाती है। यात्रा का शुभारंभ 1008 स्वामी दयानंद सरस्वती ने किया। हरियाणा प्रांत बजरंग दल विद्यार्थी संयोजक ललित भिवानी मुख्यातिथि रहे। स्वामी दयानंद सरस्वती ने भारत सरकार से आग्रह किया कि वो बांग्लादेश सरकार को सख्त संदेश दे। उन्होंने कहा कि सरकार समय रहते मथुरा व काशी में मंदिर का भव्य निर्माण करवाएं अन्यथा जिस प्रकार बाबरी ढांचे को साफ किया था उसी प्रकार बजरंग दल मथुरा में भी कार सेवा करेगा। जिलामंत्री नरेंद पाल शर्मा ने हिंदू समाज को एकजुट होने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जाती में न बट कर एक है तो सेफ का नारा दिया। यात्रा से पूर्व

हल्का विधायक देवेंद्र कादयान ने स्वामी दयानंद सरस्वती का माला पहना कर स्वागत किया। इस अवसर पर रोहतक विभाग मंत्री सुभाष गुप्ता, जिला सह मंत्री रवि कुमार, जिला उपाध्यक्ष तेजपाल भार्गव, नगरपालिका अध्यक्ष अरुण त्यागी, जिला पार्षद नरेंद्र, योगेश कौशिक, डा. निहारिका, पिंकी कौशिक, गायत्री जांगड़ा, नीतू, विनोद, रोहतास शर्मा आदि मौजूद रहे।

हरियाणा का छोरा बना ऑस्ट्रेलिया में डॉक्टर, बाबू लगातार दो योजना से है काउंसलर

एजेंसी

हिसार। कौन कहता है आसमां में सुराख नहीं हो सकता, एक पत्थर तो तबीयत से उछालो यारों, यहीं चरितार्थ कर दिखाया है ऑस्ट्रेलिया के एडिलेड शहर में रह रहे जीन्द जिले के गांव जाजवानवाला निवासी सुरेंद्र चहल और उनके बेटे निशान चहल ने। साउथ ऑस्ट्रेलिया में लगातार दो बार काउंसलर का चुनाव जीतने वाले पहले भारतीय सुरेंद्र चहल के बड़े बेटे निशान चहल ने लगातार छह साल फ्लिंडर्स विश्वविध्दालय से उच्च विशिष्टता के साथ Bachelor of Clinical Sciences and Doctor of Medicine कि डिग्री हासिल की है। इस दौरान निशान को लगातार छह साल छात्रवृति प्राप्त हुई यानी उसकी कुल फ़ीस का 90 प्रतिशत माफ़ हुआ जो तक़रीबन दो करोड़ रुपये फ़ीस बनती है। निशान को डिग्री मिलने से एक महीना पहले ही साउथ ऑस्ट्रेलिया स्वास्थ्य विभाग द्वारा फ्लिंडर्स पब्लिक हॉस्पिटल में बतौर डॉक्टर जॉब का नियुक्ति पत्र मिल चुका है, जहां वो बतौर डॉक्टर 6 जनवरी से कार्य प्रारंभ करेगा। निशान ने अपनी ज़्यादातर प्लेसमेंट इसी हॉस्पिटल से कम्पलीट कि है। इसके साथ ही सिटी ऑफ़ वेस्ट टोरेंस मेधावी छात्रों को दी जाने वाली MAX AND BETTE MENDELSON FOUNDATION द्वारा Mendelson Scholar के ख़िताब

से लगातार चार साल नवाज़ा गया जिसमें उसको हर साल चार हज़ार डॉलर (तक़रीबन 10 लाख रुपये) और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। ऑस्ट्रेलिया में रह रहे 10 लाख से अधिक भारतीयों में सुरेंद्र चहल का परिवार (धर्मपत्नी नीलम चहल, बेटे डॉ. निशान चहल और छोटा बेटा समर्थ चहल) पहला भारतीय परिवार है जिसमें बाबू-बेटा काउंसिलर और डॉक्टर हैं। ऑस्ट्रेलिया में सबसे होनहार ज़्यादातर बच्चों का सबसे बड़ा सपना डॉक्टर बनना होता है और इसी कोर्स में सबसे ज़्यादा मैरिट 99 प्रतिशत) वालों का ही दाख़िला संभव है। ठीक उसी तरह जिस तरह भारत में हर बच्चे का सबसे बड़ा सपना आईएएस बनना होता है। पिछले छह साल में निशान चहल भारतीय समुदाय के साथ-साथ दूसरे समुदायों के 500 से अधिक बच्चों कि निःशुल्क सेमिनारों एवं व्यक्तिगत तौर पर सब्जेक्ट काउंसिलिंग में मदद कर चुका है जिसमें बहुत से बच्चों को विषय चुनने में कोई दिक़्क़त नहीं आई और आज तक बहुत सारे बच्चे उसके परामर्श से लाभान्वित हो चुके हैं।चहल ने इस उपलब्धि के लिए जी-तोड़ मेहनत, ईमानदारी, परिवार का आपसी तालमेल और अपने लक्ष्य पर अड़िग रहना बताया। चहल की इस उपलब्धि पर सिटी ऑफ़ वेस्ट टोरेंस के मेयर माइकल कॉक्सन, काउंसिलर जॉर्ज डेमेट्रीयो, काउंसिलर लाना गैलोनेजी, एडिलेड से सांसद स्टीव जीओरजानास, रसेल वॉर्टली मेम्बर लेजिस्लेटिव काउंसिल, रिटाइर्ड राज्य सभा सदस्य लेफ्टिनेंट जनरल रिटायर्ड डॉ डीपी वत्स, आयुक्त जगदीप सिंह, जयवंती शयोकंद के साथ-साथ बहुत सारे गणमान्य हस्तियों ने शुभकामनाएं दी।

बिजली निगम की स्मार्ट मीटर योजना के खिलाफ प्रदर्शन करेंगे किसान

एजेंसी

हिसार। किसान सभा ने सरकार की स्मार्ट मीटर योजना के खिलाफ आंदोलन का ऐलान किया है। इसके तहत कई जिलों के किसान 18 दिसंबर को दक्षिण हरियाणा बिजली निगम के प्रबंध निदेशक कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन करेंगे।इस संबंध में किसान सभा की बैठक जिला प्रधान शमशेर सिंह नंबरदार की अध्यक्षता में हुई। बैठक में किसानों व मजदूरों के ज्वलंत मुद्दों पर चर्चा की गई। जिला प्रधान शमशेर सिंह नंबरदार ने कहा कि प्रदेश का किसान व मजदूर सरकार की नीतियों के कारण अत्यंत परेशान है। उन्होंने कहा कि सरकार स्मार्ट मीटर की योजना लेकर आई है, उसका 18 दिसंबर को दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम कार्यालय, विद्युत नगर के सामने रोष प्रदर्शन किया जाएगा व एमडी को ज्ञापन दिया जाएगा। इसकी तैयारी के लिए किसान सभा गांव-गांव जाकर प्रचार व प्रचार करेगी। प्रदर्शन में हिसार के अलावा सिरसा, जींद, भिवानी आदि के किसान भी शामिल होंगे। किसान नेता ने कहा कि किसानों के खिलाफ सांसद रामचंद्र जांगड़ा ने जो बयान दिया है, वह अशोभनीय है तथा वो भाजपा व आरएसएस की मानसिकता का परिचायक है। किसानों की बैठक में सांसद के बयान की कड़ी निंदा की गई। उन्होंने कहा कि रामचंद्र जांगड़ा को देश के किसानों से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने किसान नेता डल्लेवाल के आमरण अनशन पर बोलते हुए कहा कि सरकार को किसानों की बात को सुनना चाहिए। अगर उनकी समस्याओं को नहीं सुना गया तो किसान यहीं पर रुकने वाला नहीं है और भविष्य में बड़ा आंदोलन करने पर मजबूर होगा जिसका खामियाजा शासन और प्रशासन को भुगतना होगा। उन्होंने कहा कि नोएडा उत्तर प्रदेश का किसान अपने हकों के लिए लड़ाई लड़ रहा है और सरकार को उनकी जायज मांगों का तुरंत प्रभाव से निराकरण करना चाहिए। किसानों की बैठक में राम पूनिया, सतपाल शर्मा, सुबेर कश्यप, राजवीर, बिजेंद्र, ऋषिकेश, सुरेश, नीरज पूनिया, बलवान, विजेंद्र, हितेष, वजीर पूनिया आदि उपस्थित रहे।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

नयी दिल्ली । अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में घटबढ़ के बीच घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर सप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 1.53 प्रतिशत उबलकर 71.09 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया लेकिन इस दौरान लंदन ब्रेंट क्रूड 0.19 प्रतिशत उतरकर 74.35 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

रूस से कच्चे तेल का आयात ढाई साल के निचले स्तर पर

नई दिल्ली। छूट में कटौती के बाद भारत का रूस से कच्चे तेल का आयात नवंबर, 2024 में घटकर करीब ढाई साल के निचले स्तर पर आ गया। इसके बावजूद रूस अब भी भारत के लिए कच्चे तेल का सबसे बड़ा स्रोत बना हुआ है। इसके बाद इराक व सऊदी अरब का स्थान है। सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) ने रिपोर्ट में कहा, नवंबर में भारत के रूसी कच्चे तेल के आयात में 55त्न की भारी गिरावट आई। यह जून, 2022 के बाद का सबसे निचला स्तर है। रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले महीने चीन ने सबसे ज्यादा 47त्न कच्चा तेल रूस से खरीदा। उसके बाद भारत ने 37त्न कच्चे तेल का आयात किया। यूरोपीय संघ व तुर्किये ने क्रमशः 6-6 फीसदी कच्चे तेल की खरीदारी की। फरवरी, 2022 में यूक्रेन पर हमले के बाद भारत रूसी कच्चे तेल का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार बन गया। रूस से भारत की कच्चे तेल की खरीद एक फीसदी से कम होती थी, जो बढ़कर 40त्न पर पहुंच गई।

कोयला आयात में भी भारत नंबर दो...

नई दिल्ली। रिपोर्ट के मुताबिक, पांच दिसंबर, 2022 से नवंबर, 2024 के अंत तक रूस से कोयला खरीदने वाले शीर्ष-5 देशों में चीन सबसे आगे रहा। चीन ने रूस के सभी कोयला निर्यात का 46फीसदी हिस्सा खरीदा। उसके बाद भारत ने 17फीसदी कोयला आयात किया। तुर्किये ने 11फीसदी, दक्षिण कोरिया ने 10फीसदी और ताइवान ने 5फीसदी कोयले की खरीदारी की।

अटल पेंशन योजना में ग्राहकों की संख्या 7 करोड़ के पार

नई दिल्ली। अटल पेंशन योजना (एपीवाई) के लिए 2 दिसंबर तक 7.15 करोड़ से अधिक ग्राहक नामांकन करा चुके हैं। इस योजना को वित्त मंत्रालय ने हाल ही में मील का पत्थर घोषित किया था। कार्यक्रम की सफलता पर प्रकाश डालते हुए मंत्रालय ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, अटल पेंशन योजना 7 करोड़ से अधिक लाभार्थियों को सेवानिवृत्ति के बाद मन की शांति सुनिश्चित कर रही है।

कोयला आयात चार प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। देश का कोयला आयात चालू वित्त वर्ष के पहले सात माह (अप्रैल-अक्तूबर) के दौरान 4.2 फीसदी बढ़कर 16.24 करोड़ टन पर पहुंच गया है। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में कोयला आयात 15.58 करोड़ टन रहा था। बी2बी ई-कॉमर्स मंच एमजंक्शन सर्विसेज द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार, अक्तूबर में कोयला आयात 14.4 फीसदी घटकर 2.18 करोड़ टन रह गया, जो पिछले वित्त वर्ष के इसी महीने में 2.55 करोड़ टन रहा था।

हिंदुजा समूह जनवरी के अंत तक पूरा कर सकती है रिलायंस कैपिटल का अधिग्रहण

नई दिल्ली। हिंदुजा समूह की कंपनी आईआईएचएल को कर्ज में डूबी रिलायंस कैपिटल (आर-कैप) का अगले महीने तक अधिग्रहण पूरा कर सकती है। समूह का लक्ष्य अगले पांच साल में बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं और बीमा (बीएफएसआई) कारोबार को तीन गुना से अधिक बढ़ाकर 50 अरब डॉलर तक पहुंचाने का है। आईआईएचएल के चेयरमैन अशोक पी हिंदुजा की ओर से जारी बयान में कहा है कि, रिलायंस कैपिटल की समाधान प्रक्रिया से संबंधित अधिकांश स्वीकृतियां और प्रक्रियाएं पूरी हो चुकी हैं। प्रशासक और सीओसी की ओर से कुछ प्रक्रियाएं पूरी होनी बाकी हैं। उम्मीद है कि ये सभी अगले चार से छह सप्ताह में पूरी हो जाएंगी और जनवरी के अंत तक आर-कैप हिंदुजा समूह के अधीन आ जाएगी।

इस सप्ताह चार कंपनियों के आईपीओ खुलेंगे, 12 शेयरों की होगी लिस्टिंग

एजेंसी

नई दिल्ली। शुरू हो रहे नए कारोबारी सप्ताह में चार कंपनियां अपने आईपीओ के जरिए प्राइमरी मार्केट में दस्तक देने वाली हैं। इनमें से दो कंपनियां मेनबोर्ड सेगमेंट की हैं, जबकि दो कंपनियां एसएमई सेगमेंट की हैं। इसके अलावा पिछले सप्ताह 12 और 13 दिसंबर को लॉन्च हुए चार आईपीओ में भी निवेशक इस सप्ताह 16 और 17 दिसंबर तक बोली लगा सकेंगे। इस सप्ताह 12 कंपनियों के शेयर भी स्टॉक मार्केट में लिस्ट हो सकते हैं। सप्ताह के दूसरे कारोबार दिन 17 दिसंबर को एनएसीडीएसी इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड का 10.01 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलने वाला है। इस आईपीओ में 19 दिसंबर तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ

के तहत बोली लगाने के लिए 33 से 35 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 4,000 शेयर का है। कंपनी के शेयर 24 दिसंबर को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे।सप्ताह के तीसरे कारोबार के दिन 18 दिसंबर को आईडेंटिकल ब्रेन्स स्टूडियो का 19.95 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए ओपन होगा। इस आईपीओ की क्लोजिंग 20 दिसंबर को होगी?। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 51 से 54 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 2,000 शेयर का है। कंपनी के शेयर 26 दिसंबर को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे।सप्ताह के चौथे कारोबार के दिन 19 दिसंबर को ममता मशीनरी लिमिटेड का 179.39 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए ओपन होगा। इस आईपीओ की क्लोजिंग 23 दिसंबर को होगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 230 से 243 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 61 शेयर का है। कंपनी के शेयर 27 दिसंबर को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होंगे।इसी दिन ट्रांसरेल लाइटिंग लिमिटेड का 400 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। ये आईपीओ 23 दिसंबर को बंद होगा। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए अभी प्राइस बैंड और लॉट साइज तय नहीं किया गया है। कंपनी के शेयर 27 दिसंबर को ही बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होंगे। इस सप्ताह इन चार आईपीओ के अलावा पिछले सप्ताह 12 दिसंबर को सब्सक्रिप्शन के लिए खुले यश हाई वोल्टेज लिमिटेड और एनवेंचरस नॉलेज सॉल्यूशंस के आईपीओ में 16 दिसंबर तक बोली लगाई जा सकेगी।

विदेशी मुद्रा भंडार 3.24 अरब डॉलर की गिरावट लेकर 654.9 अरब डॉलर पर

एजेंसी

मुंबई। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति और स्वर्ण भंडार में गिरावट होने से 06 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 3.24 अरब डॉलर लुढ़ककर 654.9 अरब डॉलर पर आ गया।वहीं, इसके पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 1.5 अरब डॉलर के इजाफे के साथ 658.1 अरब डॉलर पर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 06 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 3.23 अरब डॉलर की गिरावट लेकर 565.6 अरब डॉलर पर आ गई। इसी तरह इस अवधि में स्वर्ण भंडार 4.3 करोड़ डॉलर गिरकर 66.9 अरब डॉलर रह गया। वहीं, आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) में 2.5 करोड़ डॉलर की बढ़ोतरी हुई

और यह बढ़कर 18 अरब डॉलर हो गया। इसी तरह इस अवधि में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि में 1.2 करोड़ डॉलर के इजाफे के साथ 4.3 अरब डॉलर पर पहुंच गई।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोने-चांदी की कीमत घटी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज मामूली गिरावट का रुख नजर आ रहा है। सोने के भाव में गिरावट आने से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 78,030 रुपये से लेकर 77,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 71,540 रुपये से लेकर 71,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोने की तरह ही चांदी के भाव में गिरावट आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत गिर कर 92,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 78,030 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,540 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,880 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,930 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 71,440 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 77,880 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 71,390 रुपये प्रति 10

ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 77,880 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 78,030 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 71,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 77,930 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 71,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 78,030 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना सस्ता हुआ है।

इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 77,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 71,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

सीआईएल का सीएसआर व्यय 10 वर्षों में 5,570 करोड़ रुपये के पार

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी (पीएसयू) कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने पिछले एक दशक में कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहलों पर 5,570 करोड़ रुपये खर्च किए हैं।

कोल इंडिया के चेयरमैन पी एम प्रसाद ने कोलकाता में तीसरा सीआईएल सीएसआर कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि कंपनी शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, कौशल विकास, खेल और महिला सशक्तीकरण पर ध्यान केंद्रित कर रही है। प्रसाद ने कहा कि सीआईएल सीएसआर गतिविधियों के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि पिछले दशक के दौरान अखिल भारतीय स्तर पर स्वास्थ्य और शिक्षा को केंद्र में रखते हुए 5,570 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। भारत के सीएसआर कानून और कोल इंडिया के सीएसआर के संस्थागत स्वरूप लेने के एक दशक पूरा होने पर आयोजित तीसरा सीआईएल सीएसआर कॉन्क्लेव का उद्घाटन पश्चिम बंगाल के राज्यपाल और कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. सी

वी आनंद बोस ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कोल इंडिया लिमिटेड की सीएसआर पहलों की सराहना की। सीआईएल की सामाजिक प्रतिबद्धता का जिक्र करते हुए बोस ने कहा कि हम एक परिवर्तनकारी युग में जी रहे हैं, हमें सीमाओं से परे देखना होगा जो संबंधों को बनाने के लिए आवश्यक है। इस अवसर पर कोयला मंत्रालय के सचिव और विशिष्ट अतिथि विक्रम देव दत्त ने कहा कि सीएसआर सीआईएल और उसकी सहायक कंपनियों के लिए विश्वास का एक अभिलेख है और जनवरी से शुरू होकर हर महीने थीम-आधारित सीएसआर होगा। वहीं, सीआईएल के निदेशक (कार्मिक) विनय रंजन ने कहा कि सीआईएल सीएसआर पर सूक्ष्मतम फोकस के लिए 2014 में सामुदायिक विकास कैडर शुरू करने वाला भारत का पहला सीपीएसई है।

मूंगफली तेल महंगा; दालें सस्ती

एजेंसी

नयी दिल्ली। विदेशी बाजारों में गिरावट आने के बावजूद स्थानीय स्तर पर मांग निकलने से से बीते सप्ताह दिल्ली थोक जिंस बाजार में मूंगफली तेल महंगा हो गया जबकि उठाव कमजोर रहने से दालें सस्ती हो गई वहीं अनाज और मीठे के भाव में मिलाजुला रुख रहा।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का दिसंबर वायदा सप्ताहांत पर 170 रिंगिट लुढ़ककर 5145 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। इसी तरह दिसंबर का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.31 सेंट की गिरावट के साथ 42.44 सेंट प्रति पौंड बोला गया।इस दौरान मूंगफली तेल 366 रुपये प्रति क्विंटल चढ़ गया। वहीं, सरसों तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे

पिछले दिवस के स्तर पर पड़े रहे।

सप्ताहांत पर सरसों तेल 17215 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल 19413 रुपये प्रति क्विंटल, सूरजमुखी तेल 15751 रुपये प्रति क्विंटल, सोया रिफाइंड 15531 रुपये प्रति क्विंटल, पाम ऑयल 13187 रुपये प्रति क्विंटल और वनस्पति तेल 16116 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा।

सरकार ने शुरू की 'जलवाहक' योजना, नदियों के जरिए होगी कार्गो की ढुलाई

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने अंतर्देशीय जलमार्गों के जरिए माल की आवाजाही को बढ़ावा देने के लिए 'जलवाहक' योजना की शुरुआत की है। केंद्रीय बंदरगाह, पोत-परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने तीन मालवाहक जहाजों को हरी झंडी दिखाकर इस सर्विस का उद्घाटन किया।

केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने तीन मालवाहक जहाजों की निर्धारित अनुसूचित सेवा का उद्घाटन के बाद कहा कि यह योजना राष्ट्रीय जलमार्ग-1 (गंगा), 2 (ब्रह्मपुत्र) और 16 (बराक नदी) पर टिकाऊ और लागत प्रभावी परिवहन को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इसके तहत पश्चिम बंगाल से लेकर पटना, बनारस और गुवाहाटी तक जलमार्ग के जरिए माल

की ढुलाई अब रेलवे की मालगाड़ी से भी सस्ती पड़ेगी। सोनोवाल ने कहा कि योजना का उद्देश्य अंतर्देशीय जलमार्गों की व्यापार क्षमता को खोलने के साथ-साथ रसद लागत को कम करना और सड़क और रेल नेटवर्क पर भीड़भाड़ कम करना है। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत जलमार्गों के जरिए 300 किलोमीटर से अधिक दूरी तक माल परिवहन करने वाले कार्गो मालिकों को परिचालन लागत पर 35 फीसदी तक की प्रतिपूर्ति मिलेगी। मंत्री ने कहा कि इस योजनाओं का उद्देश्य 95.4 करोड़ के निवेश के साथ 800 मिलियन टन किलोमीटर के मॉडल शिफ्ट को प्रोत्साहित करना है। इसके तहत पहला जहाज-एमवी त्रिशूल दो डंब बार्ज अजय और दीखू के साथ-1500 टन सीमेंट कोलकाता के जीआर जेट्टी से गुवाहाटी के पांडु तक आईबीपीआर के माध्यम से ले जा रहा है। दूसरा जहाज-एमवी एएआई-1000 टन जिप्सम को पटना ले जा रहा है, जबकि तीसरा जहाज-एमवी होमी भाभा -200 टन कोयला वाराणसी ले जा रहा है। पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि यह योजना तीन वर्षों तक वैध रहेगी। इस योजना को प्रमुख माल ढुलाई कंपनियों, माल ढुलाई प्रेषकों और व्यापार निकायों के लिए आपूर्ति श्रृंखलाओं को अनुकूलित करने के लिए तैयार किया गया है। मंत्रायल के मुताबिक इसको भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई) और भारतीय शिपिंग निगम की अनुषंगी कंपनी अंतर्देशीय और तटीय शिपिंग लिमिटेड (आईसीएसएल) द्वारा संयुक्त रूप से कार्यान्वित किया जाएगा।

साप्ताहिक शेयर समीक्षा: विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय बाजारों से 226.70 करोड़ रुपये की बिकवाली

एजेंसी

नई दिल्ली। मिले-जुले ग्लोबल संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजार लगातार चौथे हफ्ते साप्ताहिक आधार पर बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहा। पिछले सप्ताह में 5 दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 623.07 अंक यानी 0.76 प्रतिशत की बढ़त के साथ 82,133.12 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह निफ्टी भी साप्ताहिक आधार पर 90.50 अंक यानी 0.36 प्रतिशत की मजबूती के साथ 24,768.30 अंक के स्तर बंद हुआ। पिछले सप्ताह सोमवार से शुक्रवार तक के कारोबार में विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय बाजारों से 226.70 करोड़ रुपये की बिकवाली की। खरीद बिक्री मिलाकर विदेशी संस्थागत निवेशक दिसंबर के महीने में अभी तक कुल 11,706.89 करोड़ रुपये का कारोबार किया। दूसरी ओर, घरेलू संस्थागत निवेशकों ने पिछले सप्ताह के कारोबार के दौरान घरेलू शेयर बाजार में 2,880.02

करोड़ रुपये की खरीदारी की। इस सप्ताह की खरीदारी को मिलाकर दिसंबर के महीने में घरेलू संस्थागत निवेशक कुल 4,672.49 करोड़ रुपये की लिवाली कर चुके हैं। 9 दिसंबर से 13 दिसंबर के बीच कारोबार के दौरान लार्जकैप इंडेक्स 0.24 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इस इंडेक्स में शामिल एलटी माइंडट्री, जिंदल स्टील एंड पावर, भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस, बजाज होल्डिंग्स एंड इन्वेस्टमेंट, विप्रो और एचडीएफसी ऐसेट मैनेजमेंट कंपनी के शेयर लार्जकैप इंडेक्स के टॉप गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, लाइफ इंश्योरेंस कॉरपोरेशन आफ इंडिया, जोमैटो, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, आईडीबीआई बैंक, डिवीज लेबोरेट्रीज, इंडस टावर्स और एवेन्यू सुपरमार्ट्स लार्जकैप इंडेक्स के टॉप लूजर्स की सूची में शामिल हुए। बीएसई का मिडकैप इंडेक्स पिछले सप्ताह के कारोबार के बाद 0.20 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इस इंडेक्स में शामिल डेल्हीवेरी, क्लीन साइंस एंड टेक्नोलॉजी, क्रिसिल, मैक्स हेल्थकेयर इंस्टीट्यूट, निप्पोन लाइफ इंडिया ऐसेट मैनेजमेंट और मुथूट फाइनेंस के शेयर टॉप गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर इमामी, जी इंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज, बायोकॉन, गो डिजिट जनरल इंश्योरेंस, यूको बैंक, सन टीवी नेटवर्क, सोना बीएलडब्लू प्रेसीजन फोर्जिंग्स, कंसल नैरोलैक पेंट्स और कैस्ट्रॉल इंडिया के शेयर इस इंडेक्स के टॉप लूजर्स की सूची में शामिल हुए। लार्जकैप और मिडकैप इंडेक्स के विपरीत स्मॉल कैप इंडेक्स पिछले सप्ताह के कारोबार के बाद मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ। इस इंडेक्स में शामिल सेंटम इलेक्ट्रॉनिक्स, सनफ्लैग आयरन एंड स्टील कंपनी, गोकलदास एक्सपोर्ट्स, ग्रीव्स कॉटन, कीटेक्स गारमेंट्स, गुजरात इंडस्ट्रीज पावर, इंडो काउंट इंडस्ट्रीज, वैरोक इंजीनियरिंग, विधि स्पेशलिटी फूड इनग्रेडिएंट्स, कैटेबिल रिटेल इंडिया और परमानेंट मैग्नेट्स के शेयर टॉप गेनर्स की सूची में शामिल हुए।

केआईसीएल ने भारतीय बाजार में उतारा फ्रेंच ब्रांड किकर्स

एजेंसी

तिरुवनंतपुरम। कोठारी इंडस्ट्रियल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (केआईसीएल) ने भारतीय बाजार में प्रतिष्ठित प्रीमियम फ्रेंच ब्रांड किकर्स उतारने की घोषणा की है, जो पुरुषों और महिलाओं के लिए फुटवियर और एक्सेसरीज में उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध कराएगा। केआईसीएल के प्रबंध निदेशक डॉ. जे रफीक अहमद ने कहा, फुटवियर न केवल आपके पैरों को सुरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, बल्कि उन जटिलताओं से भी बचाते हैं जिनके लिए चिकित्सा उपचार की आवश्यकता हो सकती है क्योंकि अनगिनत रक्त वाहिकाएं और तंत्रिका अंत आपके पैरों को हृदय, मस्तिष्क और रीढ़ से जोड़ते हैं, इसलिए अपने पैरों के स्वास्थ्य की देखभाल करना जीवन की समग्र गुणवत्ता और

KICL
Kothari Industrial Corporation Limited

गतिशीलता को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाता है। श्री अहमद ने एक विज्ञप्ति में कहा कि भारत का पहला किकर्स स्टोर हाल ही में चेन्नई में खोला गया, इस अवसर पर पांडिचेरी और चेन्नई में फ्रांस के महावाणिज्यदूत एटिने रोलांड-पीग्यू और ब्यूरो डी फ्रांस के आर्थिक कूटनीति अधिकारी कार्ल बौलैंगर भी उपस्थित रहे।। केआईसीएल ने भारत और श्रीलंका, बांग्लादेश, मालदीव, भूटान, नेपाल, कतर, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और सऊदी अरब सहित अन्य देशों में प्रतिष्ठित किकर्स ब्रांडेड उत्पादों की बिक्री और विपणन के लिए फ्रांस स्थित रॉयर ग्रुप के साथ 30 साल का लाइसेंसिंग और वितरण समझौता किया है।

ग्लेनमार्क समेत कई भारतीय कंपनियों ने अमेरिका में वापस मंगाईं दवाएं

नई दिल्ली। दवा निर्माता अरबिंदो फार्मा, ग्लेनमार्क और जायडस ने उत्पादन संबंधी खामियों के कारण अमेरिकी बाजार से अपने उत्पादों को वापस मंगाया है। अमेरिकी खाद्य व औषधि प्रशासन (यूएसएफडीए) की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, हैदराबाद स्थित दवा निर्माता की अनुषंगी कंपनी अरबिंदो फार्मा यूएसए इंक सिनाकैल्सेट गोलियों की एक लाख से अधिक बोतलें वापस मंगा रही है।

अमेरिकी स्वास्थ्य नियामक ने कहा, न्यू जर्सी स्थित कंपनी ने उत्पाद को जीएमपी डेविएशनः एन-नाइट्रोसो सिनाकैल्सेट अशुद्धता की एफडीए के मानक से अधिक उपस्थिति के कारण वापस मंगाया है। सिनाकैल्सेट टैबलेट का इस्तेमाल हाइपरपैराथायरायडिज्म के इलाज के लिए किया जाता है। इसी तरह, ग्लेनमार्क फार्मास्यूटिकल्स की एक अमेरिकी अनुषंगी कंपनी अमेरिकी बाजार से डिल्टियाजेम हाइड्रोक्लोराइड कैप्सूल की लगभग 90,000 बोतलें वापस मंगा रही है। यूएसएफडीए ने कहा कि जायडस फार्मास्यूटिकल्स (यूएसए) इंक लेबलिंग त्रुटि के कारण विलंबित-रिलीज ओरल सस्पेंशन (40 मिलीग्राम) के लिए एसोमेप्राजोल मैग्नीशियम के 4,404 डिब्बे वापस बुला रहा है। इस दवा का उपयोग पेट की कुछ समस्याओं के इलाज के लिए किया जाता है। कंपनी ने 14 नवंबर को प्रभावित डिब्बों को देश भर में वापस मंगाने की पहल की थी।

टॉप 10 में शामिल पांच कंपनियों का मार्केट कैप 1.13 लाख करोड़ बढ़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में सोमवार से शुक्रवार के कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में से पांच कपनियों के मार्केट कैप में कुल 1,13,117.17 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। इस दौरान भारती एयरटेल के मार्केट कैप में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी हुई। वहीं टॉप 10 की शेष पांच कंपनियों के मार्केट कैप में कुल मिला कर 1,09,779.19 करोड़ रुपये की कमी हो गई। टॉप 10 में शामिल कंपनियों के मार्केट कैप की यह स्थिति तब हुई, जब पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान बीएसई का सेंसेक्स 623.07 अंक यानी 0.76 प्रतिशत और एनएसई का निफ्टी 90.50 अंक यानी 0.36 प्रतिशत मजबूत हो गया। बीते सप्ताह के दौरान भारती एयरटेल के अलावा टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और इंफोसिस के मार्केट कैप में बढ़ोतरी हुई। वहीं, रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी), आईटीसी और हिन्दुस्तान यूनिलीवर के वैल्यूशन में गिरावट आई। सोमवार से शुक्रवार के बीच हुए कारोबार के दौरान भारती एयरटेल का मार्केट कैप 47,836.60 करोड़ रुपये बढ़ कर 9,57,842.40 करोड़ रुपये के स्तर तक पहुंच गया। इसी तरह इंफोसिस का मार्केट कैप सोमवार से शुक्रवार तक हुए कारोबार के दौरान 31,826.97 करोड़ रुपये बढ़ कर 8,30,387.10 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसके अलावा एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 11,887.78 करोड़ रुपये बढ़ कर 14,31,158.06 करोड़ रुपये के स्तर पर, आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 11,760.80 करोड़ रुपये उछल कर 9,49,306.37 करोड़ रुपये के स्तर पर और टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 9,805.02 करोड़ रुपये बढ़ कर 16,18,587.63 करोड़ रुपये के स्तर तक पहुंच गया। दूसरी ओर, रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 52,031.98 करोड़ रुपये घट कर 17,23,144.70 करोड़ रुपये के स्तर तक गिर गया। इसी तरह भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का मार्केट कैप 32,067.73 करोड़ रुपये कम होकर 5,89,869.29 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसके अलावा हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 22,250.63 करोड़ रुपये घट कर 5,61,423.08 करोड़ रुपये के स्तर पर, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) का मार्केट कैप 2,052.66 करोड़ रुपये घट कर 7,69,034.51 करोड़ रुपये के स्तर पर और आईटीसी का मार्केट कैप 1,376.19 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 5,88,195.82 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया मार्केट कैप के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज 17,23,144.70 करोड़ रुपये के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) के साथ देश की सबसे अधिक मार्केट कैप वाली कंपनी रही। इसके बाद टीसीएस (कुल मार्केट कैप 16,18,587.63 करोड़ रुपये), एचडीएफसी बैंक (कुल मार्केट कैप 14,31,158.06 करोड़ रुपये), भारती एयरटेल (कुल मार्केट कैप 9,57,842.40 करोड़ रुपये), आईसीआईसीआई बैंक (कुल मार्केट कैप 9,49,306.37 करोड़ रुपये), इंफोसिस (कुल मार्केट कैप 8,30,387.10 करोड़ रुपये), स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (कुल मार्केट कैप 7,69,034.51 करोड़ रुपये), एलआईसी (कुल मार्केट कैप 5,89,869.29 करोड़ रुपये), आईटीसी (कुल मार्केट कैप 5,88,195.82 करोड़ रुपये) और हिंदुस्तान यूनिलीवर (कुल मार्केट कैप 5,61,423.08 करोड़ रुपये) के नाम सबसे मूल्यवान टॉप 10 कंपनियों के लिस्ट में दूसरे से दसवें स्थान पर बने रहे।

सर्दी में होने वाली इन दिक्कतों से बचाएंगे देसी घी के ये 5 नुस्खे

मौसम में बदलाव आते ही दादी-नानी शरीर को चुस्त-दुरुस्त रखने के लिए कई देसी नुस्खों का इस्तेमाल करने लगती थीं और सर्दी में खाने में देसी घी जरूर एड किया जाता था. क्या आपको पता है कि सर्दी की कितनी प्रॉब्लम से देसी घी आपको बचा सकता है.

दिसंबर के महीने की शुरुआत होते ही मौसम में ठंडक भी तेजी से बढ़ी है. जहां पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी हुई है तो इसी के साथ मैदानी इलाकों में गलन बढ़ने लगी है. ऐसे में इस दौरान शरीर को गर्म कपड़ों से ढककर रखना जरूरी है और अंदर से बॉडी को वार्म रखने के लिए भी हेल्दी फूड्स को डाइट में शामिल करने की जरूरत है. फिलहाल देसी घी एक ऐसा सुपरफूड है जो न सिर्फ खाने से फायदा होता है, बल्कि कई अलग-अलग प्रॉब्लम से देसी घी के नुस्खे आपको आराम दिला सकते हैं.

देसी घी एक ऐसा फैट है जो न्यूट्रिएंट्स से भी भरपूर होता है. इसमें विटामिन ए, डी और ई होते हैं. इसके अलावा देसी घी में ओमेगा 3 फैटी एसिड्स मेटाबॉलिज्म बूस्ट करने में मदद करते हैं. इसके सेवन से इंफ्लामेशन कम होता है और शरीर अंदर से गर्म रहता है. फिलहाल जान लेते हैं कि कैसे सर्दी में आपके काम आ सकता है देसी घी.

गले की खराश से राहत पाने के लिए देसी घी

सर्दी में खांसी और गले में खराश होना काफी आम समस्याओं में से एक है. इससे राहत पाने के लिए एक चम्मच देसी घी में आधा चम्मच सूखी अदरक का पाउडर, काली मिर्च का पाउडर मिलाकर इसे गुनगुने पानी से लें. इससे आपको काफी राहत महसूस होगी.

देसी घी करता है स्किन को मॉश्चराइज

देसी घी में विटामिन और फैटी एसिड्स पाए जाते हैं जो सेहत के साथ ही स्किन के लिए भी फायदेमंद हैं. बहुत सारे लोगों को सर्द हवाएं चलते ही ड्राई स्किन की प्रॉब्लम होने लगती है. इसके लिए त्वचा पर डायरेक्ट देसी घी लगाया जा सकता है या फिर फूल की थाली में घी लेकर उसमें थोड़ा सा पानी डालें और इसे फेंटना शुरु करें. धीरे-धीरे घी बिल्कुल क्रीम के टेक्सचर में आने लगेगा. इसे अपनी त्वचा पर लगाने से ड्राई स्किन की प्रॉब्लम खत्म होगी. चाहे तो इसमें दो से तीन बूंद एसेंशियल ऑयल की बूंदे खुशबू के लिए डाल सकते हैं.

जोड़ों और मांसपेशियों के दर्द से मिलेगी राहत

देसी घी में एंटी-इंफ्लामेटरी प्रॉप्रर्टीज होती हैं, इसके सेवन से तो हड्डियों और मांसपेशियों को फायदा होता ही है. इसके अलावा जॉइंट और मसल्स की स्टिफनेस कम करने के लिए एक चम्मच घी में अदर का पाउडर और अजवायन डालें. इसे गर्म करें और गुनगुना रह जाने के बाद अप्लाई करके मसाज करें.

साइनस से दिलाता है राहत

जिन लोगों को साइनस होता है उनको सर्दी के दिनों में काफी दिक्कत होने लगती है, क्योंकि ठंडक की वजह से ये समस्या ट्रिगर हो जाती है. नेजल को क्लियर करने के लिए गुनगुने देसी घी की एक दो बूंदें अपनी नाक में डालें. इससे सिरदर्द से भी राहत मिलती है.

नींद में सुधार करेगा देसी घी

सर्दी के दिनों में कुछ लोगों को उदासी, मूड खराब होना, स्ट्रेस बढ़ जाना जैसी दिक्कतों की वजह से नींद आने में दिक्कत होने लगती है. ऐसे में गुनगुने देसी घी से अपने पैर के तलवों की मालिश करने से काफी आराम मिलता है. इसके अलावा देसी घी को दूध के साथ लिया जा सकता है. हालांकि जिनका पाचन कमजोर है वह इससे बचें. इस तरह से एक देसी घी कई कामों में आता है.

पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम, 1991 के कट ऑफ डेट पर उठते हुए सवालों का जवाब आखिर कौन देगा?

क्या आपको पता है कि प्रथम मुस्लिम आक्रांता मुहम्मद बिन कासिम ने 712 ई में भारत के सिंध प्रांत पर आक्रमण किया और काफी उत्पात मचाया। उसके बाद उसके अनुयायी यानी मुस्लिम आक्रमणकारी अपनी सुविधा के अनुसार भारत पर आक्रमण करते हुए आए, यहां के समृद्ध मंदिरों व बाजारों सहित प्रमुख जगहों पर लूटपाट मचाई और अपने भरोसेमंद लोगों के हाथों में यहाँ की सत्ता सौंप कर फिर वापस चले गए। जबकि बाद के इस्लामिक आक्रमणकारियों ने तो यही अपना डेरा जमा लिया और हमारी संस्कृति को तहस-नहस करने पर आमादा दिखे।

बस 1 महीने में उगाएं नए बाल, कोई केमिकल नहीं, एकदम नैचुरल उपाय

और जानें

फलस्वरूप लगभग 500 वर्षों के बाद 12वीं सदी तक भारत पूर्ण रूप से मुस्लिम राजाओं का गुलाम बन गया। उसके बाद तो यहाँ धार्मिक उत्पीड़न और धर्मांतरण का खुला खेल फरूखाबादी चलने लगा। काल प्रवाह वश विभिन्न हिन्दू मंदिर को तोड़कर मस्जिदों में बदल दिया गया। ऐसे में मुस्लिम और ब्रिटिश गुलामी से मुक्त हुए भारत और अपने हिस्से का भूखंड लेकर पाकिस्तान चले गए मुसलमानों से इतर सन 1947 में भारत को हिन्दू राष्ट्र घोषित किया जाता और अतिक्रमित मंदिरों के जीर्णोद्धार का अभियान चलाया जाता। लेकिन हुआ इसके बिल्कुल उल्टा ! कारण नेहरू और इंदिरा सरकार की गलत और अप्रासंगिक नीतियां, जो बाद में उनके उत्तराधिकारियों ने भी जारी रखी।वह यह कि अल्पसंख्यक तुष्टीकरण की राजनीति वश कांग्रेस ने देश को धर्मनिरपेक्ष घोषित कर दिया और अल्पसंख्यक हितों को संरक्षित करने वाली कानून बनाने लगी। इससे ज्यादातर हिन्दू ठगे रह गए। उसके साथ ही सांप्रदायिक दंगे आसेतु हिमालय की नियति बन गई। सन 1947, इससे पहले और बाद के सांप्रदायिक दगों का चरित्र एक रहा और प्रशासनिक नीतियों का असमंजस भी। इसी ऊहापोह के बीच हिंदुओं में उपजी मंदिरों के वापसी की आकांक्षाओं ने उन्हें एकजूट कर दिया, जिसको कुचलने के लिए तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने प्लेसेज़ ऑफ़ वर्शिप (स्पेशल प्रोविज़न) एक्ट, 1991 या उपासना स?थल (विशेष उपबंध) अधिनियम, 1991 को लागू किया गया। बता दें कि यह भारत की संसद का एक अधिनियम है, जिसको 18 सितंबर, 1991 को पारित किया गया। यह अधिनियम 15 अगस्त 1947 तक अस्तित्व में आए हुए किसी भी धर्म के पूजा स्थल को एक आस्था से दूसरे धर्म में परिवर्तित करने पर और किसी भी स्मारक के धार्मिक आधार पर रखरखाव पर रोक लगाता है। इससे लगभग 1800 उन हिन्दू मंदिरों के जीर्णोद्धार का सवाल दम तोड़ गया, जिसकी कब्र पर आज मस्जिदें लहलहा रही हैं। वहीं, मान्यता प्राप्त प्राचीन स्मारकों पर उक्त कानून की धाराएं लागू नहीं होंगी। लिहाजा, अब इसी कट ऑफ डेट पर सवाल उठ रहा है।

हिंदुओं का सवाल यह कि कट ऑफ डेट 15 अगस्त 1947 ही क्यों? प्रथम मुस्लिम आक्रांता से जुड़ा वर्ष 712 ईस्वी क्यों नहीं? या फिर लगभग 1200 ई क्यों नहीं, जब दिल्ली सल्तनत अपनी पूरी हिन्दू विरोधी फितरत में दिखाई पड़ती थी? क्या सनातन भूमि को %इस्लामिक भूमि% में तब्दील करने में हमारी संसद भी सिर्फ इसलिए दिलचस्पी लेने लगी, ताकि नेहरू-गांधी परिवार विशेष को खुश रखा जा सके।वहीं, सत्ता की गरज से आरएसएस भी वही भाषा बोल रहा है और कह रहा है कि सभी मस्जिदों में शिवलिंग खोजना गलत है। इससे बीजेपी को सियासी सहूलियत मिल रही है।लेकिन मूल मुद्दे से लोगों का ध्यान भटकाया जा रहा है। यदि आप कुछ पुस्तक और वेबसाइट पर नजर डालेंगे तो हिन्दू मंदिरों की अकाल मौत पर तथ्यात्मक विवरण उपलब्ध है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, वर्ष 1990 में इतिहासकार सीता राम गोयल ने अन्य लेखकों अरुण शौरी, हर्ष नारायण, जय दुबाशी और राम स्वरूप के साथ मिलकर 'हिंदू टेम्पल- व्हाट हैपन्ड टू देम' (Hindu Temples: What Happened To Them) नामक दो खंडों की किताब प्रकाशित की थी। उसमें गोयल ने 1800 से अधिक मुस्लिमों द्वारा बनाई गई इमारतों, मस्जिदों और विवादित ढाँचों का पता लगाया था, जो मौजूदा मंदिरों/या नष्ट किए गए मंदिरों की सामग्री का इस्तेमाल करके बनाए गए थे। कुतुब मीनार से लेकर विवादास्पद बाबरी मस्जिद, ज्ञानवापी विवादित ढाँचे, पिंजौर गार्डन और अन्य कई का उल्लेख इस किताब में मिलता है। इससे बाबरी मस्जिद मामले में ही हिंदुओं को न्यायालय के द्वारा न्याय मिली है, जबकि अन्य सारे सवाल अनुत्तरित हैं! इससे संसदीय भूमिका भी जनमानस के कठघरे में खड़ी है।हैरत की बात यह है कि इस अधिनियम से उत्तर प्रदेश राज्य के अयोध्या में स्थित राम जन्म भूमि-बाबरी मस्जिद और उक्त स्थान या पूजा स्थल से संबंधित किसी भी वाद, अपील या अन्य कार्यवाही को तो मुक्त कर दिया गया था, जिसके लिए यह अधिनियम लागू नहीं होता है। हालांकि, वहां आया न्यायसम्मत आदेश हिंदुओं के पक्ष में आया और अब वहां भव्य राम मंदिर का निर्माण किया जा चुका है। लेकिन अब काशी, मथुरा, संभल, अजमेर शरीफ समेत उन लगभग 1800 अतिक्रमित मंदिरों पर अतिक्रमित मस्जिद को वैधता प्रदान कर दी गई, जो हिन्दू आस्था से खिलवाड़ नहीं तो क्या है? इसलिए इस पर सवाल उठना लाजिमी है।

इस अधिनियम ने स्पष्ट रूप से अयोध्या विवाद से संबंधित घटनाओं को वापस करने की अक्षमता को स्वीकार किया था। ध्यान रहे कि कथित बाबरी संरचना को ध्वस्त करने से पहले 1991 में तत्कालीन कांग्रेसी प्रधानमंत्री पी? वी? नरसिम्हा राव द्वारा उपर्युक्त कानून लाया गया था। जो जम्मू और कश्मीर राज्य को छोड़कर पूरे भारत में फैला हुआ है। हालांकि, किसी राज्य के लिए लागू होने वाले किसी भी कानून को वहां की विधानसभा द्वारा अनुमोदित किया जाना चाहिए। लेकिन सवाल फिर वही कि तब मुस्लिम बहुल राज्य जम्मू-कश्मीर को इससे छूट क्यों दी गई थी?बता दें कि उपासना स?थल (विशेष उपबंध) अधिनियम, 1991 ने कहा कि सभी प्रावधान 11 जुलाई, 1991 को लागू होंगे। वहीं, धारा 3, 6 और 8 तुरंत लागू होंगे। धारा 3 में पूजा स्थलों का रूपांतरण भी होता है। 1991 के इस अधिनियम के तहत अपराध एक जेल की अवधि के साथ दंडनीय हैं जो तीन साल तक की सजा के साथ-साथ जुर्माना भी हो सकता है। वहीं, अपराध को जनप्रतिनिधित्व कानून, 1951 की धारा 8 (खंड ÷ज÷ के रूप में) में शामिल किया जाएगा, जिसके तहत चुनाव में उम्मीदवारों को अयोग्य ठहराने के उद्देश्य से उन्हें अधिनियम के तहत दो साल या उससे अधिक की सजा सुनाई जानी चाहिए।

समझा जाता है कि पूजा स्थलों के परिवर्तन के संबंध में समय-समय पर उत्पन्न होने वाले विवादों को देखते हुए, यह महसूस किया गया है कि ऐसे परिवर्तन पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। वहीं,15 अगस्त, 1947 को अस्तित्व में रहे किसी पूजा स्थल के संबंध में किसी विवाद को समाप्त करने के लिए, ऐसे पूजा स्थल के धार्मिक चरित्र को बनाए रखने के लिए प्रावधान करना आवश्यक समझा जाता है, जैसा कि वह 15 अगस्त, 1947 को अस्तित्व में था।

इसके परिणामस्वरूप, ऐसे किसी भी पूजा स्थल के संबंध में 11 जुलाई, 1991 तक लंबित सभी मुकदमे या अन्य कार्यवाहियां समाप्त हो जाएंगी तथा आगे के मुकदमों या अन्य कार्यवाहियों पर रोक लगाई जा सकेगी। तथापि, चूंकि सामान्यतः राम जन्म भूमि-बाबरी मस्जिद कहे जाने वाले स्थान से संबंधित मामला अपने आप में एक वर्ग है, इसलिए इसे इस अधिनियम के प्रभाव से पूर्णतः छूट देना आवश्यक हो गया है।इसके अतिरिक्त, सांप्रदायिक सद्भाव और शांति बनाए रखने के लिए, 15 अगस्त, 1947 और 11 जुलाई, 1991 के बीच न्यायालयों, न्यायाधिकरणों या अन्य प्राधिकारियों द्वारा विनिश्चित किए गए मामले, या पक्षों द्वारा आपस में या सहमति से निपटाए गए मामले भी इस अधिनियम के प्रभाव से मुक्त हैं। वहीं, 11 जुलाई, 1991 को अधिनियम की प्रारंभ तिथि के रूप में प्रस्तावित किया गया है, क्योंकि उसी दिन राष्ट्रपति ने संसद को संबोधित करते हुए ऐसी घोषणा की थी। इस विधेयक का उद्देश्य उपर्युक्त उद्देश्यों को प्राप्त करना है।इसमें पूजा स्थल का तात्पर्य मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा, चर्च, मठ या किसी भी धार्मिक संप्रदाय या उसके किसी भी अनुभाग का सार्वजनिक धार्मिक पूजा स्थल है, चाहे उसे किसी भी नाम से पुकारा जाए। वहीं, कोई भी व्यक्ति किसी धार्मिक संप्रदाय या उसके किसी खंड के पूजा स्थल को उसी धार्मिक संप्रदाय के किसी भिन्न खंड या किसी भिन्न धार्मिक संप्रदाय या उसके किसी खंड के पूजा स्थल में परिवर्तित नहीं करेगा।

वहीं, कुछ पूजा स्थलों के धार्मिक चरित्र तथा न्यायालयों के अधिकार क्षेत्र के निषेध आदि के संबंध में इसके द्वारा यह घोषित किया जा चुका है कि 15 अगस्त, 1947 को विद्यमान पूजा स्थल का धार्मिक स्वरूप वैसा ही बना रहेगा जैसा वह उस दिन था। वहीं, यदि इस अधिनियम के प्रारंभ पर 15 अगस्त, 1947 को विद्यमान किसी पूजा स्थल के धार्मिक स्वरूप के परिवर्तन के संबंध में कोई वाद, अपील या अन्य कार्यवाही किसी न्यायालय, न्यायाधिकरण या अन्य प्राधिकरण के समक्ष लंबित है,

संपादकीय

सुविधा की निकासी

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन यानी ईपीएफओ ने अपने खाताधारकों को अगले साल से सीधे एटीएम से पैसा निकालने की सुविधा देने का फैसला किया है। अब तक विभागीय जटिल प्रक्रिया व लालफीताशाही के चलते कर्मचारियों को जरूरत पड़ने पर अपना ही पैसा निकालने के लिये दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ते थे। कुल मिलाकर धन निकासी में विभागीय हस्तक्षेप कम करने का प्रयास किया गया है। निश्चित रूप से श्रम मंत्रालय की यह पहल सामाजिक सुरक्षा को सरल बनाने की दिशा में एक बड़ा बदलावकारी कदम है। यह कदम दक्षता सुधार व कर्मचारियों की अपने पैसे तक पहुंच बढ़ाने के लिये सार्वजनिक सेवा के साथ प्रौद्योगिकी के एकीकरण का अच्छा उदाहरण है। दरअसल, फिलहाल ईपीएफओ की निकासी प्रक्रिया में देरी के कारण खाताधारकों को लंबा इंतजार करना पड़ता है। काफी समय के बाद जरूरतमंदों के खाते तक जरूरी राशि पहुंच पाती है। निश्चय ही पीएफ निकासी कार्ड का उद्देश्य उस लालफीताशाही को दूर करना है, जिसके चलते कर्मचारियों को पैसा समय पर मिल पाएगा। वैसे कुल राशि का पचास फीसदी निकासी सीमा तय करना, वित्तीय अनुशासन सुनिश्चित करने तथा दीर्घकालीन बचत सुरक्षा को बढ़ावा देना वाला कदम ही है। इसके अलावा भी ईपीएफओ अपने व्यापक एजेंडे के साथ आगे बढ़ रहा है, जिसमें योगदान की सीमा बढ़ाना, भविष्य निधि बचत को पेंशन के रूप में परिवर्तित करना भी शामिल है। निश्चित रूप से यह पहल सामाजिक सुरक्षा प्रणाली को आधुनिक बनाने की सरकार की प्रतिबद्धता को ही उजागर करती है। जिसका मकसद अपने कार्यबल के लिये डिजिटलीकरण को बढ़ाना तथा जीवनयापन को आसान बनाना भी है। यह सुखद ही है कि वर्ष 2017 के बाद ईपीएफओ के सत्तर मिलियन सदस्य बढ़े हैं। उल्लेखनीय है कि इस नई सुविधा के लिये संगठन ने अपने खाताधारकों को एक विशेष पीएफ कार्ड देने का निर्णय लिया है। जो बैंक के एटीएम कार्ड की तरह काम करेगा।बहरहाल, खाताधारक अगले साल जनवरी से अपने कार्ड के जरिये अपने खातों से सीधा पैसा निकाल सकेंगे। निस्संदेह, अब खाताधारकों के लिये पीएफ क्लेम करना और आसान हो जाएगा। वहीं एटीएम से पैसा निकालने की सुविधा के बाद इसमें मानवीय हस्तक्षेप हो जाएगा। लेकिन एक बार में खाताधारक पीएफ बैलेंस का अधिकतम पचास फीसदी धन ही निकाल पाएंगे। विभाग का कहना है कि आईटी सिस्टम को उन्नत किया जा रहा है ताकि क्लेम प्रक्रिया को आसान व तेज बनाया जा सके। अब खाताधारकों को ईपीएफओ ऑफिस जाने अथवा लंबी प्रक्रिया से गुजरने की जरूरत नहीं होगी। उपभोक्ता चौबीस घंटे, यहां तक कि छुट्टियों में भी पैसा निकाल सकेंगे। जिससे आपातकालीन जरूरतों को पूरा किया जा सकेगा। हालांकि, फिलहाल भी विशेष परिस्थितियों मसलन घर खरीदने, बच्चों की पढ़ाई, शादी व बीमारी पर एक निश्चित रकम निकालने का प्रावधान है। उसमें भी नौकरी की कार्यावधि तथा धन की निर्धारित रकम तक की सुविधा ही शामिल है। ऐसे ही सेवानिवृत्ति से कुछ समय पहले तक एक बड़ी रकम निकालने की सुविधा भी शामिल है। दरअसल, केंद्र सरकार अपने सामाजिक दायित्व को विस्तार देने के क्रम में कई महत्वपूर्ण योजनाओं पर काम कर रही है। जिसमें सरकार गिग व प्लेटफॉर्म वर्कर्स को सामाजिक सुरक्षा देने के मकसद से इन कामगारों को चिकित्सा संरक्षण, डिसएबिलिटी सपोर्ट और पीएफ सुविधाएं देना शामिल है। फिलहाल इन्हें परंपरागत कर्मचारी व्यवस्था के लाभ नहीं मिल रहे हैं। इस तरह ईपीएफओ अपने सक्रिय सदस्यों की सुविधाओं को आधुनिक बनाने की दिशा में बढ़ी है। मकसद यही है कि उन्हें अधिक सुविधाएं दे सके। निश्चित रूप से हमारे श्रम बाजार को औपचारिक बनाने, भविष्य की चुनौतियों का मुकाबला करने तथा सामाजिक सुरक्षा के मद्देनजर इस कार्यबल को मेडिकल कवर व वित्तीय सहायता देना न्यायसंगत ही होगा। सरकार की पहल प्रौद्योगिकी संचालित सामाजिक कल्याण ढांचे में बदलाव की ओर संकेत देती है। इससे व्यवस्था परिचालन की विसंगतियों को दूर करते हुए नागरिक केंद्रित सेवाओं में सुधार के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का भी पता चलता है।

बांग्लादेश मामले में कूटनीति व राजनीति पर एक कदम आगे निकली ममता बनर्जी

भारत हमेशा से विश्व में शांति का प्रतीक रहा है। ममता बनर्जी ने कहा कि इस समय बांग्लादेश में टकराव का माहौल बन गया है। इसे निपटाने के लिए अंतरिम युनुस सरकार नाकाम नजर आती है। ऐसे में शांति सेना भेजकर वहां पर शांति स्थापित की जाए।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर केंद्र की भाजपा नीत सरकार के द्वारा अल्पसंख्यकों को लेकर तुष्टीकरण से लेकर बंगाल में बांग्लादेशियों को शरण देने का आरोप लगाया जाता रहा है। लेकिन इन दिनों बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर लगातार अत्याचार हो रहे हैं और मीडिया में उक्त खबरें हर रोज आ रही है। ऐसे में भले ही देश के पीएम नरेंद्र मोदी का उक्त मुद्दे पर कोई बयान नहीं आया है लेकिन ममता बनर्जी ने सशक्त तौर पर इस अंतरराष्ट्रीय मुद्दे को उठाया है और बांग्लादेश की मोहम्मद यूनुस सरकार को नाकाम तक करार दिया है। ममता बनर्जी ने बांग्लादेश से उपजे एक बयान का जवाब देते हुए साफ कहा कि, अगर वह लोग बिहार, बंगाल ओडिशा जैसे हमारे देश के राज्यों पर कब्जे की बात करेंगे तो वह बैठकर लॉलीपॉप नहीं चूसेगी। साथ ही मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बेहद गंभीर और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर बात कही। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आज राज्य विधानसभा में कहा कि, बांग्लादेश के हालात पर यूएन हस्तक्षेप करे और वहां विशेष शांति सेना भेजे।

भारत हमेशा से विश्व में शांति का प्रतीक रहा है। ममता बनर्जी ने कहा कि इस समय बांग्लादेश में टकराव का माहौल बन गया है। इसे निपटाने के लिए अंतरिम युनुस सरकार नाकाम नजर आती है। ऐसे में शांति सेना भेजकर वहां पर शांति स्थापित की जाए। ममता बनर्जी ने उक्त अंतरराष्ट्रीय मुद्दे पर मोदी सरकार के साथ खड़े होने की बात करते हुए यह साबित कर दिया है कि वह राजनीति से लेकर कूटनीति के मामलों में एक सफल नेता हैं और उन्हें पता है कि कब क्या करना चाहिए। साथ ही तृणमूल प्रमुख ने समाज को यह भी संदेश दिया कि, कुछ लोग आपसी सद्भावना को खराब कर सकते हैं ऐसे में शांति और सूझबूझ से काम लेना चाहिए। देखा जाए तो बांग्लादेश के मामले पर मोदी सरकार से हिंदू समाज जिस तरह की प्रतिक्रिया की उम्मीद कर रहा था वह नहीं दिखा। यह अलग बात है कि पीएम भले ही सामने नहीं आए हों लेकिन केन्द्र ने बंग्लादेश को संकेत में बता दिया है कि मामले पर भारत की आंखें बंद नहीं है। जबकि आरएसएस ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमलों को लेकर चिंता जाहिर की है। साथ केंद्र सरकार से सख्त कदम उठाने की अपील की है। कांग्रेस ने भी मुद्दे पर अपना पक्ष सामने रख दिया है। लेकिन देखा जाए तो बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमलों को लेकर बंगाल की सीएम ममता बनर्जी राजनीति से लेकर कूटनीति के मामलों में एक कदम आगे निकल गई है।

मता बनर्जी जब सांसद थी तब भी बंगाल में वाममोर्चा के शासन के दौरान बंगाल में अवैध बांग्लादेशियों का मुद्दा उठा चुकी है। लेकिन ममता बनर्जी की सरकार बनने के बाद भी बंगाल में अवैध बांग्लादेशियों का मुद्दा उठता रहा है। वैसे देखा जाए तो भाजपा के केन्द्रीय नेताओं के मुकाबले में बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर लगातार अत्याचार के मामले पर बंगाल भाजपा के नेता भी लगभग मौन ही है। लेकिन बंगाल में नेता प्रतिपक्ष व भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी जोरदार तौर पर उक्त मामले पर विरोध व्यक्त कर रहें हैं और बांग्लादेश को चेता भी रहे है। हलांकि अब जाकर बांग्लादेश ने यह माना कि शेख हसीना सरकार के अपदस्थ होने के बाद देश में अल्पसंख्यकों विशेषकर हिंदुओं पर हिंसा की 88 घटनाएं हुई हैं। अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस के प्रेस सचिव शफीकुल आलम ने कहा कि, इन घटनाओं में 70 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पांच अगस्त से 22 अक्टूबर के दौरान अल्पसंख्यकों से संबंधित घटनाओं को लेकर कुल 88 मामले दर्ज किए गए। उन्होंने कहा कि मामलें और गिरफ्तारियां और बढ़ सकती है, क्योंकि कई क्षेत्रों में हिंसा की नई घटनाएं सामने आई हैं। देखा जाए तो दरअसल, बांग्लादेश में हो रहे अल्पसंख्य हिन्दू उत्पीड़न कोई नई बात नहीं हैं। वहां कोई भी सरकार हो निशाने पर हिन्दू महेशा रहे है।

बात बांग्लादेश में तत्कालीन घटना की करें तो इस्कॉन के संन्यासी चिन्मय कृष्ण दास के गिरफ्तारी से शुरु हुई। पहले इन्हें राष्ट्रद्रोह के आरोप मे फिर इनके सहयोगियों को हिरासत में लिया गया है। यहां तक कि जेल में इन साधुओं को बाहर से भोजन उपलब्ध कराने के नाते भी गिरफ्तारियां हुई है, क्योंकि अपने भोजन संबंधित नियमों के नाते ये कुछ भी और कही का भी खाना नहीं खा सकते हैं। फिर जब हिन्दू समाज ने विरोध शुरु किया तो उनके उपर हमलें शुरु हो गए और हिंदू समुदाय को आज वहां यातना झेलनी पड़ रही है। बहरहाल दो देशों को सामने रख कर अगर सरल शब्दों में राजनीति व कूटनीति की बात करे तो कहा जा सकता है कि राजनीति में कब क्या बदल जाए कोई कह नहीं सकता। यहां कुछ भी दावे के साथ स्थायी नहीं होता है। लेकिन कूटनीति की बात करे तो कहा जा सकता है कि जब बात देश व उससे जुड़े लोग और मुद्दों की बात हो तो वहां राजनीति नहीं की जा सकती बरन वहां कूटनीति ज्यादतर कारगर होती है। देखा जाए तो उपरोक्त मुद्दे पर ममता बनर्जी एक कदम आगे निकली दिख रहीं है।

पंचतत्वों पर आधारित खानपान रखे स्वस्थ

पंचतत्व अर्थात् पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश। हमें अपने खानपान में प्रतिदिन इन पांचों तत्वों का भी सेवन करना चाहिए। ऐसा होने पर हम अधिकाधिक स्वस्थ व सक्रिय रह सकेंगे।

वायु - सांस के माध्यम से हर प्राणी वायु ग्रहण करता है। बाकी तत्वों को कुछ समय या कुछ दिन के लिए छोड़ा जा सकता है, पर वायु को नहीं। जो लोग अनशन या उपवास करते हैं, वे भी अन्न, फल, सब्जी या जल आदि छोड़ देते हैं, पर वायुसेवन नहीं। एक समय आहार लेने वाले संन्यासी भी वायुसेवन तो प्रतिक्षण करते ही हैं। अर्थात् पंचतत्व में से वायु प्राणियों के लिए सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है।

यह वायु व्यक्ति को शुद्ध एवं प्राकृतिक रूप में पर्याप्त मात्रा में मिले, यह भी आवश्यक है। जो लोग बड़े शहरों में या उद्योगों के पास रहते हैं, उन्हें शुद्ध वायु नहीं मिल पाती। इसीलिए इन दिनों नये-नये रोग लगातार बढ़ रहे हैं। अब तो बड़े नगरों में शुद्ध ऑक्सीजन के बूथ खुलने लगे हैं, जहां पैसे देकर व्यक्ति दस-पन्द्रह मिनट शुद्ध प्राणवायु ले सकता है। जैसे आजकल हर व्यक्ति अपने साथ साफ पानी की बोतल रखने लगा है, लगता है कुछ समय बाद लोग प्राणवायु के छोटे सिलेंडर भी साथ लेकर चला करेंगे। ताजी और शुद्ध प्राणवायु प्राप्त करने की निःशुल्क विधि प्रातःकालीन भ्रमण है। सूर्योदय होने पर पेड़ों द्वारा रात में उत्सर्जित कार्बन डायआक्साइड वायुमंडल में चली जाती है। ऐसे शीतल और शांत वातावरण में अकेले या सपरिवार घूमना शुद्ध वायु ग्रहण करने का सबसे सरल उपाय है।

केवल घूमना ही नहीं, तो इस समय कुछ आसन, व्यायाम और प्राणायाम करना भी बहुत लाभदायक है। सुबह की ही तरह शाम का भ्रमण भी बहुत लाभकारी है। इन दोनों समय पर दिन और रात का मिलन होता है। इसके सदुपयोग से हम अपने शरीर तथा मन को स्वस्थ रख सकते हैं। बच्चों और युवाओं को तो शाम के समय पढ़ने की बजाय खेलना ही चाहिए।

चाहे कोई स्वयं वाहन न चलाता हो, पर प्रदूषित वायु सेवन करना तो उसकी भी मजबूरी ही है। इसलिए जहां सार्वजनिक यातायात व्यवस्था का बहुत अच्छा होना जरूरी है, वहां दस-बीस कदम जाने के लिए वाहन निकालने की आदत भी छोड़नी होगी। पेड़ों को कटने से बचाकर तथा परिवार के हर सदस्य के नाम पर एक पेड़ लगाकर हम प्रदूषण नियंत्रण में सहयोग दे सकते हैं।

जल- वायु की ही तरह जल भी व्यक्ति की प्राथमिक आवश्यकता है। किसी समय बहता पानी निर्मला कहकर नदियों का जल सर्वाधिक शुद्ध माना जाता था, पर अब नगरों के सीवर, कारखानों के अपशिष्ट, समय-समय उसमें विसर्जित की जाने वाली रासायनिक रंगों से पुती मूर्तियों तथा अन्य कूड़े करकट के कारण नदियां आचमन योग्य भी नहीं रह गयी हैं। अब तो सब जगह कुछ घंटों के लिए सरकारी पानी मिलता है। वह कितना शुद्ध होता है, कहना कठिन है। पानी साफ और भरपूर मिले, इसके लिए निजी बोरिंग कराने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। जिनके लिए यह संभव नहीं है, उन्होंने भी घरों में फिल्टर लगा लिये हैं। इनसे एक लीटर पानी साफ होने के चक्कर में चार लीटर पानी नाली में बह जाता है। शहरीकरण का अर्थ ही है, बिजली और पानी का अत्यधिक प्रयोग। अतः जल का स्तर लगातार नीचे जा रहा है।

विद्वानों का मत है कि अगला विश्व युद्ध जल के कारण होगा। इसका सत्य तो भविष्य बताएगा पर नलों पर हर दिन डिब्बे और कनस्तर लिये लोगों को झगड़ते हुए कोई भी देख सकता है। मंगल आदि ग्रहों पर जाने वाले यान भी वहां सबसे पहले पानी की ही तलाश कर रहे हैं। इसके बाद भी लोगों का ध्यान इस ओर नहीं है। जो कार दो बाल्टी पानी में धोई जा सकती है, उसे दो हजार लीटर साफ पानी से धोते हुए लोग प्रायः मिल जाते हैं। हम वर्षा जल का संरक्षण कर तथा पानी को व्यर्थ न जाने देकर भी इस दिशा में अपना व्यक्तिगत सहयोग दे सकते हैं। हम साफ पानी पिएं, यह तो आवश्यक है ही पर कितना पिएं, इस बारे में अलग-अलग मत हैं। फिर भी एक व्यस्क व्यक्ति को दिन भर में आठ-दस गिलास पानी तो पीना ही चाहिए। सुबह उठकर कुल्ला-मंजन के बाद तांबे के साफ पात्र में रखा पानी भरपेट पीना बहुत लाभ देता है। तांबा जल की अधिकांश अशुद्धियां दूर कर देता है। सर्दियों में पानी को गुनगुना कर लें, तो और अच्छा रहेगा।

आकाश- आकाश की पहचान खालीपन या शून्यता है। घटाकाश और मठाकाश जैसी कल्पनाएं इसी में से आई हैं। आकाश में कोई भी चीज फेकें, खाली होने के कारण वह मना नहीं करता। वायु और अंतरिक्ष यान इसीलिए आकाश में निर्द्वन्द उड़ते हैं। किसी पात्र के खाली होने का अर्थ है कि उसमें आकाश तत्व विद्यमान है पर जब उसमें कोई वस्तु डालते हैं, तो वह हट जाता है। ऐसी शून्यता हम अपने पेट को बिल्कुल खाली रखकर प्राप्त कर सकते हैं। अतः प्रातः शौचादि से निवृत्त होने के बाद लगभग दो घंटे तक पेट को अवकाश दें। इससे जहां भोजन पचाने वाली इंद्रियों को आराम तथा अपनी टूट-फूट ठीक करने का समय मिलेगा, वहां हमें आकाश तत्व भी प्राप्त होगा। व्रत और उपवास आकाश तत्व की प्राप्ति का अवसर कुछ अधिक समय तक प्रदान करते हैं। इनका भरपूर उपयोग करना चाहिए पर इस नाम पर दिन में कई बार पेट में गरिष्ठ चीजें ठूंसते रहना शुद्ध पाखंड है।

पृथ्वी- पृथ्वी हमें अन्न, दाल और सब्जियां आदि देती है। अतः इनके सेवन से हमें पृथ्वी तत्व की प्राप्ति होती है पर इन्हें कच्चा नहीं खा सकते। इन्हें आग पर पकाकर तथा आवश्यकतानुसार कुछ अन्य मिर्च-मसाले डालकर प्रयोग किया जाता है। इनका सेवन कितना और कितनी बार करें, इसका कोई मापदंड नहीं है। शारीरिक परिश्रम करने वाले किसान या मजदूर तथा कार्यालय में बैठकर काम करने वाले की आवश्यकता अलग-अलग होगी। उन्हें उसी अनुसार इनका सेवन करना चाहिए। ऐसा न होने पर जहां एक ओर तोंद वाले, तो दूसरी ओर दुबले-पतले लोग सर्वत्र घूमते मिलते हैं।

अग्नि-

अग्नि का स्रोत सूर्य है। सर्दियों में तो सीधे धूप में लेटना या बैठकर काम करना अच्छा लगता है। गर्मियों में भी अपने काम के सिलसिले में घूमते-फिरते धूप लगती रहती है। इससे अग्नि तत्व अपने आप ही मिल जाता है। जो लोग दिन भर वातानुकूलित वातावरण अर्थात् एसी वाले घर, कार्यालय और कार में रहते हैं, उनके शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है। इसलिए थोड़े से परिश्रम या मौसम बदलने मात्र से ही ये लोग बीमार होकर बिस्तर पकड़ लेते हैं। भीषण गर्मियों में जहां लू से बचना आवश्यक है, वहां धूप से डरना भी अनुचित है।

जहां तक खानपान की बात है, तो सूर्य की ऊर्जा से पके हुए फल और सलाद आदि के सेवन से अग्नि तत्व भरपूर मात्रा में प्राप्त होता है पर इनका सेवन सूर्यकाल में ही करना चाहिए। अर्थात् सूर्यास्त के बाद इन्हें खाना ठीक नहीं है। इसी तर्ज पर कुछ लोग यह भी कहते हैं कि पृथ्वी तत्व वाले जिन पदार्थों को खाने से पूर्व आग पर चढ़ाना पड़ता है, उन्हें सूर्य की उपस्थिति में नहीं खाना चाहिए। यद्यपि बहुत से लोग अपनी धार्मिक आस्था या वृद्धावस्था के कारण सूर्यास्त के बाद अन्न नहीं खाते। उनका कहना है कि सूर्यास्त के बाद शरीर की पाचनक्रिया मंद हो जाती है। अतः उस समय भारी भोजन ठीक नहीं है। विचार भिन्नता के कारण इस विषय को स्वतंत्र छोड़ देना ही उचित है। ये कुछ ऐसी बातें हैं, जिन्हें समय-समय पर कुछ बुजुर्गों के मुंह से सुना है। इसमें से कुछ का प्रयोग करने से लाभ भी हुआ है। यद्यपि आज की भागदौड़ वाले जीवन में सब नियमों का पालन संभव नहीं होता। फिर भी जितना हो सके, उतना पालन करके देखें।

पेट दर्द के घरेलू उपचार

अधिकतर बीमारियों की वजह होती है असंयमित खान-पान। गलत खान-पान के कारण कभी-कभी पेट में दर्द होने लगता है। आमतौर पर पेट दर्द का एक मुख्य कारण अपच, मल सूखना, गैस बनना यानी वात प्रकोप होना और लगातार कब्ज बना रहना भी है। पेट दर्द को दूर करने के लिए कुछ घरेलू उपाय हैं, जो दर्द तो दूर करते हैं, साथ ही साथ पेट की क्रियाओं को भी ठीक करते हैं।

- पेट दर्द मे हींग का प्रयोग लाभकारी होता है। 2 ग्राम हींग थोड़े पानी के साथ पीसकर पेस्ट बनाएं। नाभी पर और उसके आस-पास यह पेस्ट लगाएं।
- अजवाइन को तवे पर सेक लें और काले नमक के साथ पीसकर पाउडर बनाएं। 2-3 ग्राम गर्म पानी के साथ दिन में 3 बार लेने से पेट का दर्द दूर होता है।
- जीरे को तवे पर सेकें और 2-3 ग्राम की मात्रा गर्म पानी के साथ दिन में 3 बार लें। इसे चबाकर खाने से भी लाभ होता है।
- पुदीने और नींबू का रस एक-एक चम्मच लें। अब इसमें आधा चम्मच अदरक का रस और थोड़ा सा काला नमक मिलाकर उपयोग करें। दिन में 3 बार इस्तेमाल करें, पेट दर्द में आराम मिलेगा।
- सूखी अदरक मुंह में रखकर चूसने से भी पेट दर्द में राहत मिलती है।
- बिना दूध की चाय पीने से भी कुछ लोग पेट दर्द में आराम महसूस करते हैं।
- अदरक का रस नाभी स्थल पर लगाने और हल्की मालिश करने से पेट दर्द में लाभ होता है।
- अगर पेट दर्द एसिडिटी से हो रहा हो तो पानी में थोड़ा सा मीठा सोडा डालकर पीने से फायदा होता है।
- पेट दर्द निवारक चूर्ण बनाएं। इसके लिए भुना हुआ जीरा, काली मिर्च, सौंठ, लहसुन, धनिया, हींग, सूखी पुदीना पत्ती सबकी बराबर मात्रा लेकर बारीक चूर्ण बनाएं। इसमें थोड़ा सा काला नमक भी मिलाएं। खाने के बाद एक चम्मच थोड़े से गर्म पानी के साथ लें। पेट दर्द में आशातीत लाभकारी है।
- एक चम्मच शुद्ध घी में हरे धनिये का रस मिलाकर लेने से पेट की व्याधि दूर होती है।
- अदरक का रस और अरंडी का तेल प्रत्येक एक-एक चम्मच मिलाकर दिन में 3 बार लेने से पेट दर्द दूर होता है।
- अदरक का रस एक चम्मच, नींबू का रस 2 चम्मच लेकर उसमें थोड़ी सी शक्कदर मिलाकर प्रयोग करें। पेट दर्द में लाभ होगा। दिन में 2-3 बार ले सकते हैं।
- अनार पेट दर्द मे फायदेमंद है। अनार के बीज निकालें। थोड़ी मात्रा में नमक और काली मिर्च का पाउडर डालें। और दिन में दो बार लेते रहें।
- मेथी के बीज पानी में भिगोएं। पीसकर पेस्ट बनाएं। और इस पेस्ट को 200 ग्राम दही में मिलाकर दिन में दो बार लेने से पेट के विकार नष्ट होते हैं।
- इसबगोल के बीज दूध में 4 घटे भिगोएं। रात को सोते समय लेते रहने से पेट में मरोड़ का दर्द और पेचिश ठीक होती है।
- सौंफ में पेट का दर्द दूर करने के गुण होते है। 15 ग्राम सौंफ रात भर एक गिलास पानी में भिगोएं। छानकर सुबह खाली पेट पीयें। बहुत गुणकारी उपचार है।
- आयुर्वेद के अनुसार हींग दर्द निवारक और पित्तवर्द्धक होती है। छाती और पेट दर्द में हींग का सेवन बेहद लाभकारी होता है। छोटे बच्चों के पेट में दर्द होने पर एकदम थोड़ी सी हींग को एक चम्मच पानी में घोलकर पका लें। फिर बच्चे की नाभी के चारों लगा दें। कुछ देर बाद दर्द दूर हो जाता है।
- नींबू के रस में काला नमक, जीरा, अजवायन चूर्ण मिलाकर दिन में तीन बार पीने से पेट दर्द से आराम मिलता है।

आंखों पर दें ध्यान

आंखें अनमोल हैं, इसलिए इनकी सेहत का बदलते मौसम के अनुसार ध्यान रखना आवश्यक है

- आंखों में सूखापन की समस्या सर्दियों में बढ़ सकती है। सूखेपन से बचाव के लिए डॉक्टर के परामर्श से आर्टीफिशियल टीयर ड्रॉप का इस्तेमाल करें।
- इस मौसम में एलर्जी की शिकायत भी सभव है। इससे बचने के लिए दिन में दो बार आंखों को साफ पानी से धोएं। इन्हें मलें या रगड़ें नहीं।
- चेहरे के साथ आंख के आसपास व पलक की त्वचा को सूखेपन से बचाएं, लेकिन ध्यान रहे कि कोई भी मॉइश्चराइजर या कोल्ड क्रीम आंख के अंदर न जाए।
- काला चश्मा लगाकर ही धूप में बैठें।
- नेत्रों को चश्मे के जरिये ठंडी हवाओं से बचाएं।

मुझे नींद नहीं आती, आपने अक्सर लोगों को यह शिकायत करते सुना होगा। नींद एक जैविक प्रक्रिया है। हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए पर्याप्त नींद बहुत ही जरूरी है। पर्याप्त नींद नहीं लेने से हमारी कार्यक्षमता पर भी बुरा असर पड़ता है। अनिद्रा के शिकार लोगों को अक्सर दिन में इधर-उधर झपकियां लेते देखा जा सकता है।

होम्योपैथी का सहारा ले सकते हैं

अनिद्रा के रोगी

अनिद्रा आजकल एक महामारी की तरह फैलती जा रही है। एक अनुमान के मुताबिक आज विश्व में हर पांचवां व्यक्ति अनिद्रा का शिकार है। अनिद्रा का अर्थ है नींद में व्यवधान, नींद उचटना या कम नींद आना। यह दो प्रकार की होती है। पहले प्रकार की अनिद्रा का संबंध उन लोगों से जिन्होंने कभी अच्छी, चैन की नींद का आनंद नहीं लिया हो तथा ये लोग तनाव, घबराहट या अन्य किसी असहनीय पीड़ा से पीड़ित न हो। पहली प्रकार की अनिद्रा से पीड़ित लोगों की नाड़ी की गति तेज तथा शरीर का तापमान अधिक होता है। इनकी बाह्य धमनियां प्रायः संकुचित होती हैं। ये लोग प्रायः हिलते-डुलते रहते हैं। दूसरे प्रकार की अनिद्रा का संबंध उन लोगों की अनिद्रा से है जो किसी न किसी बीमारी से पीड़ित होते हैं जैसे पेट में दर्द, पैरों में बेचैनी, थकान, स्पाइनल कॉर्ड में दर्द आदि। इन बीमारियों से नींद की प्रारंभिक अवस्था में बाधा पहुंचती है।

दूसरे प्रकार की अनिद्रा साइकेट्रीक, साइकोसिस तथा साइकोन्यूरोसिस के मरीजों में आमतौर पर देखी जा सकती है। डर तथा चिंता भी अनिद्रा के कारण हो सकते हैं। डिप्रेशन तथा मेनियक डिप्रेशन से भी अनिद्रा की शिकायत हो सकती है इससे सोने पर एक बार तो नींद आ जाती है परन्तु सुबह जल्दी आंख खुल जाती है तथा बाद में रोगी सो नहीं पाता। सन्निपात तथा कोई काल्पनिक डर भी अनिद्रा के कारण हो सकते हैं।

चिकित्सा की होम्योपैथिक शाखा के अंतर्गत अनेक ऐसी दवाईयां हैं जिनका प्रयोग अनिद्रा के उपचार के लिए किया जाता है। मरीज के लक्षणों के आधार पर कोई भी दवा उसे दी जा सकती है।

आर्सेनिक एलबम 30- यह दवा उन मरीजों को दी जाती है जो किसी मानसिक बेचैनी के कारण करवटें बदलते रहते हैं। वह शारीरिक रूप से इतना कमजोर होता है कि उसका चलना-फिरना भी मुश्किल होता है। मरीज को निरंतर मृत्यु का भय बना रहता है। वह इलाज के प्रति निराश हो चुका होता है। ऐसे रोगी को बार-बार थोड़े पानी की प्यास लगती रहती है।

केनाबिस इंडिका 30- यह उन रोगियों के लिए उपयुक्त होती है जो भय, भ्रांति तथा मानसिक दुर्बलता के शिकार होते हैं। ऐसे रोगी अक्सर मरे हुए लोगों को सपने में देखते हैं। उन्हें लगता है कि वह पागल हो जाएंगे। ऐसा रोगी लगातार बोलता रहता है और सिर हिलाता रहता है। अक्सर बोलते-बोलते वह यह भी भूल जाता है कि उसे आगे क्या बोलना है। विनम्र स्वभाव का व्यक्ति यदि उद्दण्ड स्वभाव हो जाए तो उसे यह दवा दी जाती है।

हायोसाइमस नाइगर 200- इसमें मरीज बहुत बातूनी और ईर्ष्यालु होता है। इस प्रकार का रोगी बहुत डरता है। उसे हर बात में डर लगता है जैसे अकेले रहने का डर, विष खिलाने का डर, किसी षड़यंत्र का डर आदि। बच्चों में नींद न आना, नींद आते ही डर जाना, बिस्तर से निकलने या भागने की कोशिश करना जैसे लक्षण होने पर यह दवा दी जाती है।

कैफिया क्रूडा 200- यह दवा उन रोगियों के लिए उचित है जिन्हें रात को नींद नहीं आती। वे अक्सर भविष्य के बारे में चिंता करते रहते हैं। ऐसे रोगी अचानक ही हंसने या रोने लगते हैं ऐसे रोगियों को बहुत अधिक चिंता, बातचीत या मानसिक परिश्रम करने में सिर में तेज दर्द होता है।

एकोनाइटम नैपेलस 30- इसमें रोगी अक्सर बैचेन रहता है जिससे उसे नींद नहीं आती। उसे इतना डर लगता है कि वह बेहोश भी हो जाता है। स्थिति गिंभीर होने पर रोगी को मरने का डर लगने लगता है। रोगी अक्सर डर के कारण घर से नहीं निकलता, भीड़भाड़ वाली जगहों से भी बचता है। उसे बार-बार पानी की प्यास भी लगती है।

इग्नेशिया अमारा 200- यह दवा उन रोगियों को दी जाती है जो शोक, भय या दुख की वजह से एकाएक बेहोश हो जाते हैं। उसे तम्बाकू या धुंआ सहन नहीं होता। उसके सिर में भी दर्द होता है। प्रेम या काम में निराशा से उत्पन्न अनिद्रा के लिए भी यही दवा कारगर होती है।

पोर्स फ्लोरा इन्कार्नेटा (क्यू)- वृद्धों तथा बच्चों में अनिद्रा दूर करने के लिए यह दवा कारगर सिद्ध होती है। यह दवा उन रोगियों की दी जाती है। जिन्हें तनाव और अत्यधिक मानसिक कार्य के कारण नींद नहीं आ पाती या सिर दर्द और आंखों में दर्द के कारण नींद नहीं आती।

किसी भी दवा के चुनाव से पहले रोगी के लक्षण पहचानना जरूरी होता है तथा किसी भी दवा के प्रयोग से पहले किसी विशेषज्ञ से सलाह लेना भी जरूरी होता है।

जानकारी

सर्दियों के दौरान छोटे बच्चों के बालों का रखें ख्याल

ताकि न हो जुंए, डैंड्रफ और ड्राईनेस की समस्या

आमतौर पर सर्दियों के मौसम में बच्चों को बालों की समस्याएं ज्यादा होती हैं। बालों में जुंए, रूसी (डैंड्रफ) और रूखेपन के कारण बाल खराब हो जाते हैं। इन समस्याओं का मुख्य कारण ये है कि ज्यादातर लोग ठंड के मौसम में अपने बच्चों को रोजाना नहीं नहलाते हैं, जबकि खेलने-कूदने के कारण बच्चे ही सबसे ज्यादा बैक्टीरिया और गंदगी के संपर्क में आते हैं। कई बार बालों की ये छोटी-छोटी समस्याएं त्वचा रोग का कारण बनती हैं और स्कैल्प खराब हो जाता है। बचपन में ही अगर बालों की समस्या हो जाए, तो आगे चलकर बच्चों को बाल झड़ने की समस्या, बालों के कमजोर होने की समस्या आदि काफी बढ़ जाती हैं। इसलिए अपने बच्चे को ऊपर बताई गई समस्याओं से बचाने के लिए और उनके बालों को स्वस्थ रखने के लिए आपको सर्दियों के दौरान कुछ खास बेबी हेयर केयर टिप्स का ध्यान रखना चाहिए।

हफ्ते में 2-3 बार करें शैंपू

अगर आपका बच्चा 6-7 महीने से बड़ा है, तो आप सर्दियों के मौसम में उसे गुनगुने पानी से रोजाना नहला सकती हैं। इसके अलावा 2 साल से बड़ी उम्र के बच्चे, जो आमतौर पर अपने पैरों से चलकर खेलने-कूदने लगते हैं, वो अपने बालों और शरीर को बहुत जल्दी गंदा करते हैं। ऐसे में बालों में जमा धूल-मिट्टी और प्रदूषण कणों को बाहर निकालने के लिए आपको बच्चे को नहलाते समय सप्ताह में कम से कम 2-3 बार उन्हें शैंपू करना चाहिए। शैंपू करने से बालों की गंदगी अच्छी तरह साफ हो जाती है।

अच्छी तरह देखकर करें शैंपू का चुनाव

बच्चों के लिए शैंपू का चुनाव करते समय आपको विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। दरअसल छोटे बच्चों की स्किन बहुत सेंसिटिव होती है, इसलिए अगर आप बड़ों लोगों वाले शैंपू बच्चों के सिर पर लगा देंगे, तो उनमें मौजूद केमिकल बच्चों की त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसलिए बच्चों के लिए शैंपू का चुनाव करते समय हमेशा इस बात का ध्यान दें कि उसे बनाने में पैराबीन्स, सल्फेट्स और थैलेट्स का प्रयोग न किया गया हो, क्योंकि ये तत्व बच्चों की त्वचा के लिए बेहद खतरनाक हो सकते हैं। इसकी जानकारी के लिए आपको शैंपू या किसी भी अन्य प्रोडक्ट के पीछे लिखे इंग्रीडिएंट्स वाले सेक्शन को देखना चाहिए। बच्चों के लिए बाजार में अलग से बेबी शैंपू आते हैं, जिनमें हानिकारक केमिकल्स का इस्तेमाल कम होता है, जिससे कि बच्चें की त्वचा ड्राई न हो।

सॉफ्ट कंघी/ब्रश का प्रयोग करें

बच्चों के बालों को संवारने के लिए आपको हमेशा मुलायम कंघी और ब्रश का प्रयोग करना चाहिए। दरअसल बच्चे के सिर की त्वचा बाकी जगहों की अपेक्षा ज्यादा मुलायम और पतली होती है। इसलिए अगर आप हार्ड ब्रश या कंघी का प्रयोग करेंगे, तो हो सकता है बच्चे के सिर पर हल्की-फुल्की खरोंच लग जाए, जिसे आप आसानी से न देख पाएं। इस तरह की छोटी-मोटी चोट भी की बार इंफेक्शन और रोगों का कारण बनती है। इसलिए बच्चों के लिए हमेशा सॉफ्ट ब्रश का इस्तेमाल करें।

बालों को मॉइश्चराइज करना है बेहद जरूरी

बड़ों लोगों की ही तरह बच्चों के बालों को भी मॉइश्चराइज रखना बेहद जरूरी है। चूंकि बिना सही मॉइश्चराइजेशन के स्कैप्ल ड्राई हो जाता है और इस वजह से कई तरह के त्वचा से संबंधित रोगों का खतरा बढ़ जाता है। खासकर बच्चों के बालों को मॉइश्चराइज करने के लिए उनके बालों में तेल की मालिश करना सबसे अच्छा होता है। तेल की मालिश करने से बच्चों के बाल भी घने होते हैं और खोपड़ी में ब्लड सर्कुलेशन भी बेहतर होता है। इसके अलावा तेल में मौजूद पोषक तत्व बालों को स्वस्थ और मुलायम रखते हैं। बच्चों के सिर की मालिश आप नारियल के तेल, सरसों के तेल, बादाम के तेल, तिल के तेल और ऑलिव ऑयल आदि से कर सकते हैं।

5 संकेत मिलें तो तुरंत कराएं आंखों की जांच देर करना हो सकता है खतरनाक

आंखें हमारी जिंदगी के लिए जरूरी शर्त नहीं हैं, मगर शायद जिंदगी को अच्छी तरह समझने के लिए आंखों का अपना बड़ा महत्व है। बनावट के आधार पर आंखों को शरीर का सबसे संवेदनशील अंग माना जाता है। इसलिए आंखों की छोटी से छोटी परेशानी को नजरअंदाज करना कई बार बहुत खतरनाक भी हो सकता है। दुनिया में ऐसे लोगों की संख्या लाखों में हैं, जो जन्म से अंधे नहीं थे, मगर 40-50 की उम्र आते-आते उनकी आंखों के देखने की क्षमता चली गई। दरअसल शरीर से जुड़ी किसी भी समस्या को अगर शुरुआती अवस्था में पहचान लिया जाए और सही इलाज किया जाए, तो ठीक किया जा सकता है। मगर ऐसी बहुत सी बीमारियां और समस्याएं हैं, जो वक्त गुजरने के बाद पता चलती हैं और तब तक मेडिकल साइंस भी आपकी मदद नहीं कर पाता है।

आंखें भी ऐसा ही एक अंग हैं, जो यदि एक बार खराब हो जाएं, तो इन्हें दोबारा ठीक करना बहुत मुश्किल है। फिर एक ही विकल्प बचता है और वो है आई ट्रांसप्लांट, जिसके लिए डोनर मिलना और खर्चे उठाना आसान बात नहीं है। इसीलिए आज हम आपको बता रहे हैं कुछ ऐसे संकेत जो बताते हैं कि आपको तुरंत अपने आंखों की जांच करा लेनी चाहिए।

धुंधला दिखने पर

वैसे तो आंखों का धुंधलापन बिल्कुल स्पष्ट संकेत है कि आपको अपनी आंखों की जांच करानी चाहिए। मगर कुछ लोग धुंधलेपन को शरीर की कमजोरी से जोड़कर देखते हैं, इसलिए वे इंतजार करते रहते हैं और दूसरे उपाय अपनाते रहते हैं। यह बात भी सही है कि शारीरिक कमजोरी और एनर्जी की कमी, आंखों के धुंधलेपन का कारण बन सकती है। मगर ये समस्या किसी बीमारी का भी संकेत हो सकती है, जो वक्त के साथ आपकी आंखों की रेटिना को डैमेज कर सकती है। इसलिए अगर आपको कई दिन या सप्ताह तक लगातार या फिर कुछ-कुछ दिनों में धुंधला दिखाई देने की समस्या होती है, तो आपको अपनी आंखों की जांच जरूर करा लेनी चाहिए।

लगातार सिर दर्द की समस्या

सिर दर्द आपको भले ही सिर और माथे के हिस्से में महसूस होता है, मगर इसका कारण आपकी आंखों की समस्या भी हो सकती है। जब आपकी आंखों में किसी तरह की कोई परेशानी होती है, तो वस्तुओं पर फोकस केंद्रित करने वाली मसल्स (कोशिकाओं) पर अनावश्यक दबाव बढ़ जाता है, जिसके कारण उनमें दर्द की समस्या हो सकती है। ये कोशिकाएं सीधे आपके मस्तिष्क से जुड़ी होती हैं, इसलिए आपको सिर में दर्द महसूस होता है। अक्सर ऐसे लोगों को सिर दर्द की समस्या तब होती है, जब वो बहुत अधिक ध्यान लगाकर काम करने की कोशिश करते हैं या फिर कंप्यूटर, लैपटॉप, मोबाइल या अन्य स्क्रीन वाले गैजेट्स का बहुत ज्यादा इस्तेमाल करते हैं। इसलिए लगातार सिर दर्द की समस्या होने पर भी आपको आंखों की जांच करानी चाहिए।

आंखें पर दबाव महसूस हो

अगर आपको कुछ दिनों से ऐसा महसूस होने लगा है जैसे कि कोई अदृश्य हाथ आपकी आंखों को दबा रहे हैं, तो ये आंखों की ही एक कॉमन बीमारी 'ग्लूकोमा' का संकेत हो सकता है। ग्लूकोमा की शुरुआत होने पर व्यक्ति को अपनी आंखों की पुतलियों पर दबाव महसूस होता है। मगर ऐसा होने पर आपको घबराने की जरूरत नहीं है, क्योंकि ग्लूकोमा का इलाज आसानी से उपलब्ध है। हां, अगर आप इसे लंबे समय तक नजरअंदाज करेंगे, तो ग्लूकोमा आपकी आंखों को काफी नुकसान पहुंचा सकता है। इसलिए ऐसे लक्षण महसूस होने पर बिना देरी किए आई-स्पेशलिस्ट से मिलें और आंखों की जांच कराएं।

रात में साफ न दिखाई देना या रतौंधी

आमतौर पर बहुत अधिक अंधेरा होने पर सामान्य आंखों के लिए भी देखना मुश्किल होता है, मगर यदि आपको शाम के समय यानी हल्की रोशनी होने के बावजूद चीजें साफ-साफ न दिखाई दें, तो भी ये आंखों से जुड़े रोग का संकेत है। इस रोग को रतौंधी भी कहते हैं, जो 'रात के अंधेपन' का शार्ट फॉर्म है शायद। आंखों में ऐसी समस्या कई कारणों से हो सकती है, जैसे- शरीर में विटामिन ए की कमी और मोतियाबिंद आदि। इसलिए आपको ऐसे लक्षण दिखने पर भी तुरंत आंखों के डॉक्टर से मिलना चाहिए।

रोशनी में चकाचौंध लगना या सिर दर्द होना

अचानक आंखों पर तेज रोशनी पड़ने पर आंखों का बंद होना स्वाभाविक है। मगर सामान्य स्थिति में कुछ सेकंड्स के बाद आपको धीरे-धीरे दिखना शुरू हो जाता है, जबकि लाइट सेंसिटिविटी से जूझ रहे लोगों के लिए तेज रोशनी को बर्दाश्त करना बिल्कुल मुश्किल होता है। आंखों के विशेषज्ञ इसे फोटोफोबिया कहते हैं। ऐसे लोगों को तेज लाइट में जाते ही आंखें बंद करनी पड़ती हैं और कई बार उन्हें चक्कर आने, सिर दर्द होने, उल्टी जैसे लक्षण भी शुरू हो जाते हैं। लाइट सेंसिटिविटी का कारण आंखों का कोई इंफेक्शन या कोई रोग हो सकता है, इसलिए बिना देर किए डॉक्टर से जांच कराएं और खतरे से दूर रहें।

सेहत

सर्दियों में गुड़ के साथ दूध लेने के बेहतरीन फायदे

सर्दियों से बचने के लिए हम कितने ही जैकेट, स्वेटर क्यों न पहन लें? लेकिन जब तक हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर रहेगी, तब तक हम छोटी-छोटी बीमारियों का शिकार होते रहेंगे। ऐसे में गुड़ के साथ दूध का सेवन रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के साथ सर्दियों में होने वाली सर्दी-जुकाम, कफ जैसी कई परेशानियों को भी दूर करता है। आइए, जानते हैं गुड़ के साथ दूध पीने के फायदे-

दूध और गुड़ में मौजूद तत्व

दूध में अधिक मात्रा में विटामिन ए, विटामिन बी और डी के अलावा कैल्शियम, प्रोटीन और लैक्टिक एसिड भी पाया जाता है। वहीं दूसरी ओर गुड़ में अधिक मात्रा में सुक्रोज, ग्लूकोज, खनिज तरल और पानी कुछ मात्रा में पाया जाती है। इसमें भरपूर मात्रा में कैल्शियम, फास्फोरस, लोहा और कई तत्व पाएं जाते हैं।

नेचुरल ब्लड प्यूरीफायर

गुड़ में ऐसे गुण पाए जाते हैं, जो आपके शरीर में मौजूद अशुद्धियों को साफ कर देता है, इसलिए रोजाना गर्म दूध और गुड़ का सेवन करने से आपके शरीर से ऐसी अशुद्धियां निकल जाती है, जिससे आपको कोई बीमारी नहीं होगी और आप निरोग महसूस करेंगे।

मोटापे को करें कंट्रोल

माना जाता है कि अगर आप दूध के साथ चीनी का इस्तेमाल करते है, तो इसकी जगह आप गुड़ का इस्तेमाल करें। ऐसा करने से आपका वजन कंट्रोल में रहेगा, जिससे आप मोटापे का शिकार नहीं होंगे।

पेट संबंधी समस्या को रखे ठीक

अगर आपको पाचन संबंधी कोई भी समस्या है, तो गर्म-गर्म दूध और गुड़ का सेवन करें, ऐसा करने से आपको पेट संबंधी हर समस्या से निजात मिल जाएगी।

जोड़ों के दर्द को करें दूर

गुड़ खाने से जोड़ों के दर्द में आराम मिलता है, अगर रोजाना गुड़ का एक छोटा पीस अदरक के साथ मिलाकर खाया जाए, तो जोड़ों में मजबूती आएगी और दर्द भी दूर हो जाएगा। इससे आपकी खूबसूरती को बढ़ेगी। गर्म दूध और गुड़ का सेवन करने से आपकी त्वचा मुलायम होने के साथ-साथ त्वचा संबंधी समस्या न होगी। इसके साथ ही इसका सेवन करने से आपके बाल भी हेल्दी रहेंगे।

पीरियड्स में दर्द को करे ठीक

कहा जाता है कि अगर आपको कही दर्द हो, तो गर्म दूध पीने से तुरंत आराम मिल जाता है और महिलाओं को पीरियड के समय का दर्द हो रहा हो तो गर्म दूध के साथ गुड़ का सेवन करने से आपको इससे निजात मिल सकती है। आप फिर पीरियड शुरू होने के 1 हफ्ते पहले 1 चम्मच गुड़ का सेवन रोजाना करें। इससे आपको दर्द से निजात मिलेगी।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। शुभांक-3-5-7

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर करेंगे। शुभांक-2-5-7

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधनों में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-5-6

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। आलस्य का त्याग करे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-1-4-8

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभांक-2-6-8

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। शुभांक-3-5-8

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि व अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। आगे से रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिलेगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

समाज में मान-सम्मान मिलेगा। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-1-3-5

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें। संतान की उन्नति के योग हैं। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

मकर मे जा जी खी खू खे खो गा गी

आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रही अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। शुभांक-1-6-8

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

सुख-आनंददायी समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य के लिए समय अच्छा रहेगा। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-1-3-8

मीन दी दू थ झ ञ द दो चा ची

शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

काकुरो पहेली - 2679

■	3	9	■	■	■	■	18	17	■
4	■	■	10	■	■	16 17	■	■	■
7	■	■	■	■	23 11	■	■	■	■
■	6	■	■	22 6	■	■	■	■	■
■	■	10 10	■	■	■	■	10	3	■
■	7 4	■	■	■	■	4 8	■	■	■
6	■	■	5	■	8 8	■	■	■	■
6	■	■	■	6 3	■	■	■	3	4
■	■	9	■	■	■	7	■	■	■
■	■	■	4	■	■	■	4	■	■

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

	10 6	1	2	3	4
1					
2					
3					

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 2678 का हल

■	14	18	■	■	16	29	■	■	■
15	8	7	9	■	17	9	8	17	■
23	6	9	8	21 22	7	5	9	10	■
■	12	2	1	9	21 17	9	8	4	11
■	■	■	24 11	8	9	7	3	1	2
■	■	22 16	18	9	5	8	3	12 14	3	9
19	9	8	2	■	7	1	4	2	■
8	7	1	17	10	■	11	2	9	7	3
■	20	9	8	3	■	7	1	4	2
■	■	16	9	7	■	■	4	3	1

हंसी के फव्वारें

भिखारी: बाबूजी, एक पैसा दे दो.

बाबूजी: पैसे में क्या मिलेगा तुम ज्यादा क्यों नहीं मांगते ?

भिखारी: बाबूजी, मैं आदमी की हैसियत देखकर मांगता हूँ.

□ □ □

डॉक्टर साहब, मेरे पति के आगे के दो दांत बहुत निकले हैं. वह ठीक हो सकते हैं ?

'क्या आपके पति बचपन में हाथियों के साथ खेलते थे ?'

□ □ □

प्रेमी-'प्रिय,मेरा साक्षात्कार का बुलावा आया है. जाऊं या नहीं, तुम्हारी क्या राय है ?'

प्रेमिका-'मेरी तो यह राय है कि जाना है तो जाओ, नहीं जाना हो तो मत जाओ.'

□ □ □

पहला दोस्त-'मेरी प्रेमिका की मांग इतनी ज्यादा थी कि मैंने उससे संबंध तोड़ लिया.'

दूसरा दोस्त-'क्या मांग थी उसकी ?'

पहला दोस्त-'शादी की.'

□ □ □

औरत-(दूधवाले से)भइया कल तुम्हारा दूध बहुत खट्टा था.

दूधवाला-क्या करूं बहनजी कल मेरी भैंस ने चार-पांच नींबू खा लिये थे.

फिल्म वर्ग पहेली- 2679

1		2	■	3	■	4	5		6
	■	7				■		■	
8	9		■		■	10		11	
■		■	12		13		■		■
14	■	15		■		■	16		
17		■	18		■	19			■
	■	20		■	21			■	22
■	23		■	24			■	25	
26			27	■		■	28	■	
■		■	29		■	30			

बायें से दायें:-

१. अनिल, अक्षय, मनोज, करीना, शमिता की फिल्म-३
४. 'भंवरे ने खिलाया फूल' गीत वाली ऋषिकपूर, पद्मिनी की फिल्म-४
७. फिरोजखान, संजय, मनीषा की 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-४
८. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षय, अमृता राव की फिल्म-३
१०. राजेंद्रकुमार, राखी की 'तुम मेरी हो मेरे सिवा किसी' गीत वाली फिल्म-२,२
१२. 'ऐ सनम इतना बता' गीत वाली जैकी, मिथुन, जूही, दिव्या की फिल्म-४
१५. नाना, शाहरूख, संजय कपूर, करिश्मा की 'इश्क कमीना' गीतवाली फिल्म-२
१६. 'एहसान तेरा होगा मुझ पर' गीत वाली शम्मी कपूर, सायरा बानो की फिल्म-३
१७. 'बागबान' में अमिताभ की पत्नी ?-२
१८. 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली देव आनंद, माला सिन्हा की फिल्म-२
१९. ऋषिकपूर, कमल हासन, डिम्पल की 'मारिया ओ मारिया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'आते जाते हुए' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूर, राखी, परवीन की फिल्म-२
२१. राजकुमार, धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की 'तोरा मन दर्पण' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'आज हमने दिल' गीत वाली नसीर, अतुलअग्निहोत्री, पूजाभट्ट की फिल्म-२
२४. राहुलराय, पूजा भट्ट की 'जो प्यार कर गये' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'साल के बारा महीने' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
२६. संजीवकुमार, शर्मिला की १९७४ की कृष्णन पंजु निर्देशित एक फिल्म-४
२९. 'पति पत्नी और वो' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
३०. 'क्या चीज है मुहब्बत' गीत वाली सुनील शेट्टी, दिव्या की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'जब ना माना दिल' गीत वाली फिल्म-३
२. कुलभूषण, जावेद, शबाना, नंदिता दास की एक फिल्म-३
३. 'नागिन सा रूप है तेरा' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा, रीना राय की फिल्म-४
५. अमिताभ, वहीदा, जीनत की एक फिल्म-३
६. 'एहसान मेरे दिल पे तुम्हारा' गीत वाली सुनीलदत्त, साधना की फिल्म-३
९. अर्जुन रामपाल, जायेदखान, अमीषा की 'उड़ उड़ उड़ जाये' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'वो कागज की कश्ती' गीत वाली कुमार गौरव, अनामिका पाल की फिल्म-२
११. 'छुपाना भी नहीं आता' गीत वाली फिल्म-४
१२. अजय देवगन, करिश्मा कपूर की फिल्म-४
१३. जीतेंद्र, कमल सदाना, आयशा, दिव्या की 'तेरी मुहब्बत नें दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'जिस दिल में बसा था प्यार तेरा' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१६. 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
१९. संजयदत्त, सलमान, माधुरी की फिल्म-३
२०. राजकपूर मीनाकुमारी की 'ऐ चांद जहां वो जाये' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'जैक एण्ड जिल' गीत वाली अजय, उर्मिला की फिल्म-३
२२. 'मैंने प्यार किया' में नायक कौन था-४
२३. 'आँखों में नींदें ना दिल में' गीत वाली संजयदत्त, मनीषा की फिल्म-३
२७. फिल्म 'नीलकमल' के संगीतकार कौन थे-२
२८. 'दिलवालों के दिल का करार लूटने' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2678

बा	रू	द	■	र	■	का	ला	पा	नी
बु	■	रा	व	ण	रा	ज	■	प	■
ल	की	र	■	भू	■	ल	क्ष्य	■	ह
■	म	■	दा	मि	नी	■	■	खे	ल
जी	त	■	मा	■	य	ती	म	■	च
वा	■	कु	द	र	त	■	हा	सि	ल
■	मि	ली	■	ज	■	जी	न	त	■
जीं	स	■	सु	नी	ल	■	■	म	न
■	मे	ला	■	गं	■	■	जा	■	सी
नू	री	■	अं	धा	का	नू	न	■	ब

सूडोकु -2679

			4		6			
					2	7		
2	6	8				9		
5	3							6
				6				
7							9	2
		9				8	5	1
		2	1			3	4	9
			3		4			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2679 का हल

2	9	7	1	3	6	4	8	5
3	1	6	5	8	4	2	9	7
5	4	8	7	9	2	6	3	1
9	2	1	4	7	3	8	5	6
7	8	3	6	1	5	9	2	4
4	6	5	9	2	8	1	7	3
1	7	4	2	5	9	3	6	8
6	3	2	8	4	7	5	1	9
8	5	9	3	6	1	7	4	2

शब्द पहेली - 2679

■	1		2		3	■	4		5	6
7		■		■	8			■	9	
	■	10				■	11	12	■	
13			■	■	14		■	15	16	
	■		■	17		■	18	■		■
19	20		21		■	22		23		24
■		■		■	25		■		■	
26		27	■	28		■		29		
	■	30	31	■	32		33		■	
34	35	■	36			■		■	37	
38				■	39					■

बाएँ से दाएँ

1.दयालु,उदार-5
4.गगन,आकाश-4
7.सरिता-2
8.चोगा,गाऊन-3
9.छुट्टी,अवकाश-2
10.आबे हयात,काबा कूप-4
11.रिहा-2
13.खाना,भोजन करना-3
14.जिद-2
15.हिम्मत,बल-3
17.कारागार-2
19.रइसे आजम,सूरी-5
22.दुल्कारना,डांटना-5
25.सराबोर-2
26.भोर,सवेरा-3
28.मूल्य,कीमत-2
29.महीन,बहुत छोटा-3
30.फूंक,दम,सुट्टा -2
32.झंकार,प्रतिध्वनि-4
34.उष्णता,ज्वर-2
36.ओट,चिलमन-3
37.छोटा टुकड़ा-2
38.सराबोर,सना हुआ-4
39.निर्माता,रचना करने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.कैदी,बंधक-2
2.मुलायम-3
3.यात्री पोत,तैरता होटल-5
4.उर्दू में अभिवादन-3
5.पिटाई,चोट-2
6.नाजुकता-4
7.नया जीवन-5
10.मर्यादा-4
12.खाली,रिक्त-2
16.लाईन,पंक्ति-3
17.गर्मी का महीना-2
18.उदर-2
20.दीनहीन,दरिद्र-3
21.लश्कर,फौज-2
22.नष्ट,अद्वैतभाव-2
23.व्यवसाय,धंधा-4
24.नाम रखना -2,3
25.होशियार-5
26.सुर आलाप-2,2
27.अधिकार-2
31.प्रतिज्ञा-3
33.आकांक्षा,अभिलाषा-3
35.राह,मार्ग-2
37.टैक्स,हाथ-2

शब्द पहेली -2678 का हल

■	खा	दि	म	■	■	■	र	ह	ना	■
दा	द	■	हा	ति	म	ता	ई	■	क	प
न	■	■	न	ल	■	र	स	■	■	ना
व	च	न	■	स्म	र	ण	■	व	रा	ह
■	क	ल	म	■	ण	■	नी	र	ज	■
■	ना	■	गी	स	■	जा	ल	■	कु	■
■	चू	स	ना	■	प	■	म	हि	मा	■
च	र	खा	■	ग	हि	मा	■	ना	र	द
र	■	■	त	म	■	य	म	■	■	ली
म	स्त	■	स	ला	ह	का	र	■	क	ल
■	र	सी	ला	■	■	■	जी	ते	द्र	■

शिमला में बर्फबारी की चाह में उमड़े सैलानी, होटलों में बढ़ी ऑक्यूपेंसी

एजेंसी

शिमला। राजधानी शिमला में इस सप्ताह के अंत में बर्फबारी की चाह में सैलानियों की भारी भीड़ देखने को मिली। यहां का एतिहासिक मॉल रोड व रिज मैदान दो दिन सैलानियों से खचाखच भरा रहा। इसके अलावा शिमला से सटे कुफरी और नारकंडा का भी सैलानियों ने रूख किया है। पिछले दिनों इन स्थलों में सीजन की पहली बर्फबारी हुई थी और अभी भी यहां बर्फ देखने को मिल रही है।सैलानियों की आमद से शिमला के होटलों में ऑक्यूपेंसी दर में भी बढ़ोतरी देखी गई। इस सप्ताह अंत में होटलों में आक्यूपेंसी बढ़कर 80 फीसदी पहुंच गई। शहर के प्रमुख होटलों में कमरे पहले से ही बुक हो चुके हैं और सैलानियों के आने से होटल मालिकों और व्यापारियों में उत्साह का माहौल देखा जा रहा है। खासकर पंजाब, हरियाणा और दिल्ली से आने वाले सैलानियों की तादाद में जबरदस्त वृद्धि देखी गई है। इन राज्यों के लिए शिमला एक प्रसिद्ध हिल स्टेशन है, जहां सर्दियों में बर्फबारी का आनंद लिया जा सकता है। इन राज्यों के लोग शिमला की ठंडी और शांतिपूर्ण वादियों में आकर सुकून का अनुभव करने आते हैं।

बेंगलुरु में आत्महत्या करने वाले इंजीनियर की अरोपित पत्नी गुरुग्राम से गिरफ्तार

गुरुग्राम। बेंगलुरु में ससुरालियों की प्रताड़ना से परेशान होकर आत्महत्या करने वाले आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक्सपर्ट (एआई) इंजीनियर अतुल सुभाष (34) की आरोपित पत्नी निकिता सिंघानिया को हरियाणा के गुरुग्राम से पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। कर्नाटक पुलिस उसे बेंगलुरु लेकर चली गई। निकिता की मां व भाई को उत्तर प्रदेश के प्रयागराज से गिरफ्तार किया गया है। इंजीनियर अतुल सुभाष के बेंगलरू में आत्महत्या करने के बाद आरोपित पत्नी निकिता सिंघानिया और पूरा परिवार फरार हो गया था। अपनी गिरफ्तारी से बचने के लिए निकिता बेंगलुरू से 2141 किलोमीटर दूर हरियाणा राज्य के गुरुग्राम के सेक्टर-57 में रेल विहार फेज-2 के जेजे हौम फर्निशिंग स्थित ब्लॉसम स्टेज पीजी में छीपी थी। आरोपित निकिता को तीन दिन में पेश होने के लिए बेंगलुरु पुलिस ने 13 दिसंबर को समन जारी किया था। पुलिस उसकी तलाश में जगह-जगह छापेमारी कर रही थी। बेंगलुरु पुलिस को निकिता की लोकेशन हरियाणा के गुरुग्राम की मिली। बेंगलुरु पुलिस ने गुरुग्राम पुलिस से संपर्क किया। लोकेशन के आधार पर बेंगलुरु पुलिस ने सेक्टर-57 स्थित पीजी में छापेमारी की और आरोपित निकिता को गिरफ्तार कर अपने साथ ले गई।

मप्र के ग्वालियर में ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से चार की मौत, 15 घायल

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर जिले में विकास खण्ड घाटीगाँव के अंतर्गत रात एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई और 15 लोग घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस और जिला प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे और घायलों को जेएएच के ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया। कलेक्टर रुचिका चौहान ने देर रात ट्रामा सेंटर पहुँचकर घायलों का बेहतर से बेहतर इलाज का इंतजाम करने के निर्देश अस्पताल प्रबंधन को दिए। उन्होंने अपनी मौजूदगी में घायलों का इलाज शुरू कराया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हादसे पर दुख व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने के निर्देश दिए। सहारिया आदिवासी समुदाय के 31 लोग शनिवार की शाम करीब चार बजे पई खो गांव से जंगल में शतावरी वन औषधि की जड़ खोदने के लिए ट्रैक्टर से गए थे। जड़ खोदने के बाद उसको ट्राली में भरकर सभी लोग अपने गांव कैत थाना घाटीगांव आ रहे थे। देर रात करीब 11 बजे रास्ते में आंतरी तिलावली तिराहे के पास सामने एक भैंस आ गई, जिसको बचाने के चक्कर में ट्रैक्टर चालक ने स्टीयरिंग मोड़ दी और ट्राली अनियंत्रित होकर पलट गई।

संगीतधानी ग्वालियर में 100वें तानसेन संगीत समारोह का हुआ भव्य शुभारंभ

ग्वालियर। संगीतधानी ग्वालियर में सांध्य बेला में तानसेन समाधि परिसर में महेश्वर के ऐतिहासिक किला की थीम पर बने भव्य एवं आकर्षक मंच पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में देश एवं दुनिया के सर्वाधिक प्रतिष्ठित महोत्सव तानसेन समारोह का केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया व विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर तथा अन्य जनप्रतिनिधिगणों के साथ दीप प्रज्वलन कर शुभारंभ किया। समारोह का यह 100वां साल है। इससे पहले मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी अतिथियों के साथ सुर सम्राट तानसेन की समाधि पर पहुँचकर उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव 100वें तानसेन संगीत समारोह के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि संगीतधानी ग्वालियर की उत्सवधर्मिता की देश भर में विशेष पहचान है। साथ ही संगीत और कलाओं का प्रोत्साहन एवं कलाकारों का मान-सम्मान बढ़ाने की यहाँ की रिवायत भी अद्वितीय है। इस धरा पर जन्मे तानसेन और बैजू बावरा जैसे महान संगीतज्ञों को वर्तमान संगीत साधक भगवान की तरह पूजते हैं। उन्होंने कहा कि संगीत शिरोमणि तानसेन की स्मृति में आयोजित हो रहे शताब्दी आयोजन में शामिल होकर मुझे विशेष खुशी की अनुभूति हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि तानसेन समारोह के शताब्दी आयोजन में अपने देश के संगीत के शीर्षस्थ साधकों के साथ चार अन्य देशों के संगीत कलाकार सुर सम्राट तानसेन को स्वरांजलि देने आए हैं।

केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने हथियार छोड़ मुख्यधारा में शामिल हुए लोगों से की मुलाकात

एजेंसी

रायपुर। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और असम के उन लोगों से मुलाकात की, जो हथियार छोड़कर समाज की मुख्यधारा में शामिल हो चुके हैं। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। मुलाकात के बाद अपने संबोधन में अमित शाह ने कहा कि 2019 में कश्मीर, उत्तरपूर्व और नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्र में देश के युवा हथियार लेकर अपना जीवन बर्बाद कर रहे थे, हिंसा कर रहे थे और पूरे क्षेत्र को विकास से दूर रखते थे। उन्होंने कहा कि उस वक्त प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ये तय किया गया था कि जो लोग हथियार छोड़कर समाज की मुख्यधारा में शामिल होना चाहते हैं,

उन्हें ये मौका दिया जाए। शाह ने कहा कि 2019 से 2024 तक सिर्फ नॉर्थईस्ट में ही 9000 से अधिक लोगों ने हथियार छोड़कर सरेंडर किया है। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्र में भी कई युवाओं ने सरेंडर किया है और अब भारत सरकार ऐसे लोगों और नक्सलवाद से पीड़ित लोगों के कल्याण के लिए समग्र योजना बना रही है। गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्रों में 15 हज़ार मकान बनाने को मंजूरी दी है। इसके साथ ही, नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्रों में हर परिवार को एक गाय या भैंस देकर डेयरी कोऑपरेटिव बनाने की शुरुआत भी की जा रही है। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि पिछले वर्ष छत्तीसगढ़ में सरकार बनने के बाद नक्सलवाद मुक्त छत्तीसगढ़ का संकल्प लिया गया था। उन्होंने कहा कि हिंसा रास्ता नहीं है, बल्कि जिन लोगों ने हथियार उठा रखे हैं, उन्हें मेनस्ट्रीम में वापिस लाना है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार ने सबसे अच्छी सरेंडर पॉलिसी बनाई है और इसे पूरे देश में रेप्लिकेट करके हथियार छोड़ने वाले युवाओं को समाज में पुनर्स्थापित करने का प्रयास किया जाएगा। अमित शाह ने हिंसा में लिप्त युवाओं से अपील की कि वे हथियार छोड़कर समाज की मुख्यधारा में आ जाएं। उन्होंने बस्तर ओलंपिक के बारे में बात करते हुए कहा कि बस्तर के होनहार बच्चे भारत का भविष्य हैं।

मशहूर तबला वादक जाकिर हुसैन का निधन, 73 साल की उम्र में ली आखिरी सांस

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रसिद्ध तबला वादक और पद्मविभूषण से सम्मानित उस्ताद जाकिर हुसैन का रविवार रात में निधन हो गया। 73 वर्षीय जाकिर हुसैन हृदय संबंधी समस्याओं की वजह से अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को शहर में इलाज करा रहे थे। वहीं के एक अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली।तबले की थाप से एक पूरे युग को प्रभावित करने वाले जाकिर हुसैन पिछले कुछ वक्त से हृदय संबंधी बीमारी से परेशान थे। उसी का इलाज कराने के लिए वो अमेरिका के शहर सैन फ्रांसिस्को के एक अस्पताल के आईसीयू में भर्ती थे।

जाकिर हुसैन की प्रबंधक निर्मला बचानी ने बताया कि अमेरिका में रह रहे 73 वर्षीय संगीतकार को रक्तचाप की समस्या थी। साथ ही उन्होंने बताया कि उस्ताद को हृदय संबंधी समस्या भी थी। जिसको लेकर वो पिछले कुछ समय से सैन फ्रांसिस्को के एक

अस्पताल में भर्ती थे। भारत के सबसे प्रसिद्ध शास्त्रीय संगीतकारों में से एक हुसैन को 1988 में पद्म श्री, 2002 में पद्म भूषण और 2023 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। इसके अलावा हुसैन को पांच ग्रैमी अवॉर्ड से भी नवाजा गया है।

दो राज्यों के किसानों की तकदीर बदलेगी पार्वती-कालीसिंध-चबल लिंक परियोजना

एजेंसी

भोपाल। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के नदी जोड़ो अभियान के स्वप्न को साकार करने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मध्य प्रदेश और राजस्थान के बीच समझौता कराते हुए पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना को मूर्त रूप दिया। इसकी शुरूआत मध्य प्रदेश की पावन भूमि से होने जा रही है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में विशेष प्रयास कर मालवा और चंबल क्षेत्र के 11 जिलों के 2012 ग्रामों की तस्वीर और तकदीर बदलने में महती भूमिका निभाई है। यह परियोजना मध्य प्रदेश के गुना, शिवपुरी, सीहोर, देवास, राजगढ़, उज्जैन, आगर-मालवा, इंदौर, शाजापुर, मंदसौर एवं मुरैना के किसानों को सिंचाई के लिये भरपूर पानी और पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करेगी। इससे किसानों के जीवन में खुशहाली आने के साथ उनकी फसलें भी लहलहा उठेंगी।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि मध्य प्रदेश और राजस्थान को समृद्ध और किसानों को खुशहाल बनाने वाली पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना के लिये त्रि-

स्तरीय अनुबंध प्रधानमंत्री मोदी की मौजूदगी में 17 दिसम्बर को जयपुर में होगा। यह दिन मध्य प्रदेश और राजस्थान के लिए ऐतिहासिक होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा मध्य प्रदेश और राजस्थान को दी गई पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना की अनूठी सौगात दोनों राज्यों के किसानों और नागरिकों के लिए वरदान साबित होगी। इससे किसानों को भरपूर सिंचाई के लिए पानी मिलेगा और विकास के नये द्वार खुलेंगे। परियोजना से दोनों राज्यों में समृद्धि आयेगी। उन्होंने बताया कि प्रदेश का मालवा अंचल औषधीय फसलों के साथ अन्य फसलों के उत्पादन में अग्रणी रहा है। परियोजना से मिलने वाले जल से किसान अपनी उपज को दोगुना कर सकेंगे, जिससे उनके परिवार के साथ प्रदेश भी समृद्ध होगा।

लोकमाता अहिल्याबाई होलकर का लोक कल्याणकारी राज्य का दर्शन आज भी प्रासंगिक : सुरेश सोनी

एजेंसी

प्रयागराज। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य सुरेश सोनी ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होलकर का लोक कल्याणकारी राज्य का दर्शन आज भी अत्यंत प्रासंगिक है। हम उनसे प्रेरणा ले सकते हैं। उन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन सनातन संस्कृति की रक्षा और समाज कल्याण के लिए समर्पित कर दिया। अपने शासनकाल में अहिल्याबाई होलकर ने उन जीवन मूल्यों की पुनर्स्थापना की, जो विदेशी आक्रमणों के दौरान कमजोर हो गए थे। उनकी जीवन यात्रा 'राजश्री से राजर्षि' तक की थी।

सुरेश सोनी ने यह विचार मोतीलाल नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, तेलियरगंज के एमपी सभागार में आयोजित लोकमाता अहिल्याबाई होलकर जन्म त्रिशताब्दी समारोह में बतौर मुख्य अतिथि व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि लोकमाता के आदर्श आज भी संघ कार्यों के प्रेरणाश्रोत हैं। यह सुखद संयोग है कि वर्ष 1725 में लोकमाता का जन्म हुआ और ठीक 200 वर्ष बाद, 1925 में आरएसएस की स्थापना हुई। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय संस्कृति का सतत् प्रवाह, हमारे

महापुरुषों द्वारा समय-समय पर उसके पुनरोद्धार के कारण है। भारतीय समाज में पुरुष और महिला एक-दूसरे के पूरक हैं और हमारे सारे प्रतीक इस बात को दर्शाते हैं समारोह में विशिष्ट अतिथि कैप्टन मीरा सिद्धार्थ दवे ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई, गार्गी और मैत्रेयी जैसी महान महिलाओं की तरह सम्पूर्ण नेता थीं। उन्होंने धर्म और राज्य दोनों का विवेकपूर्ण प्रबंधन किया। अपने शासनकाल में उन्होंने महिलाओं को शस्त्र और शास्त्र दोनों का ज्ञान दिया। विशिष्ट अतिथि होलकर वंश के प्रतिनिधि उदय राजे होलकर ने कहा कि आरएसएस द्वारा लोकमाता के कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प स्वागत योग्य है। उन्होंने बदरिकाश्रम से लेकर काशी और द्वारिका तक कई मंदिरों का पुनरोद्धार कराया और अपने शासनकाल में दूरदर्शिता का परिचय देते हुए अपनी राजधानी में सूर्य घड़ी और होलकर राज्य का पंचांग भी बनवाया। समारोह की संयोजिका डॉ कीर्तिका अग्रवाल ने कहा कि लोकमाता ने अपनी साधना और समाज सेवा से हमारे जीवन मूल्यों की पुनर्स्थापना की, जो हमें आज भी गौरव का अनुभव कराता है। कार्यक्रम का संचालन शालू केसरवानी ने किया और नारायण आश्रम की बालिकाओं द्वारा प्रस्तुत लावणी नृत्य और नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से लोकमाता के जीवन संघर्ष को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया।

मप्र के आधे जिले शीतलहर की चपेट में, ठंड ने तोड़ा पिछले 10 सालों का रिकॉर्ड

एजेंसी

भोपाल। उत्तर भारत की तरफ से लगातार आ रही बर्फीली हवाओं के कारण पूरे बीते चार दिनों से मध्य प्रदेश में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। प्रदेश के आधे जिले शीतलहर की चपेट में रहे। लोग दिन में भी ठिठुरते नजर आए। यहां नौ शहरों में तो पारा पांच डिग्री से भी नीचे आ गया। प्रदेश में सबसे कम एक डिग्री सेल्सियस तापमान कल्याणपुर (शहडोल) और हिल स्टेशन पचमढ़ी में दर्ज किया गया, जो इस सीजन का सबसे कम तापमान है। पिछले 10 साल में ऐसा दूसरी बार हुआ है, जब दिसंबर इतना ठंडा रहा हो। भोपाल में चार डिग्री से कम तापमान 2021 में गया था। 17 शहर शीतलहर की चपेट में रहे। इनमें से चार में तीव्र शीत लहर का प्रभाव रहा।भोपाल के मौसम विज्ञान केंद्र से मिली जानकारी के मुताबिक, रायसेन, राजगढ़, खंडवा, शाजापुर, उमरिया, मंडला, सिवनी, नौगांव,

अनूपपुर, नीमच, शिवपुरी, सिंगरौली, पचमढ़ी में शीत लहर का प्रभाव रहा। भोपाल, सीहोर, शहडोल जबलपुर में तीव्र शीत लहर चली। वहीं, भोपाल, पचमढ़ी, रायसेन, राजगढ़, जबलपुर, मंडला, नौगांव, उमरिया एवं मलाजखंड में न्यूनतम तापमान पांच डिग्री से कम रहा। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक, अभी दो दिन तक ठंड के तेवर ऐसे ही तीखा बने रहने की संभावना है। उसके बाद मामूली राहत मिलने की उम्मीद है।मौसम विभाग के अनुसार, दिन में पचमढ़ी से ठंडा भोपाल और ग्वालियर रहा। बड़े शहरों में भोपाल-ग्वालियर में दिन का अधिकतम तापमान 24.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया। इंदौर में 26.7 डिग्री, उज्जैन में 27.5 डिग्री और जबलपुर में 24.8 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। वहीं सीधी-मलाजखंड में टेम्प्रेचर 22.6 डिग्री रहा। नरसिंहपुर में 23 डिग्री, रायसेन में 23.6 डिग्री, पचमढ़ी में 24.7 डिग्री, दमोह-खजुराहो में 24.8 डिग्री और उमरिया में 24.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।भोपाल मौसम विज्ञान केन्द्र की वरिष्ठ मौसम विशेषज्ञ डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि उत्तर भारत से बर्फीली हवा आ रही है, जो स्ट्रॉन्ग है। वर्तमान में उत्तर-पश्चिम भारत के ऊपर जेट स्ट्रीम (12.6 किलोमीटर की ऊंचाई पर पश्चिम से पूर्व की तरफ 222 किमी. प्रति घंटा की रफ्तार से हवाओं का चलना) बना हुआ है।

पंजाब : ड्रग व हथियारों की अंतरराष्ट्रीय सप्लाई में आठ गिरफ्तार

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने राज्य के सीमावर्ती जिला अमृतसर में अभियान चलाकर अंतरराष्ट्रीय ड्रग व हथियारों की तस्करी के आरोप में आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों के कब्जे से भारी मात्रा में हेरोइन, हथियार और ड्रग मनी बरामद की है। पुलिस सभी आरोपियों की पृष्ठभूमि खंगाल रही है।

पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस ऑपरेशन के दौरान पुलिस ने 4.5 किलोग्राम हेरोइन, दो ग्लॉक पिस्तौल (9 एमएम), दो पिस्तौल (30 बोर), एक पिस्तौल (32 बोर), एक जगिना पिस्तौल (30 बोर), 16 जिंदा कारतूस और 1.5 लाख की नकदी बरामद की गई है। इस मामले में थाने घरिंडा में एनडीपीएस और आर्म्स एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस ने बताया कि इस ऑपरेशन के तहत न केवल ड्रग्स और हथियारों की तस्करी पर बड़ा प्रहार किया गया है, बल्कि इनकी आपूर्ति से जुड़े पिछले और संभावित नेटवर्क का भी पता लगाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पुलिस का कहना है कि यह गिरोह अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स तस्करी और हथियारों की सप्लाई में सक्रिय था। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ में नशे और हथियारों की तस्करी में शामिल अन्य लिंक का पता लगाने की कोशिश की जा रही है।

एक देश एक चुनाव के मुद्दे पर केन्द्र का समर्थन करेगी बसपा : मायावती

एजेंसी

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने कहा कि 'एक देश एक चुनाव' के मुद्दे पर उनकी पार्टी केन्द्र सरकार का समर्थन करेगी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि यदि सरकार कोई संविधान में संशोधन अपनी पार्टी या किसी विशेष व्यक्ति व संस्था को फायदा पहुंचाने के लिए करती है तो बसपा इसका समर्थन नहीं करेगी।

मायावती ने लखनऊ स्थित अपने आवास पर पत्रकार वार्ता के दौरान संसद में संविधान को लेकर हुई चर्चा का जिक्र करते हुए राजनीतिक दलों पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि संविधान की 75 वर्षों की गौरव यात्रा पर इस साल भी संसद में काफी गरम चर्चा चल रही है। इस चर्चा का महत्व व उसकी उपयोगिता तभी संभव है जब खुले मन से यह स्वीकार किया जाए कि क्या शासक वर्ग मानवतावादी व कल्याणकारी संविधान की पवित्र

मंशा के हिसाब से देश के करोड़ों लोगों को रोजगार, न्याय तथा आत्मसम्मान एवं स्वाभिमान का जीवन दे पाया है ? उन्होंने कहा कि देश में अब तक राज करने वाली पार्टियों ने संविधान पर सही से अमल करने के मामले में अपनी सच्ची निष्ठा, ईमानदारी व देशभक्ति अगर निभायी होती तो फिर अपने देश का हाल आज इतना बदहाल नहीं होता। यहां लगभग 80 करोड़ लोगों को रोजगार के अभाव में अपनी भूख मिटाने के लिए थोड़े से सरकारी अनाज का मोहताज जीवन गुजराने को मजबूर नहीं होना पड़ता।अभी भी यहां के किसान, मजदूर, व्यापारी और मेहनतकश लोगों के साथ-साथ छात्र व युवा वर्ग, महिलाएं एवं बुजुर्ग, ये सभी अपनी समस्याओं को लेकर काफी ज्यादा परेशान व चिंतित हैं। इससे यह स्पष्ट है कि संविधान विफल नहीं रहा बल्कि देश पर राज करने वाले लोगों व पार्टियों ने ही देश के संविधान को फेल करने का काम किया है।मायावती ने आगे कहा कि यही कारण संसद में जब अब संविधान को लेकर विशेष चर्चा हो रही है तो खासकर कांग्रेस और भाजपा के बीच वही घिसे-पिटे पुराने अलाप हो रहे हैं। आरोप–प्रत्यारोप लगा रहे हैं कि हमसे ज्यादा तुम दोषी, जैसी संकीर्ण राजनीति कर रहे हैं। बसपा प्रमुख ने कहा कि संसद में हो रही इस चर्चा में सत्ता व विपक्ष को सुनकर ऐसा लगता है कि इन्होंने अपने–अपने राजनैतिक स्वार्थ में अब संविधान का ही काफी हद तक राजनीति करण कर दिया है। इस मौके पर कोई संविधान की कॉपी अपने माथे पर लगा रहा है तो कोई इसे अपने हाथ में लेकर दिखाने में लगा है। अब इसकी आड़ में देश व जनहित के जरूरी मुद्दे भी दर किनार कर दिए जा रहे हैं।मायावती ने कहा कि हमारी पार्टी लोगों को सावधानी के तौर पर यह कहना चाहती है कि इस बार संसद में संविधान को लेकर हुई चर्चा के दौरान सत्ता–विपक्ष भी इन वर्गों के वोटों को लुभाने के लिए, खासकर कांग्रेस-सपा ने देश के एससी-एसटी व ओबीसी वर्गों के आरक्षण को लेकर काफी कुछ हवा-हवाई बातें कही हैं। इसमें रत्ती भर भी सच्चाई नहीं है। भाजपा की भी आरक्षण विरोधी मानसिकता साफ झलकती है, जो इसे पास कराने के कतई मूड में नहीं है। वहीं, राहुल गांधी ने भी इन वर्गों के आरक्षण को ही सही वक्त आने पर खत्म करने का ऐलान किया है।

भारत और बांग्लादेश ने मनाया विजय दिवस, 1971 के युद्ध के वीरों को दी गई श्रद्धांजलि

एजेंसी

कोलकाता। भारत और बांग्लादेश ने 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध की 53वीं वर्षगांठ पर विजय दिवस मनाया। इस अवसर पर दोनों देशों के युद्धवीरों और सैन्य अधिकारियों ने कोलकाता के फोर्ट विलियम में स्थित पूर्वी कमान मुख्यालय में 1971 के युद्ध के बलिदानियों को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान सभी धर्मों के गुरुओं ने प्रार्थना की और सेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। भारतीय सेना के अनुसार, भारत से आठ युद्धवीर और दो सैन्य अधिकारी बांग्लादेश के विजय दिवस समारोह में शामिल होने के लिए ढाका पहुंचे, जबकि बांग्लादेश के आठ मुक्ति योद्धा और दो सैन्य अधिकारी ब्रिगेडियर जनरल मोहम्मद अमीनुर रहमान के नेतृत्व में कोलकाता में आयोजित विजय दिवस समारोह में

भाग लेने भारत आए।विजय दिवस का महत्वः विजय दिवस हर वर्ष 16 दिसंबर को भारत की पाकिस्तान पर ऐतिहासिक जीत की स्मृति में मनाया जाता है। 1971 के मुक्ति संग्राम के दौरान मात्र 13 दिनों की लड़ाई में पाकिस्तान ने हार मानकर ढाका में आत्मसमर्पण समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इस जीत के बाद पूर्वी पाकिस्तान आजाद होकर बांग्लादेश के रूप में अस्तित्व में आया।

भारतीय सभ्यता और संस्कृति को संजोने में महती भूमिका निभा रही संस्कार भारतीः सुनील आंबेकर

एजेंसी

कोलकाता। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने कहा कि नर्तेश्वर शिव पर केंद्रित इस तरह का आयोजन भारतीय सभ्यता और संस्कृति की विराटता का जीवंत उदाहरण है। उन्होंने कहा कि कलाकारों ने जिस तरह से नर्तेश्वर की मूर्ति चित्रित की है, वह देखने योग्य है। उन्होंने संस्कार भारती के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि भारतीय सभ्यता और संस्कृति को संजोने और उसे पुनर्जीवित करने में संस्कार भारती महती भूमिका निभा रही है। आंबेकर रविवार को कोलकाता स्थित भारतीय संग्रहालय के आशुतोष जन्मशताब्दी सभागार में भारतीय संस्कृति और बंगाल की समृद्ध परंपराओं को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से आयोजित नर्तेश्वर नृत्य उत्सव और नर्तेश्वर चित्रकला प्रदर्शनी की भव्य प्रस्तुति के कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। यह कार्यक्रम पश्चिम बंगाल संस्कृति केंद्र के सहयोग से संस्कार भारती पश्चिम बंगाल (दक्षिण बंगाल प्रांत) द्वारा आयोजित किया गया था।

स्वरूप घोष ने कहा कि संस्कार भारती भारतीय सभ्यता और संस्कृति को आगे बढ़ाने और इसके गूढ़ रहस्य को विश्व पटल पर लाने के लिए बड़े पैमाने पर काम कर रही है। इस तरह का आयोजन अपने आप में अद्वितीय है। उन्होंने नर्तेश्वर शिव की शानदार प्रतिमाओं के चित्रण के लिए कलाकारों को बधाई दी और कहा कि इस तरह का आयोजन नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति को समझने में मददगार बनेगा।

इस आयोजन का मुख्य आकर्षण नर्तेश्वर शिव की प्रस्तुति और उनके महत्व पर केंद्रित था। शिव की यह छवि, जो बंगाल की सांस्कृतिक परंपराओं में अद्वितीय स्थान रखती है, संगीत, नृत्य और वाद्य यंत्रों के त्रिविधा संयोजन का प्रतीक है। बंगाल में शिव को नर्तेश्वर के रूप में पूजा जाता है, जो आनंदमय नृत्य के माध्यम से सृजन और विनाश की शक्ति का परिचय देते हैं।

ज्योर्तिमठ के शंकराचार्य ने प्रारंभ की शीतकालीन चार धाम यात्रा

एजेंसी

हरिद्वार। ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने चंडीघाट क्षेत्र के नमामि गंगे घाट पर आजादी शीतकालीन चारधाम यात्रा की शुरुआत कर दी है। यात्रा शुरू करने से पहले शंकराचार्य ने मां गंगा की पूजा-अर्चना की। इस दौरान पत्रकारों से वार्ता करते हुए शंकराचार्य ने कहा कि हम सभी को आशा थी कि जब बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार हो रहा है, तो भारत सरकार बांग्लादेशी हिंदुओं के पक्ष में आवाज उठाएगी, लेकिन सरकार मामले में कुछ बोल नहीं रही है। सरकार को जल्द कड़े कदम उठाकर पूरे विश्व के हिंदुओं और विभिन्न देशों की सरकारों को संदेश

देना चाहिए कि दूसरे देशों में रहने वाले हिंदुआ को कोई छुएगा तो भारत सरकार उन हिंदुओं के साथ खड़ी है। शीतकालीन चारधाम यात्रा पर शंकराचार्य ने कहा कि ग्रीष्मकाल के समय में ग्रीष्मकालीन स्थान पर भगवान की पूजा होती है। ऐसे ही शीतकाल के समय में शीतकालीन स्थान पर भगवान की पूजा जारी रहती है। कपाट बंद होने के बाद भगवान की पूजा बंद नहीं होती है। वर्षभर चारधाम यात्रा चलती रहती है। भ्रम की स्थिति लोगों में बनी हुई थी कि कपाट बंद होने के बाद चारधाम की पूजा बंद हो जाती है। इस भ्रम को तोड़ने के लिए शीतकालीन चारधाम यात्रा की शुरुआत की गई है। उन्होंने कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी शीतकालीन चारधाम यात्रा में रूचि ली है, जो कि बहुत अच्छी बात है। सरकार अपने स्तर से काम कर रही है। हम अपने स्तर से काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि नौ जनवरी को कुंभ क्षेत्र में वह प्रवेश करेंगे। बताया की कुंभ मेले में गौ प्रतिष्ठा महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। 1800 पंडित, 324 कुंड बना कर पूरे महीने यज्ञ में आहुति देते हुए गौ माता की प्राण और प्रतिष्ठा के लिए यज्ञ किया जाएगा। धर्म संसद का आयोजन किया जाएगा ताकि कुंभ से गौ हत्या बंदी और गौ प्रतिष्ठा का संदेश जाएं।

अगर हम यह कहें कि बनारस इतिहास, सभ्यता, मिथक और दंतकथाओं से भी पुराना है, तो यह गलत न होगा। वाराणसी को यह नाम यहां पर स्थित दो नदियों के कारण दिया गया, वरुण और असि।

इतिहास से भी पुराना बनारस

यह कहना शायद मिथ्या होगी कि विश्व में ऐसा कोई हिन्दू है, जो कि उत्तरप्रदेश में गंगा नदी के पावन तट पर बसे काशी विश्वनाथ की नगरी वाराणसी के बारे में नहीं जानता। वाराणसी के साथ ही साथ इसे बनारस और काशी के नाम से भी जाना जाता है, जो कि विश्व के प्राचीनतम नगरों में से एक है। अगर हम यह कहें कि बनारस इतिहास, सभ्यता, मिथक और दंतकथाओं से भी पुराना है, तो यह गलत न होगा। वाराणसी को यह नाम यहां पर स्थित दो नदियों के कारण दिया गया, वरुण और असि। यह दोनों नदियां काशी में गंगा में समाहित हो जाती है, जिस कारण से इसका नाम वाराणसी पड़ा। पुराणों के अनुसार काशी का निर्माण स्वयं भगवान षिव और देवी पार्वती के द्वारा किया गया था और इसीलिये इसे तीर्थों का तीर्थ समझा जाता है।

कहां ठहरें

होटल ताज गंगेज़, होटल सिद्धार्थ, होटल गौतम ग्रैंड, होटल इंडिया, प्रीति गेस्ट हाउस, अम्बिका लॉज, होटल मोती महल

कब जाएं

वैसे तो वाराणसी का मौसम हर समय सुहाना रहता है, लेकिन अगर आप वाराणसी जाना चाहते हैं, तो सबसे अच्छा समय सितंबर से मार्च को होगा, जब आप बारिश या गर्मी की समस्या के बिना आराम से पूरा नगर घूम सकते हैं।

कैसे पहुंचें

रेल द्वारा: वाराणसी भारतीय रेलवे का एक मुख्य स्टेशन है। भारत के कई प्रमुख नगरों से वाराणसी के लिये सीधी ट्रेनें उपलब्ध रहती है। इसके अतिरिक्त वाराणसी से मात्र 16 किमी की दूरी पर स्थित मुगलसराय एक अन्य निकटतम प्रमुख स्टेशन है, जो कि भारत का सबसे बड़ा रेलवे यार्ड है।

सड़क द्वारा: वाराणसी एनएच 2, एनएच 7 और एनएच 29 के द्वारा भारत के सभी प्रमुख नगरों से जुड़ा हुआ है। उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्यप्रदेष के सभी निकटतम प्रमुख नगरों से बस सेवा भी उपलब्ध रहती है। इसके अतिरिक्त आप निजी वाहन का प्रयोग भी कर सकते हैं।

वायुयान द्वारा: बाबतपुर एयरपोर्ट वाराणसी का प्रमुख एयरपोर्ट है, जो कि वाराणसी से 18 किमी की दूरी पर स्थित है।

बिड़ला मंदिर: बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के एक भाग के रूप में स्थित नए विश्वनाथ मंदिर को ही बिड़ला मंदिर कहते हैं। पंडित मदन मोहन मालवीय द्वारा योजनाबद्ध किये गये इस मंदिर का निर्माण भारत के अत्यंत प्रतिष्ठित औद्योगिक घराने बिड़ला परिवार द्वारा करवाया गया था। इस मंदिर के द्वार हर धर्म के लोगों के लिये खुले हैं।

कालभैरव मंदिर: कालभैरव मंदिर मुख्य पोस्ट ऑफिस विश्वेश्वरगंज के पास स्थित एक प्राचीन मंदिर है। ऐसा कहा जाता है कि कालभैरव काशी के रखवाले हैं और उनकी आज्ञा के बिना कोई भी बनारस में ठहर नहीं सकता है। इसीलिये उन्हें वाराणसी का कोतवाल भी कहते हैं।

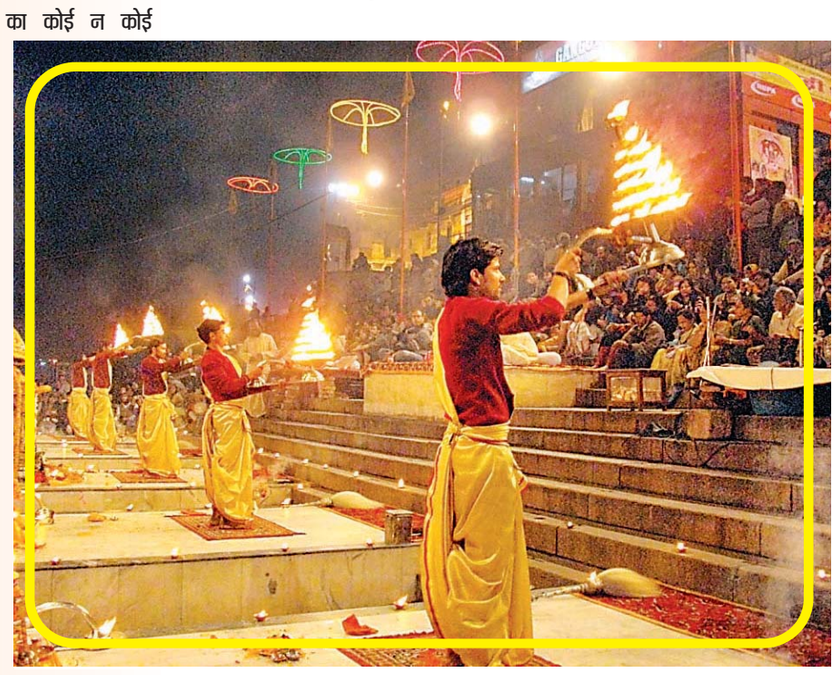

सारनाथ: वाराणसी से करीब 15 कि.मी. की दूरी पर स्थित सारनाथ भगवान बुद्ध को समर्पित है। सारनाथ बौद्ध धर्म का धार्मिक केन्द्र और चार तीर्थों में से एक है। बोधगया में ज्ञान की प्राप्ति के बाद भगवान बुद्ध ने सारनाथ में ही अपने पांच शिष्यों को अपने पहले उपदेश दिये थे। सारनाथ में प्रवेश करते ही सबसे पहला महत्वपूर्ण स्थान चौखंडी स्तूप स्थित है, जिसका निर्माण सम्राट अशोक द्वारा करवाया गया था। धमेक स्तूप भी अत्यंत महत्वपूर्ण स्तूप है और इसी के पास स्थित मूलगंध कुटि विहार भी स्थित है, जो कि एक बौद्ध मंदिर है। इसके अतिरिक्त सारनाथ में अन्य कई बौद्ध मंदिर भी है, जैसे कि चीनी मंदिर, तिब्बती मंदिर, जापानी मंदिर आदि। सारनाथ संग्रहालय भी सारनाथ के प्राचीन इतिहास का एक झरोखा देखने के लिये एक अच्छा स्थान है।

रामनगर: वाराणसी से मात्र 14 किमी की दूरी पर रामनगर स्थित है, जो कि रामनगर किले के लिये प्रसिद्ध है। गंगा नदी के किनारे इस किले का निर्माण सन् 1750 में वाराणसी के राजा के द्वारा करवाया गया था, लेकिन यह आज अपने संग्रहालय के लिये प्रसिद्ध है, जिसमें विंटेज कार, शाही पालकी, तलवारें, बंदूकें आदि सम्मिलित हैं। इसके अतिरिक्त भी वाराणसी में कई अन्य महत्वपूर्ण स्थान है, जैसे कि अन्नपूर्णा मंदिर, भारत कला भवन, काशी विद्यापीठ, दुर्गा मंदिर, जैन मंदिर आदि।

क्यों देखें

चौरासी घाट: पवित्र गंगा नदी के तट को कुल चौरासी घाटों में विभाजित किया गया है, जिनमें स्नान करके शुद्ध होने के बाद ही श्रद्धालु काशी विश्वनाथ के दर्शन को जाते हैं। वैसे तो लगभग सभी घाटों का कोई न कोई ऐतिहासिक महत्व है, लेकिन कुछ घाट ऐसे भी है, जो कि धार्मिक रूप से भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। जैसे, काशी विश्वनाथ मंदिर के सबसे निकट स्थित दशाश्वमेध घाट के लिये माना जाता है कि यहां पर भगवान ब्रह्मा ने दस अश्वों की बलि दी थी। मणिकर्णिका घाट के लिये यह माना जाता है कि शिव के नृत्य करते समय यहीं पर उनके कान की मणि गिरी थी। हरिश्चन्द्र घाट के लिये यह किवदंती है कि इस घाट पर स्थित श्मशान पर ही राजा हरिश्चन्द्र काम किया करते थे। काशी का सबसे पहला घाट अस्सि घाट है और सबसे आखिरी आदि केशव घाट जिसे वेदेश्वर घाट भी कहते हैं। गंगा दशहरा के दिन यहां एक शोभायात्रा का आयोजन किया जाता है, जो कि अस्सि घाट से वेदेश्वर घाट तक जाती है।

काशी विश्वनाथ: बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक काशी विश्वनाथ का मंदिर भारत ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में स्थित भगवान शिव के सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। इस मंदिर की प्राचीनता का अंदाजा लगाना तो आज भी संभव नहीं है क्योंकि इस मंदिर का वर्णन पुराणों में भी किया गया है। वैसे तो इस मंदिर को कई बार क्षतिग्रस्त किया गया और कई बार इसका पुनर्निर्माण भी करवाया गया, लेकिन वर्तमान मंदिर का निर्माण इंदौर की महारानी अहिल्याबाई होल्कर द्वारा सन् 1780 में करवाया गया था, जिसके बाद सन् 1835 में पंजाब के राजा महाराज रणजीत सिंह जी द्वारा इस मंदिर के गुंबदों पर करीब एक हजार किलोग्राम सोना लगवाया गया।

संकटमोचन मंदिर: काशी में असि नदी के किनारे रामभक्त हनुमान के सबसे पवित्र मंदिरों में से एक संकटमोचन मंदिर है। इस मंदिर का निर्माण गोस्वामी तुलसीदास के द्वारा करवाया गया था। हनुमान जी को संकटमोचन के नाम से भी जाना जाता है, जिसका अर्थ है सभी संकटों को हरने वाला। इस मंदिर को वानर मंदिर के नाम से भी जाना जाता है क्योंकि यहां पर कई मंदिर है, जिन्हें प्रसाद दिए बिना आपका मंदिर से बाहर जा पाना मुश्किल है।

भारत माता मंदिर: वाराणसी का भारत मंदिर भारत माता को समर्पित किया गया एक मंदिर है। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के कैंपस में स्थित इस मंदिर का निर्माण बाबू शिव प्रसाद गुप्ता जी के द्वारा करवाया गया था, जिसका उद्घाटन सन् 1936 में महात्मा गांधी के हाथों से हुआ था। इस मंदिर में संगमरमर का बना भारत का एक नक्काशीदार मानचित्र है।

तुलसी मानस मंदिर: तुलसी मानस मंदिर का निर्माण वाराणसी के नागरिकों द्वारा किया गया था। यह मंदिर मूलरूप से भगवान राम और उनके जीवनचरित्र को समर्पित है। ऐसा कहा जाता है कि इस मंदिर का निर्माण उसी स्थान पर करवाया गया है, जहां पर गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरितमानस की रचना की थी। इस मंदिर में एक रामचरितमानस का वर्णन करती हुई एक विद्युत प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जाता है।

डब्ल्यूपीएल नीलामी में सिमरन शेख सबसे महंगी खिलाड़ी

एजेंसी

बेंगलुरु। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2025 की हुई मिनी नीलामी में लेग स्पिनर को सिमरन शेख को मुंबई इंडियंस ने दिन की सबसे बड़ी बोली लगाकर 1.90 करोड़ रूपये में खरीदा। सिमरन का यह चयन उनकी टी-20 क्रिकेट में उनकी गेम-चेंजर की भूमिका को दर्शाता है। इसके अलावा मुंबई ने शानदार प्रदर्शन कर रही तमिलनाडु की 16 वर्षीय जी कमलिनी को 1.60 करोड़ रूपये में खरीदा । कमलिनी के लिए अनकैप्ड में सबसे बड़ी बोली लगी। वेस्टइंडीज की ऑलराउंडर डिएंड्रा डॉटिन को गुजरात जायंट्स ने 1.70 करोड़ रूपये में खरीदा। डॉटिन ने हाल ही में आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप 2024 में शानदार प्रदर्शन किया था। विश्वकप में उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ रन देकर चार विकेट लिये थे। इसके अलावा उन्होंने 167.3 की स्ट्राइक रेट से 82 रन भी बनाए थे। नीलामी में प्रमुख भारतीय खिलाड़ी स्नेह राणा और पूनम यादव शुरुआती दौर में नहीं मिला खरीदार। इस बीच, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने प्रेमा रावत को 1.2 करोड़ रूपये में और दिल्ली कैपिटल्स ने एन. चरानी को 55 लाख रूपये में खरीदा।

जिम्बाब्वे के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए राशिद खान की अफगानिस्तान टेस्ट टीम में वापसी

काबुल। अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान तीन साल से ज़्यादा समय बाद अपना पहला टेस्ट मैच खेलने के लिए तैयार हैं। उन्हें जिम्बाब्वे में होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज़ के लिए टीम में शामिल किया गया है। राशिद ने इससे पहले कमर में चोट के कारण मेडिकल सलाह पर लंबे फ़ॉर्मेट से ब्रेक लिया था। राशिद ने अपना आखिरी टेस्ट भी जिम्बाब्वे के खिलाफ मार्च 2021 में अबू धाबी में खेला था। टीम में ऑलराउंडर इस्मत आलम, बाएं हाथ के स्पिनर जहीर शहजाद और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज बशीर अहमद अफगान सहित सात अनकैप्ड खिलाड़ी शामिल हैं। तीनों को उनके मजबूत घरेलू प्रदर्शन का इनाम मिला है और वे अजमतुल्लाह उमरजई, फरीद अहमद, रियाज हसन और सेदिकुल्लाह अटल के साथ जुड़ेंगे, जिन्होंने अभी तक टेस्ट क्रिकेट में अफगानिस्तान का प्रतिनिधित्व नहीं किया है। हालांकि, उमरजई, फरीद और रियाज सभी न्यूजीलैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के लिए टीम का हिस्सा थे, जो इस साल की शुरुआत में सितंबर में एक भी गेंद फेंके बिना धुल गया था। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) के अंतरिम मुख्य चयनकर्ता अहमद शाह सुलेमानखिल ने एक बयान में कहा, राशिद खान की टेस्ट टीम में वापसी हुई है, जो हमारे लाल गेंद के खेल के लिए एक आशाजनक संकेत है।

ब्रिसबेन टेस्ट तीसरा दिनः बारिश की लुका-छिपी के बीच भारत की खराब शुरुआत, 51 रन पर खोए चार विकेट

ब्रिसबेन। यहां गाबा के मैदान पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तहत खेले जा रहे तीसरे मैच के तीसरे दिन का खेल खत्म होने पर भारत ने केवल 51 रन पर चार विकेट खो दिये हैं।केएल राहुल 33 और कप्तान रोहित शर्मा बिना खाता खोले नाबाद हैं। इससे पहले आज ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 445 रनों पर समाप्त हुई। बारिश के व्यवधान के बीच भारत की पहली पारी की शुरूआत खराब रही और मिचेल स्टॉर्क ने पारी की दूसरी ही गेंद पर यशस्वी जायसवाल (04) चलता कर भारत को पहला झटका दिया। शुभमन गिल भी कुछ खास नहीं कर सके और केवल 1 रन बनाकर चलते स्टॉर्क का दूसरा शिकार बने। विराट कोहली एक बार फिर असफल रहे और केवल 3 रन बनाकर हेजलवुड का शिकार बने। हालांकि इसके बाद बारिश शुरु हो गई और लंच की घोषणा हो गई। लंच के बाद जब मैच शुरु हुआ तो पंत और राहुल ने भारत की पारी को आगे बढ़ाया। हालांकि इसके बाद फिर बारिश शुरु हो गई। बारिश जब रूकी तो पंत (09) के रुप में भारत को चौथा झटका लगा। पंत के आउट होने के बाद बारिश शुरु हो गई और चायकाल की घोषणा हो गई। बारिश रूकने के बाद मैच केवल 4 ओवर को ही हो सका और फिर बारिश शुरु हो गई, जिसके बाद दिन के खेल को समाप्त घोषित कर दिया गया। खेल की समाप्ति पर भारत ने 4 विकेट पर 51 रन बना लिए हैं। केएल राहुल 33 और रोहित बिना खाता खोले नाबाद हैं।

भारत ने दूसरी बार जीता महिला जूनियर एशिया कप का खिताब, पेनल्टी शूटआउट में चीन को हराया

मस्कट। निर्धारित समय के अंत में 1-1 से बराबरी के बाद, भारत ने पेनल्टी शूटआउट में चीन पर 3-2 से जीत हासिल कर लगातार दूसरी बार महिला जूनियर एशिया कप का खिताब जीता। जिनजुआंग टैन (30') ने चीन के लिए पहला गोल किया लेकिन कनिका सिवाच (41') ने तीसरे क्वार्टर में भारत के लिए बराबरी का गोल दागा और मैच पेनल्टी शूटआउट में चला गया। भारत की गोलकीपर निधि ने पेनल्टी शूटआउट के दौरान तीन महत्वपूर्ण बचाव किए और अपनी टीम को खिताब जीतने में मदद की। इस अवसर पर हॉकी इंडिया ने सभी के प्रयास और चैंपियनशिप जीतने के लिए प्रत्येक खिलाड़ी को 2 लाख रुपये और प्रत्येक सहयोगी स्टाफ को 1 लाख रुपये का इनाम देने की घोषणा की। पहले क्वार्टर में दोनों पक्ष समान प्रगति कर रहे थे और शुरुआती गोल करने की कोशिश कर रहे थे। कब्ज़ा साझा किया गया और दोनों टीमों ने अच्छे अवसर बनाए लेकिन गतिरोध को तोड़ नहीं सके। भारत को दो पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन चीनियों ने उनका अच्छी तरह से बचाव किया और सभी गोल बराबर बनाए रखे।

शाकिब को सभी शीर्ष स्तरीय क्रिकेट, घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मैचों में गेंदबाजी से किया गया निलंबित

एजेंसी

नई दिल्ली। शाकिब अल हसन को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा अनुमोदित राष्ट्रीय महासंघों द्वारा संचालित सभी प्रतियोगिताओं में गेंदबाजी करने से निलंबित कर दिया गया है, चाहे वह घरेलू हो या अंतरराष्ट्रीय। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने एक बयान में उक्त जानकारी दी। शाकिब को इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने अवैध गेंदबाजी एक्शन के लिए गेंदबाजी करने से निलंबित कर दिया था, और बीसीबी ने कहा कि यह अगला कदम है। बोर्ड ने यह भी कहा कि शाकिब जल्द ही अपने गेंदबाजी एक्शन को मंजूरी दिलाने और निलंबन हटाने के प्रयास में एक मान्यता प्राप्त परीक्षण केंद्र में पुनर्मूल्यांकन के लिए उपस्थित होंगे।सितंबर में इंग्लिश काउंटी क्रिकेट मैच के दौरान संदिग्ध गेंदबाजी एक्शन के लिए रिपोर्ट किए जाने के बाद, शाकिब इस महीने की शुरुआत में यूके में आईसीसी द्वारा मान्यता प्राप्त परीक्षण केंद्र, लॉफबोरो विश्वविद्यालय में अपने गेंदबाजी एक्शन के स्वतंत्र मूल्यांकन में विफल

रहे। इसके बाद ईसीबी ने कार्रवाई की और, अवैध गेंदबाजी एक्शन के लिए आईसीसी के नियमों के खंड 11.3 के अनुसार, जब कोई राष्ट्रीय महासंघ किसी खिलाड़ी को अपनी घरेलू प्रतियोगिताओं में गेंदबाजी करने से निलंबित करता है, तो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में आईसीसी द्वारा निलंबन को स्वचालित रूप से मान्यता दी जाती है और सभी राष्ट्रीय क्रिकेट महासंघों द्वारा उनकी संबंधित घरेलू प्रतियोगिताओं में लागू किया जाता है। यह आधिकारिक सूचना प्राप्त होने पर बिना किसी और औपचारिकता की आवश्यकता के तुरंत लागू होता है। बीसीबी के बयान में कहा गया है, बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) को सूचित किया गया है कि राष्ट्रीय टीम के ऑलराउंडर शाकिब अल हसन को इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के अधिकार क्षेत्र के तहत प्रतियोगिताओं में गेंदबाजी करने से निलंबित कर दिया गया है। परिणामस्वरूप, शाकिब को बांग्लादेश के बाहर घरेलू क्रिकेट प्रतियोगिताओं और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में गेंदबाजी करने से भी निलंबित कर दिया गया है। यदि इस [पुनर्मूल्यांकन] विश्लेषण के परिणाम उनके एक्शन को स्पष्ट कर देते हैं, तो शाकिब को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और सभी राष्ट्रीय क्रिकेट महासंघों के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली घरेलू क्रिकेट प्रतियोगिताओं में गेंदबाजी करने की अनुमति दी जाएगी। अभी के लिए शाकिब घरेलू और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों में बल्लेबाज के रूप में खेल सकते हैं।

शाकिब अभी भी वनडे में सक्रिय खिलाड़ी हैं, लेकिन पिछले चार हफ़्तों में उन्हें अफ़गानिस्तान और वेस्टइंडीज़ सीरीज़ के लिए नहीं चुना गया। वह वर्तमान में लंका टी10 प्रतियोगिता में खेल रहे हैं। शाकिब ने गॉल मार्वल्स के लिए पिछले दो मैचों में गेंदबाजी नहीं की, जिसमें रविवार शाम को खेला गया मैच भी शामिल है।

राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में प्रतिस्पर्धा करने वाले शीर्ष तीरंदाजों में दीपिका, अंकिता भक्त, धीरज शामिल

एजेंसी

जमशेदपुर। व्यस्त 2025 कैलेंडर से पहले दीपिका कुमारी, अंकिता भक्त, बी धीरज, अभिषेक वर्मा और अदिति स्वामी सहित देश के शीर्ष तीरंदाज सोमवार से यहां शहर के मध्य स्थित गोपाल मैदान में शुरू होने वाली साल की अंतिम राष्ट्रीय तीरंदाजी चैंपियनशिप में खुद को परखेंगे।सबसे उल्लेखनीय अनुपस्थिति प्रतिष्ठित कंपाउंड तीरंदाज वी. ज्योति सुरेखा की होगी, क्योंकि एथलीट और उनकी राज्य इकाई, आंध्र प्रदेश तीरंदाजी संघ के बीच मतभेद हैं। ओलंपिक में एक और निराशाजनक प्रदर्शन के बाद, दीपिका ने अक्टूबर में मैक्सिको के ल्टाक्सकाला में विश्व कप फाइनल में रजत पदक हासिल करके कुछ सम्मान हासिल किया और वह साल का समापन अच्छे नोट पर करना चाहेंगी। धीरज, जिन्होंने अंकिता के साथ मिलकर पेरिस ओलंपिक की मिश्रित टीम स्पर्धा में चौथा स्थान हासिल किया था, के लिए राष्ट्रीय स्पर्धा अगले ओलंपिक के लिए उनकी तैयारियों की शुरुआत है।

तीरंदाजों का पहला लक्ष्य, जिनमें से कुछ ने हाल ही में विदेशों में इनडोर स्पर्धाओं में भाग लिया है, अगले महीने उत्तराखंड में होने वाले राष्ट्रीय खेलों में भाग लेने के लिए पात्र होने के लिए अच्छी रैंकिंग प्राप्त करना होगा। इसके बाद विश्व चैंपियनशिप, विश्व खेल, एशियाई चैंपियनशिप और विश्व कप सहित कई अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं से भरा कैलेंडर है।

अंडर-17 अफ्रीका कप ऑफ नेशंस क्वालीफायर : मेजबान युगांडा ने तंजानिया के साथ ड्रा खेला

एजेंसी

कंपाला। मेजबान युगांडा ने सीईसीएएफए जोन के लिए टोटलएनर्जीज अंडर-17 अफ्रीका कप ऑफ नेशंस (एएफसीओएन) फुटबॉल टूर्नामेंट क्वालीफायर के ग्रुप ए के अपने पहले मैच में तंजानिया के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेला। तंजानिया ने मैच की शुरुआत मजबूत टीम के रूप में की और 19वें मिनट में कंपाला के नकीवुब्बो हम्ज़ स्टेडियम में सालेह एले के गोल के ज़रिए बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद मैच के 58वें मिनट में युगांडा ने इसिमा मगाला के ज़रिए गोल कर स्कोर बराबर कर दिया। घरेलू टीम ने गोल करने के बाद गति पकड़ी और लगातार हमले किए, जबकि तंजानियाई टीम ने रक्षा में मज़बूती से काम किया।मैच के बाद तंजानिया के कोच एग्री मोरिस एम्ब्रोस ने कहा कि युगांडा की मजबूत टीम के खिलाफ ड्रॉ खेलना अच्छी शुरुआत थी। पूर्व तंजानियाई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी ने कहा, हमने अच्छी शुरुआत की, लेकिन युगांडा

ने दूसरे हाफ में बेहतर प्रदर्शन किया। उनके समकक्ष सेन्योंडो ने कहा कि पहले मैच में ड्रॉ खेलने के बाद युगांडा के पास सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए अपने आखिरी ग्रुप मैच में केन्या को हराने के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा।

दक्षिण सूडान, जिसने पहले मैच में सोमालिया को 3-0 से हराया था, अब ग्रुप बी में शीर्ष पर है, जबकि तंजानिया और युगांडा के पास ग्रुप ए में एक-एक अंक है। तंजानिया का सामना केन्या से ग्रुप ए में होगा, जबकि दक्षिण सूडान का सामना ग्रुप बी के मैच में सूडान से होगा। सर्वश्रेष्ठ दो टीमें अगले साल कोट डी आइवर में होने वाले अंडर-17 एएफसीओएन के लिए क्वालीफाई करेंगी।

ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में बनाए 445 रन, स्मिथ, हेड का शतक, बुमराह ने झटके 6 विकेट

एजेंसी

ब्रिसबेन। ट्रैविस हेड और स्टीव स्मिथ के शतकों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने यहां गाबा के मैदान पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तहत खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच में अपनी पहला पारी में 445 रन बनाए। हेड ने 152 और स्मिथ ने 101 रनों की बेहतरीन शतकीय पारी खेली। इन दोनों के अलावा एलेक्स कैरी ने अरधशतक लगाते हुए 70 रन बनाए। इस मैच में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत खराब रही और 38 के कुल स्कोर पर नाथन मेकस्विनी (09) और उस्मान ख्वाजा (21) क बुमराह ने पवेलियन भेज दिया। 75 के कुल स्कोर पर नीतीश रेड्डी ने मार्नश लाबुशेन (12) को आउट कर ऑस्ट्रेलिया को तीसरा झटका दिया।

स्मिथ, हेड ने संभाली पारी, लगाया शतक

यहां से लग रहा था कि भारत ऑस्ट्रेलियाई पारी को जल्दी समेट देगा, लेकिन हेड और स्मिथ ने भारतीय

गेंदबाजों की जमकर खबर ली और उन्हें विकेट के लिए तरसा दिया। दोनों ने मिलकर चौथे विकेट के लिए 241 रनों की साझेदारी की और अपने-अपने शतक पूरे किये।

बुमराह का चला जादू

316 के कुल स्कोर पर बुमराह ने स्मिथ को आउट कर यह साझेदारी तोड़ी। स्मिथ ने 101 रनों की शानदार शतकीय पारी खेली। 326 के कुल स्कोर पर बुमराह ने मिचेल मॉर्श (05) को आउट कर भारत को पांचवीं सफलता दिलाई। इसके बाद उन्होंने खतरनाक हेड को पंत के हाथों कैच कराकर अपने पांच विकेट पूरे किये। हेड ने 152 रनों ते बेहतरीन शतकीय पारी खेली। 385 के कुल स्कोर पर मोहम्मद सिराज ने ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस (20) को चलता किया। बुमराह ने 423 के कुल स्कोर पर मिचेल मॉर्श (18) को आउट कर अपने 6 विकेट पूरे किये। 445 के स्कोर पर सिराज ने नाथन लियोन (02) को आकाश दीप ने एलेक्स कैरी को आउट कर ऑस्ट्रेलियाई पारी का अंत किया। कैरी ने भी बेहतरीन अर्धशतक लगाते हुए 70 रन बनाए। भारत के लिए जसप्रीत बुमराह ने 6, मोहम्मद सिराज ने दो और आकाशदीप, नीतीश रेड्डी ने 1-1 विकेट लिए।

मुम्बई ने मप्र को पांच विकेट से हराकर जीता सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी का खिताब

एजेंसी

बेंगलुरु । सूर्यकुमार यादव (48) अजिंक्य रहाणे (37) और सूर्यांश शेगड़े (नाबाद 36) रनों की शानदार पारियों की बदौलत मुम्बई ने फाइनल मुकाबले में मध्यप्रदेश को पांच विकेट से हराकर सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2024 का खिताब अपने नाम किया। आतिशी बल्लेबाजी करने वाले सूर्यांश शेगड़े को 'प्लेयर ऑफ द मैच' तथा टूर्नामेंट में 469 रन बनाने वाले अजिंक?य रहाणे को 'प्लेयर ऑफ द सीरीज से नवाजा गया। मध्यप्रदेश के 175 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी मुम्बई की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 15 के स्कोर पर सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ (10) का विकेट गवां दिया। इसके बाद अजिंक्य रहाणे और कप्तान कप्तान श्रेयस अय्यर ने पारी संभालने का प्रयास किया। पांचवें ओवर में त्रिपुरेश सिंह ने श्रेयस अय्यर(16) को आउट कर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये सूर्यकुमार यादव ने शानदार पारी खेलते हुए 35 गेंदों में चार चौके और तीन छक्के लगाते हुये (48) रनों की पारी खेली। शिवम दुबे नौ रन बनाकर आउट हुये। अजिंक्य रहाणे ने 30 गेंदों में चार चौकों की मदद से (37) रन बनाये। अथर्व अंकोलेकर छह गेंदों में (नाबाद 16) और सूर्यांश शेगड़े 15 गेंदों में (नाबाद 36) रनों की आतिशी पारी खेली। मुम्बई ने 17.5 ओवर में 180 रन बनाकर पांच विकेट से मुकाबला और खिताब अपने नाम किया।

हार के साथ तमिल थलाइवाज का सफर समाप्त, शीर्ष-6 में पहुंचे जयपुर पिंक पैंथर्स

एजेंसी

पुणे। जयपुर पिंक पैंथर्स ने अपने आलराउंड प्रदर्शन के दम पर बालेवाड़ी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के बैडमिंटन हॉल में खेले गए प्रो कबड्डी लीग के सीजन के 113वें मैच में तमिल थलाइवाज को 34-27 के स्कोर से हराते हुए अंक तालिका में छठा स्थान हासिल कर लिया है। इस हार के साथ इस सीजन में थलाइवाज का सफर समाप्त हो गया है। डिफेंस के दम पर चले इस मैच में रेडर्स कुछ खास नहीं कर सके। जयपुर ने हालांकि रेड में 7 के मुकाबले 13 अंक लेकर बेहतर प्रदर्शन किया और 19 मैचों में 10वीं जीत हासिल की। दूसरी ओर, थलाइवाज को 19 मैचों मे 12वीं और पिछले छह मैचों मे पांचवीं हार मिली। डिफेंस में थलाइवाज ने 15 के मुकाबले 17 अंक लिए। शुरुआती चार मिनट में बराबरी का मुकाबला हुआ। स्कोर 4-4 था। जयपुर ने हालांकि इसके बाद लगातार तीन अंक ले फासला 3 का कर दिया। इसी बीच हिमांशु ने रेजा से गलती कराकर स्कोर 5-7 कर दिया। फिर नितेश ने नीरज को एंकल होल्ड कर लिया लेकिन अंकुश ने इसी अंदाज में साई प्रसाद को लपक लिया। 10 मिनट की समाप्ति तक जयपुर 9-7 से आगे थे।ब्रेक के बाद अर्जुन की रेड पर नितेश सेल्फ आउट हुए। इस तरह थलाइवाज के लिए सुपर टैकल आन हो गया। इस बीच थलाइवाज के लिए डू ओर डाई रेड पर सचिन आए लेकिन रौनक ने उन्हें लपक कर स्कोर 11-7 कर दिया। अर्जुन की अगली रेड पर थलाइवाज को सुपर टैकल के दो और जयपुर को एक अंक मिला। फिर हिमांशु एक अंक लेकर लौटे लेकिन थलाइवाज अधिक देर खुद को संभाव नहीं सके और जयपुर ने आलआउट लेकर 17-10 की लीड ले ली। आलइन के बाद जयपुर ने लगातार दो अंक लिए लेकिन थलाइवाज ने अर्जुन को लपक बड़ा शिकार किया। थलाइवाज ने इसके बाद भी लगातार दो अंक लिए। जयपुर ने हालांकि 20-13 के स्कोर पर पाल बदला। हाफटाइम के बाद थलाइवाज के डिफेंस ने रिवाइव होकर आए अर्जुन तथा अभिजीत को लपक कर स्कोर 15-21 कर दिया। थलाइवाज के लिए दिक्कत यह थी कि वे जितने अंक ले रहे थे, उसने ही दे रहे थे। यही कारण था कि फासला लगातार 6-7 का बना हुआ था। दोनों टीमें डू ओर डाई रेड पर खेल रही थीं। अर्जुन आए और अंक लेकर लौटे लेकिन जयपुर के डिफेंस ने हिमांशु को लपक स्कोर 25-16 कर दिया। अगली रेड पर अर्जुन लपके गए लेकिन जयपुर ने रंजीत को लपक 30 मिनट की समाप्ति तक स्कोर 26-17 कर दिया। अच्छी बात यह थी कि थलाइवाज का डिफेंस अर्जुन को नहीं चलने दे रहा था।

स्टेट बैंक वॉलीबॉल: कोलकाता,चंडीगढ़,जयपुर जीते

एजेंसी

लखनऊ। स्टेट बैंक अन्तर्मण्डलीय वॉलीबॉल टूर्नामेन्ट के तीसरे दिनकोलकाता ने मुंबई को 2-1 से हराया। केडी सिंह बाबू स्टेडियम पर आज खेले गये अन्य मुकाबलों में चंडीगढ़ ने बेंगलुरु को और मुंबई मेट्रो ने हैदराबाद को कड़े संघर्ष में 2-1 से हराया जबकि तिरुवनंतपुरम ने हैदराबाद को , जयपुर ने भुवनेश्वर को ,अमरावती ने भोपाल को, गुवाहाटी ने लखनऊ को तथा कोलकाता ने दिल्ली को को 2-0 से हराया।

भारतीय महिला टीम ने वेस्टइंडीज को 49 रनों से हराया

एजेंसी

नवी मुंबई। जेमिमाह रॉड्रिग्स (73),स्मृति मंधाना (54) रनों की तूफानी पारियों के बाद तितास साधु (तीन विकेट) , राधा यादव और दीप्ति शर्मा के (दो-दो विकेट) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत भारतीय महिला टीम ने पहले टी-20 मुक़ाबले में वेस्टइंडीज की महिला टीम को 49 रनों से शिकस्त दी। इसी के साथ भारत ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0से बढ़त बना ली हैं। भारतीय महिला टीम के 195 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने दूसरे ही ओवर में सलामी बल्लेबाज हेली मैथ्यूज (एक) का विकेट गवां दिया। सातवें ओवर में शमैन कैंपबेल (13)को दीप्ति शर्मा ने बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद डिएंड्रा डॉटिन ने किआना जोसेफ के साथ पारी को संभाला और तेजी के साथ रन बटोरे। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 44 रनों की साझेदारी हुई। तितास साधु ने 10वें ओवर में

किआना जोसेफ (49) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। शिनेल हेनरी (सात), डिएंड्रा डॉटिन (52) और ऐफी फ्लेचर (शून्य) पर आउट हुई। 19वें ओवर में राधा यादव ने जायडा जेम्स (पांच) को आउट किया। शबीका गजनबी (15) और मैंडी मैंगरु (दो) रन बनाकर नाबाद रही। वेस्टइंडीज की टीम निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट पर 146 रन ही बना सकी और 49 रनों से मुकाबला हार गई।भारत की ओर से तितास साधु ने तीन विकेट लिये। दीप्ति शर्मा को दो विकेट मिले। राधा यादव ने एक बल्लेबाज को आउट किया। आज यहां इससे पहले भारतीय महिला टीम ने वेस्टइंडीज को जीत लिए 196 रनों का लक्ष्य दिया था। टॉस जीतकर वेस्टइंडीज की टीम ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय महिला टीम की उमा छेत्री और स्मृति मंधाना की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिय (50) रन जोड़े। सातवें ओवर में करिश्मा रामहैरक ने उमा छेत्री (24) को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। 14वें ओवर में रामहैरक ने स्मृति मंधाना (54) को भी आउट कर पवेलियन भेज दिया।

आखिरी लम्हे में यू मुंबा पर मिली जीत के साथ अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंचा यूपी योद्धाज

एजेंसी

पुणे। अपने डिफेंस के दम पर एक करीबी मुकाबला अपने नाम करते हुए यूपी योद्धाज ने प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन की अंक तालिका में तीसरा स्थान हासिल कर लिया है। यूपी की टीम ने बालेवाड़ी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के बैडमिंटन हॉल में खेले गए सीजन के 114वें मैच में यू मुंबा को 30-27 से हराया। लगातार छह मैचों से अजेय यूपी की टीम ने तीन स्थान की छलांग लगाई है। उसे 19 मैचों में 10वीं जीत मिली जबकि मुंबा को इतने ही मैचों में सातवीं हार मिली। मुंबा अब पांचवें स्थान पर खिसक गए हैं। यूपी ने डिफेंस से सात के मुकाबले 11 अंक निकाले जबकि रेडिंग में दोनों टीमें 16-16 अंक के साथ बराबरी पर रहीं। तीसरे स्थान पर पहुंचने को आतुर दोनों टीमों ने सावधान शुरुआत की। पांच मिनट में सिर्फ सात अंक बने। यूपी ने 4-3 की लीड बना रखी थी लेकिन भवानी के शिकार के साथ मुंबा ने स्कोर बराबर कर लिया। यूपी ने हालांकि जल्द ही 6-5 की लीड ले ली। इस बीच गगन को डू ओर डाई रेड पर लपक मुंबा ने 10 मिनट की समाप्ति तक स्कोर 6-6 कर दिया। ब्रेक के बाद यूपी ने लगातार दो अंक के साथ फिर से लीड ले ली। अब दोनों टीमें कोई अतिरिक्त रिस्क नहीं लेना

चाह रहे थे। इसी कारण मैच डू ओर डाई पर चल रहा था। मुंबा के लिए अजीत तथा यूपी के लिए भवानी ने डू ओर डाई रेड पर अंक लिया। फासला अभी भी दो का बना हुआ था। भवानी डू ओर डाई रेड पर लगातार अंक ले रहे थे लेकिन अगली बार लोकेश ने उनका शिकार कर स्कोर 10-11 कर दिया। फिर मंजीत ने आशू को बाहर कर स्कोर 11-11 कर दिया। फिर सुनील-परवेश की जोड़ी ने मुंबा को एक अंक से आगे कर दिया लेकिन हितेश ने अजीत को सुपर टैकल कर यूपी को हाफटाइम तक 13-12 की लीड दिला दी। हाफटाइम के बाद यूपी ने दो के मुकाबले पांच अंक लेकर अपनी स्थिति मजबूत की। स्कोर 18-14 हो गया था। इस बीच भवानी ने परवेश को आउट कर मुंबा को सुपर टैकल सिचुएशन में ला दिया। भवानी ने अगली रेड पर रोहित का शिकार कर मुंबा को आलआउट की ओर धकेला और फिर इसे अंजाम देकर 24-16 की लीड ले ली।ब्रेक के बाद मुंबा ने 1 के मुकाबले 3 अंक लेकर फासला 6 का कर दिया। इसी बीच एक अहम मुकाम पर भरत डू ओर डाई रेड पर आए लेकिन लपक लिए गए। अब यूपी के लिए सुपर टैकल आन था। फिर रोहित ने दो अंक की रेड के साथ यूपी का सफाया कर दिया। आलआउट लेकर मुंबा ने स्कोर 25-26 कर दिया था। आलइन के बाद रोहित लपक लिए गए। अब यूपी दो अंक से आगे थे। स्थानापन्न सौरव राउत ने हालांकि महेंदर को आउट कर स्कोर 26-27 कर दिया। फिर गगन को लपक मुंबा ने स्कोर बराबर कर दिया। अब सिर्फ डेढ़ मिनट बचे थे। इसके बाद यूपी ने लगातार तीन अंक लेकर अपनी जीत सुनिश्चित की और अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गए। यूपी की टीम लगातार छह मैच से अपराजित है।

तो 2023 में ही मथियास बो की दुल्हनिया बन गई थीं

तापसी पन्नू

एक साल तक क्यों छिपाया शादी का सच?

हिंदी सिनेमा की दुनिया में तापसी पन्नू एक बेहतरीन अदाकारा हैं. उन्होंने कई बड़े-बड़े स्टार्स के साथ फिल्मों में काम किया है और एक्ट्रेस की फिल्में हिट रही हैं. हाल ही में तापसी पन्नू ने अपनी शादी को लेकर खुलासा किया है. एक्ट्रेस ने बताया है कि उनकी शादी साल 2024 में नहीं बल्कि 2023 में हो गई थी.

आज तक के साथ बातचीत के वक्त तापसी पन्नू ने और भी कई मुद्दों पर बात की. इस दौरान उन्होंने अपनी शादी पर भी बड़ा खुसासा किया. उन्होंने कहा कहा, हमारी अरेंज मैरिज नहीं थी, लव मैरिज थी. असल में लोगों को कुछ भी इसलिए नहीं पता चला, क्योंकि मैंने प्रेस रिलीज नहीं दिया था और मेरी इस साल नहीं पिछले साल शादी हो गई थी. अब बहुत जल्द एक साल होने को हैं, हमने पिछले साल दिसंबर में पेपर्स साइन कर लिए थे. ये बात अगर शायद आज मैं नहीं बोलती तो पता भी नहीं चलता. हमने ये चाहा था कि हमारी जो पर्सनल लाइफ है, वो पर्सनल ही रहे.

तापसी ने क्यों नहीं किया शादी का खुलासा

तापसी ने कहा, हम अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को अलग-अलग ही रखना चाहते थे. क्योंकि मैंने देखा है, मेरे कुछ कलीग्स को कि जब पर्सनल लाइफ कुछ ज्यादा ही एक्सपोज हो जाती है तो उनकी निजी और प्रोफेशनल लाइफ दोनों पर असर होने लग जाता है. आपकी पर्सनल लाइफ के हाई या लो का क्रेडिट आपके पर्सनल लाइफ में दिखने लगता है, और आपकी पर्सनल लाइफ पर असर होने लग जाता है. तो मुझे इसके बीच एक सॉलिड लाइन बनाकर रखनी थी कि मेरी पर्सनल लाइफ हमेशा पर्सनल रहे और प्रोफेशनल लाइफ प्रोफेशनल रहेगी.

ट्रेडिशनल तरीके से हुई थी शादी

तापसी पन्नू ने मथियास बो के साथ इस साल 23 मार्च को उदयपुर में शादी की थी. ये एक ट्रेडिशनल सेरेमनी थी. दोनों की शादी में केवल परिवार के लोग और कुछ बहुत खास दोस्त शामिल हुए थे. तापसी पन्नू और मथियास की शादी में अनुराग कश्यप, पल्लवी गुलाटी और कनिका ढिल्लों समेत उनके कुछ सेलिब्रिटी दोस्त शामिल हुए थे. तापसी पन्नू और मथियास बो ने 2013 से डेट करना शुरू कर दिया था और दोनों को साथ में 11 साल हो चुके हैं. वो एक-दूसरे के साथ हैं और बहुत खुश हैं.

जब डायरेक्टर ने चुपके से इस सुपरस्टार संग फिल्मा दिया श्रीदेवी का किसिंग सीन, मच गया था बवाल

बॉलीवुड में कई किस्से कहानियां चलते रहते हैं. कई बार पर्दे के सामने जो दिखाई देता है, पर्दे के पीछे चीजें उससे काफी ज्यादा अलग होती हैं. पर्दे के पीछे ऐसे कई किस्से होते हैं, जो जल्दी सामने नहीं आते हैं, लेकिन जब सामने आती हैं तो सब दंग रह जाते हैं. एक ऐसा ही किस्सा है श्रीदेवी और मिथुन चक्रवर्ती की फिल्म 'गुरु' का. 'गुरु' फिल्म की शूटिंग के दौरान कुछ ऐसा हुआ था कि श्रीदेवी फिल्म के निर्देशक उमेश मेहरा पर भड़क गई थीं. उन्होंने निर्देशक को खूब खरी-खोटी सुनाई थी. श्रीदेवी उन दिनों एक से बढ़कर एक फिल्में दे रही थीं, लेकिन फिल्म करने से पहले निर्देशकों के साथ उनकी साफ-साफ नो किसिंग पॉलिसी हुआ करती थी. कहते हैं कि श्रीदेवी को फिल्मों में को-स्टार के साथ किसिंग सीन देना पसंद नहीं था. न तो वो खुद ऐसा करती थीं और न ही बॉडी डबल के सहारे ये सीन शूट के लिए राजी होती थीं.

जब खूब हुए मिथुन और श्रीदेवी के प्यार के चर्चे

उस समय श्रीदेवी और मिथुन चक्रवर्ती के अफेयर के चर्चे फिल्मी गलियारों में खूब थे. हर निर्माता-निर्देशक चाहता था कि वो दोनों को एकसाथ अपनी फिल्म में लें और मूवी हिट हो जाए. निर्देशक उमेश मेहरा ने श्रीदेवी और मिथुन चक्रवर्ती के साथ 'गुरु' फिल्म साइन की. श्रीदेवी ने साफ तौर पर कह दिया था कि फिल्म में कोई किसिंग सीन शामिल नहीं किया जाएगा. लीगल कॉन्ट्रैक्ट साइन हुआ और फिल्म की शूटिंग शुरू हो गई.

किसिंग सीन देख खूब हुआ हंगामा

जब गुरु की शूटिंग लगभग 90% हो गई तो फिल्म की स्क्रिप्ट में एक किसिंग सीन जोड़ दिया गया जो कि श्रीदेवी की बॉडी डबल ने शूट किया था. जब ये सबके सामने आया तो श्रीदेवी बहुत भड़क गई थीं. श्रीदेवी ने 1992 में फिल्मफेयर को एक इंटरव्यू दिया था. उस वक्त उन्होंने ये किस्सा सुनाया था. श्रीदेवी ने कहा था, मैंने गुरु में किसिंग सीन करने से मना कर दिया था, लेकिन डायरेक्टर ने मुझसे बिना बताए फिल्म में किसिंग सीन शूट करवा दिया और उसे मेरी बॉडी डबल ने किया था.

रितेश देशमुख बॉक्स ऑफिस पर छाने को तैयार, हाथ में हैं तीन बड़ी फिल्में

बॉलीवुड एक्टर रितेश देशमुख को लास्ट टाइम फिल्म ककुड़ा में देखा गया था, जो ओटीटी पर रिलीज हुई थी. उस हॉरर-कॉमेडी फिल्म के बाद से रितेश किसी हिंदी फिल्म में नजर नहीं आए हैं. फैंस जानना चाहते थे कि आखिर आजकल रितेश देशमुख हैं कहां? हाल ही में एक इंटरव्यू में रितेश देशमुख ने अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स के बारे में बताया है.इस 17 दिसंबर को रितेश अपना 45वां बर्थडे मनाएंगे. अभी तक रितेश हिंदी और मराठी सिनेमा के लिए ढेरों फिल्में कर चुके हैं और रितेश का फिल्मी करियर सफल रहा है. अगर बात रितेश की आने वाली फिल्मों की करें तो उनकी तीन बड़ी रोमांटिक-कॉमेडी फिल्में आने वाली हैं.

रितेश देशमुख की आने वाली फिल्में

इंडिया टुडे को दिए एक इंटरव्यू में जब रितेश से सवाल पूछा गया कि उनके आने वाले प्रोजेक्ट्स क्या-क्या हैं? इसपर रितेश कहते हैं, 'मेरे पास तीन बड़े प्रोजेक्ट्स हैं. मैं मस्ती 4, धमाल 4 और हाउसफुल 5 कर रहा हूं. मैं अपने को-एक्टर्स और डायरेक्टर्स के साथ रीयूनियन के लिए बहुत एक्साइटेड हूं.' इनमें से फिल्म हाउसफुल 5 तो 6 जून 2025 को रिलीज हो रही है, जिसमें रितेश देशमुख के साथ अक्षय कुमार, फरदीन खान, अभिषेक बच्चन जैसे कलाकार नजर आएंगे.

वहीं 'मस्ती' के चौथे पार्ट का ऐलान कर दिया गया है. 'धमाल' के चौथे पार्ट का 2025 में ऐलान हो सकता है. मस्ती और धमाल 2026 में आ सकती हैं. रितेश देशमुख इन फिल्मों के लीड एक्टर्स में से एक हैं. इन दोनों फिल्मों के पिछले पार्ट्स भी कमाल के थे और अब फैंस को इन फिल्मों का भी इंतजार है.

रितेश देशमुख सोच-समझकर करते हैं फिल्में

रितेश देशमुख ने बताया है कि अब फिल्मों को सिलेक्ट करने से पहले वो काफी विचार करते हैं. रितेश ने इस बारे में कहा, 'समय के साथ, मेरी फिल्मों को सिलेक्ट करने का नजरिया बदला है. आज मैं उन लोगों के साथ काम करना चाहता हूं, जिनका मैं बहुत सम्मान करता हूं और जिन्होंने मुझे उस दौर में पहचाना जब मैं नया था.अब मैं उन सितारों में शामिल हूं जो अपनी पसंद की ही फिल्में करते हैं वरना मना भी कर सकते हैं.'

Allu Arjun को देख भर आईं पत्नी

स्नेहा रेड्डी

की आंखें, पति को Kiss कर लगाया गले, बेटा भी हुआ इमोशनल

शुक्रवार को अल्लू अर्जुन के ऊपर गाज गिर गई। 4 दिसंबर को पुष्पा 2 के प्रीमियर के दौरान संध्या थिएटर में एक महिला की मौत के मामले में अभिनेता को गिरफ्तार कर लिया गया। शुक्रवार को अभिनेता को घर से गिरफ्तार किया गया।

इस दौरान उनकी पत्नी स्नेहा रेड्डी टूट गई थीं।अल्लू अर्जुन की गिरफ्तारी के बाद ही उन्हें जेल भेज दिया गया और फिर तुरंत उन्हें अंतरिम बेल भी मिल गई। मगर इसके बावजूद उन्हें एक रात जेल में बितानी पड़ी, जिसके चलते उनकी पत्नी स्नेहा पर क्या बीती है, यह उनके लेटेस्ट वीडियो से साफ जाहिर हो रहा है।

पति को देख भावुक हुईं स्नेहा रेड्डी

अल्लू अर्जुन की रिहाई के बाद एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। क्लिप में स्नेहा रेड्डी अपने पति को देखते ही इमोशनल हो जाती हैं। वह पहले अपने पति को गाल पर किस करती हैं और उन्हें जोर से गले लगा लेती हैं। स्नेहा की आंखों में आंसू साफ दिखाई दे रहा है। वह अपने को गले लगकर अपने इमोशन को छुपाने की कोशिश कर रही हैं।

इस दौरान अल्लू अर्जुन भी अपनी पत्नी का हौसला बढ़ाते हुए दिख रहे हैं। वीडियो में एक्टर का बेटा भी दिख रहा है। बेटे ने अपनी मां और पिता को गले लगाया। यह इमोशनल वीडियो सोशल मीडिया पर धड़ल्ले से वायरल हो रहा है।

गिरफ्तारी पर बोले अल्लू अर्जुन

शनिवार को जेल से रिहा हुए अल्लू अर्जुन ने पहली बार अपनी गिरफ्तारी पर चुप्पी तोड़ी है और पीड़िता के परिवार के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की हैं। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा, मैं एक बार फिर परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करना चाहता हूं। यह एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना थी। जो कुछ हुआ उसके लिए हमें खेद है। एक्टर ने फैंस को भरोसा दिलाया कि अब चिंता की कोई बात नहीं है और साथ ही समर्थन के लिए उन्हें धन्यवाद किया है।

बात करें वर्क फ्रंट की तो इन दिनों अल्लू अर्जुन एक्शन थ्रिलर तेलुगु फिल्म पुष्पा 2 (**Pushpa** 2) में नजर आ रहे हैं। इस फिल्म ने दुनियाभर में 1100 करोड़ के पार कारोबार किया है।